सुप्रभात
रांची, सोमवार
02.06.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित | सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | ज्येष्ठ, शुक्ल पक्ष, सप्तमी, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 317
12 फिल्म सरदार जी-3 का फर्स्ट लुक जारी

न्यूज डायरी

कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर 24 रुपये सस्ता

नयी दिल्ली। सरकारी ऑयल मार्केटिंग कंपनियों की ओर से रविवार को एलपीजी गैस सिलेंडर के नए रेट जारी कर दिए गए हैं। कंपनियों द्वारा 19 किलो वाले कमर्शियल एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में 24 रुपए की कटौती की गई है, जबकि घरेलू एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

वन नेशन वन इलेक्शन गेमचेंजर होगा : कोविंद

मसूरी। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद वन नेशन वन इलेक्शन को देश के लिए गेम चेंजर बताया है। उन्होंने कहा वन नेशन वन इलेक्शन लागू होने के बाद देश की जीडीपी बढ़ेगी। उन्होंने कहा वन नेशन वन इलेक्शन भारत की समृद्धि और विकास के लिए ही नहीं, बल्कि आर्थिक विकास के लिए भी मील का पत्थर साबित होगा। आपरेशन सिंदूर की सफलता पर पूरा देश सेना के शौर्य और पराक्रम को नमन करता है। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि अगर दुश्मन देश नहीं सुधरेगा तो उसी ऑपरेशन सिंदूर की तरह ही जवाब दिया जायेगा।

पूर्व विधायक युगल किशोर पांडेय का निधन

मेदिनीनगर। गढ़वा विधानसभा के पूर्व विधायक युगल किशोर पांडेय का निधन शनिवार की रात रांची के मेडिका हास्पिटल में इलाज के दौरान हो गया। वह लंबे समय से बीमार चल रहे थे। मेडिका में उनका डायलिसिस चल रहा था। युगल किशोर पांडेय गढ़वा विधानसभा क्षेत्र से 1979-80 में विधायक निर्वाचित हुए थे। उनके निधन से इलाके में मातम है।

जमीन विवाद में समाजसेवी की हत्या

गिरिडीह। जमुआ प्रखंड में जमीन विवाद में समाजसेवी कार्तिक दास की हत्या कर दी गयी। पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है। घटना को लेकर लोगों में आक्रोश है। पुलिस ने लोगों से शांत रहने की अपील की है। जानकारी के मुताबिक जमीन विवाद को लेकर कार्तिक दास का गोतिया देवनंदन दास से विवाद था। देवनंदन दास ने कुदाल से कार्तिक रविदास के सर पर हमला कर दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गयी।

पूर्वात्तर के राज्यों में बारिश से तबाही, 27 की मौत

दिसपुर। पूर्वोत्तर के छह राज्यों में तेज बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। अधिकारियों ने पुष्टि की है कि तेज वर्षा के कारण भूस्खलन, घर ढहने और डूबने की घटनाओं में 27 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। बंगाल की खाड़ी में दबाव के कारण तेज बारिश हुई। 27 पीड़ितों में से नौ की मौत अरुणाचल प्रदेश में, छह की मेघालय में, असम और मिजोरम में पांच-पांच और त्रिपुरा तथा नागालैंड में एक-एक व्यक्ति की मृत्यु हुई। वर्षा और भूस्खलन के कारण क्षेत्र के कई जिलों में सड़क संचार बुरी तरह प्रभावित है।

एडीबी के अध्यक्ष मसातो कांडा से पीएम मोदी से मिले

भारत के शहरी परिवर्तन में एडीबी 10 अरब डॉलर का करेगा निवेश

एजेंसी

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा से अपने आधिकारिक निवास पर मुलाकात की। इस बैठक में भारत के इन्फ्रास्ट्रक्चर में 10 अरब डॉलर के निवेश को लेकर बातचीत की गयी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एडीबी अध्यक्ष की पोस्ट को शेयर करते हुए लिखा, मसातो कांडा के साथ एक शानदार बैठक हुई, जिसमें हमने कई मुद्दों पर अपने विचार साझा किए। पिछले दशक में भारत के तेजी से हुए परिवर्तन ने अनगिनत लोगों को सशक्त बनाया है और हम इस यात्रा में और गति लाने के लिए काम कर रहे हैं।

विकसित भारत@2047 का विजन साहसिक, एडीबी का मिला समर्थन : कांडा ने सोशल मीडिया पर अपने पोस्ट में लिखा, विकसित भारत 2047 का विजन साहसिक है और एडीबी इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य का समर्थन कर रहा है। हम अगले पांच वर्षों में नगर निगम के इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास, मेट्रो नेटवर्क का विस्तार, नए रीजनल रैपिड ट्रांजिट सिस्टम कॉरिडोर बनाने और शहर की सेवाओं के आधुनिकीकरण में थर्ड पार्टी कैपिटल सहित 10 अरब डॉलर का निवेश करेंगे।

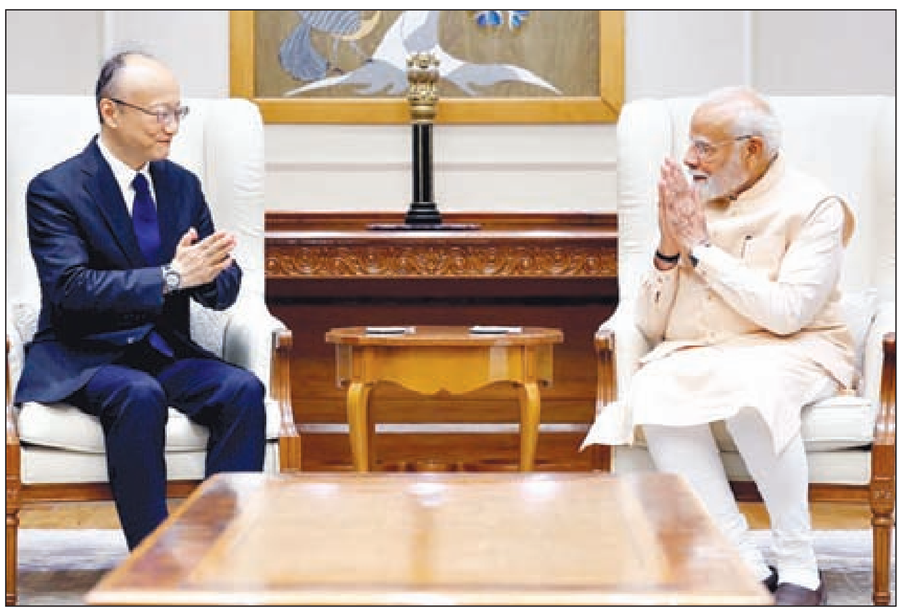

प्रधानमंत्री से मुलाकात करते एशियन डेवलपमेंट बैंक (एडीबी) के अध्यक्ष मसातो कांडा

एडीबी का संस्थापक सदस्य भारत हमारा सबसे बड़ा उधारकर्ता और एक मजबूत साझेदार भी : मसातो

मसातो कांडा ने पोस्ट में आगे लिखा, एडीबी का संस्थापक सदस्य भारत हमारा सबसे बड़ा उधारकर्ता है और एक मजबूत साझेदार है। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के लिए फाइनेंस को बढ़ाकर, ज्ञान सहयोग को गहरा करके और पूंजी जुटाकर हम 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने और अपने 1.4 अरब लोगों के लिए समावेशी, लचीला और टिकाऊ विकास प्रदान करने के भारत के अभियान का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

इन योजनाओं पर होगा काम

एडीबी ने कथित तौर पर जलापूर्ति, स्वच्छता, आवास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं पर 22 राज्यों के 110 से अधिक शहरों के साथ साझेदारी की है, जिसमें 5.15 अरब डॉलर की राशि के 27 लोन शामिल हैं। एडीबी ने कथित तौर पर जल आपूर्ति, स्वच्छता, आवास और ठोस अपशिष्ट प्रबंधन से संबंधित परियोजनाओं पर 22 राज्यों के 110 से अधिक शहरों के साथ साझेदारी की है, जिसमें 5.15 अरब डॉलर की राशि के 27 लोन शामिल हैं। इससे पहले, एडीबी अध्यक्ष ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से भी मुलाकात की, जहां दोनों लीडर्स ने ग्रामीण क्षेत्र में समृद्धि लाने, रूफ टॉप सोलर एनर्जी क्षमता बढ़ाने और यूसीएफ को चालू करने की योजनाओं पर चर्चा की।

शाह बोले- दीदी की घड़ी खत्म... 2026 में बनायेंगे सरकार

देश में बांग्लादेशी नागरिकों की घुसपैठ के लिए ममता जिम्मेदार

केंद्रीय गृह मंत्री ने प. बंगाल की धरती से भाजपा के मिशन 2026 का बिगुल फूंका

एजेंसी

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पश्चिम बंगाल की धरती से रविवार को भाजपा के मिशन 2026 का बिगुल फूंक दिया। ऐतिहासिक रामलीला मैदान में हजारों समर्थकों के बीच शाह ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तृणमूल सरकार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने ममता सरकार पर घोटालों और तुष्टिकरण का आरोप लगाया। कहा कि बांगलादेशियों की घुसपैठ के लिए ममता सरकार जिम्मेवार है। उन्होंने कहा, दीदी की घड़ी खत्म...। श्री शाह ने पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनाने का दावा किया। उन्होंने कहा, राज्य में ममता दीदी की सरकार का समय समाप्त हो गया है और अगले वर्ष होने वाले विधानसभा चुनावों भाजपा) यहां सत्तारुढ़ होगी। दीदी की जमानत जब्त हो जायेगी।

अमित शाह ने कहा, सालों तक बंगाल पर कम्युनिस्टों का शासन रहा। फिर ममता बनर्जी 'मां, माटी, मानुष' का नारा देकर आयीं। उन्होंने बंगाल की महान भूमि को घुसपैठ, महिलाओं पर अत्याचार, अपराध, बम विस्फोट और हिंदुओं के साथ अनैतिकता की भूमि में बदल दिया। उनके सीएम बनने के बाद पश्चिम बंगाल में सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गयी। दीदी, मेरी बात सुनो, अब आपका समय खत्म हो गया। गृह मंत्री ने कहा, मैं भरोसा दिलाता हूं कि जैसे ही टीएमसी सत्ता से हटेगी, हमारे पार्टी कार्यकर्ताओं की हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों को सजा मिलेगी, भले ही वे जमीन के नीचे छिपे हों।

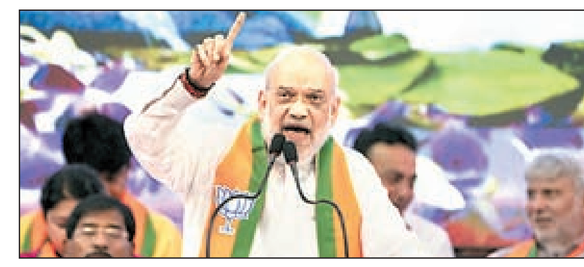

अवैध घुसपैठ भाजपा ही रोकेगी

अमित शाह ने जनसभा की शुरूआत में बंगाल के महान सपूतों- स्वामी विवेकानंद, नेताजी सुभाष चंद्र बोस और श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नमन किया। उन्होंने दो टूक कहा, बंगाल में भाजपा की सरकार बनेगी। घुसपैठ रुकेगा और हिंदू पलायन बंद होगा। उन्होंने ममता बनर्जी को भारत में बंगलादेशियों की घुसपैठ के लिए जिम्मेदार ठहराया और कहा कि राज्य में केवल भाजपा की सरकार ही इसे प्रभावी रूप से रोक सकती है। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी चाहे जितना भी पाकिस्तानी आतंकवादियों का पक्ष लें, लेकिन मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि यह पीएम मोदी की सरकार है और ऑपरेशन सिंदूर अभी खत्म नहीं हुआ है। जो कोई भी हिम्मत करेगा, उसे उचित जवाब दिया जायेगा।

यह वोट नहीं सुरक्षा का मामला भी

श्री शाह ने पार्टी कार्यकर्ताओं से कहा, बंगाल के वोट केवल बंगाल का भविष्य तय नहीं करते हैं, बंगाल का वोट देश की सुरक्षा से जुड़ा है, क्योंकि ममता बनर्जी ने बंगलादेशियों के लिए हमारे देश की सीमाएं खोल दी हैं। आप मुझे बताएं, घुसपैठ रोकनी चाहिए या नहीं। उन्होंने कहा, क्या दीदी इसे रोक सकती हैं? क्या उनके भतीजे (अभिषेक बनर्जी) इसे रोक सकते हैं? केवल बीजेपी सरकार ही घुसपैठ को रोक सकती है। उन्होंने कहा, अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के वास्ते दीदी घुसपैठ को बढ़ावा देने के लिए बंगाल की सीएम नागरिकता संशोधन अधिनियम का विरोध कर रही है।

देश में कोरोना के एक्टिव मरीजों की संख्या 3758

अब तक 28 संक्रमित लोगों की हुई मौत

एजेंसी

नयी दिल्ली। देशभर में एक बार फिर कोविड-19 के मामले बढ़ते दिख रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली ताजा जानकारी के मुताबिक, देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के कुल एक्टिव केस बढ़कर 3,758 हो चुके हैं। इनमें से 1,818 लोग पूरी तरह ठीक होकर घर लौट चुके हैं, जबकि अब तक 28 लोगों की जान इस संक्रमण से जा चुकी है। मृतकों में सबसे ज्यादा केरल और महाराष्ट्र से 7-7, जबकि दिल्ली में 3 लोगों की अबतक कोरोना संक्रमण से जान चुकी है।

स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, 24 घंटे में कोविड के 363 नये केस सामने आये। इस दौरान 383 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हुए, लेकिन 2 लोगों की संक्रमण से मौत भी हो गयी। देश में कोरोना वायरस संक्रमण से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य केरल है, जहां अब तक 1400 केस सामने आ चुके हैं। यहां बीते 24 घंटे में 64 नये मरीज सामने आये। एक मरीज की मौत भी हो गयी। वहीं राजधानी दिल्ली में अब तक कुल 436 कोरोना मरीज दर्ज किये गये हैं। इनमें 3 की मौत हुई है।

मास्क पहनने और सतर्क रहने की सलाह

केंद्र सरकार ने सभी राज्य सरकारों को सतर्कता आदेश जारी किये हैं। सभी राज्यों से कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए अलर्ट रहने को कहा गया है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से अपील की है कि वे सतर्क रहें, भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से परहेज करें। संक्रमण से बचाव के लिए हमेशा मास्क पहनें। हाथ धोने जैसी सावधानियों का पालन करें। जिन लोगों ने अभी तक वैक्सीन की बूस्टर डोज नहीं ली है, उन्हें जल्द से जल्द लेने की सलाह दी जा रही है।

4 को आदिवासी संगठनों ने बंद का ऐलान किया

पूर्वी सिंहभूम। झारखंड के विभिन्न आदिवासी संगठनों ने 4 जून को झारखंड बंद का आह्वान किया है। इस बंद को भारत आदिवासी पार्टी समेत कई संगठनों का समर्थन मिला है। आदिवासी धार्मिक स्थलों की सुरक्षा, पेसा कानून लागू करने और रैयती जमीन की लूट पर रोक लगाने जैसी मांगों को लेकर यह बंद बुलाया गया है। रविवार को बारीडीह स्थित एक सभागार में भारत आदिवासी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष प्रेम शाही मुंडा की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक में इसकी घोषणा की गयी। बैठक में विभिन्न आदिवासी संगठनों के प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। बैठक में 4 जून के बंद को सफल बनाने और आंदोलन की रूपरेखा तैयार की गयी और व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। प्रेम शाही मुंडा ने कहा कि आदिवासियों की अस्मिता, संस्कृति और अधिकारों का हनन हो रहा है जिसकी रक्षा के लिए यह आंदोलन आवश्यक है ताकि आदिवासी समाज का संरक्षण हो सके।

भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी पर झामुमो बड़ा आरोप, कहा

अपने मित्र को बचाने के लिए रिम्स-2 का कर रहे हैं विरोध

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। नगड़ी ब्लॉक में प्रस्तावित रिम्स-2 का विरोध जताने पर झामुमो नेता सुप्रियो भट्टाचार्य ने बाबूलाल मरांडी पर निशाना साधा है और कई तीखे सवाल किये। उन्होंने पार्टी के कैंप कार्यालय में रविवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बाबूलाल को न तो विकास विरोधी कहूंगा और न ही आदिवासी-मूलवासियों का हितैषी। दरअसल, बाबूलाल मरांडी किसी और एजेंडे के तहत रिम्स-2 का विरोध कर रहे हैं। सुनील साहू नाम के एक व्यक्ति का जिक्र करते हुए सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि बाबूलाल मरांडी उनके हितों की रक्षा के लिए रिम्स-2 का विरोध कर रहे हैं। कुछ रैयतों के विरोध का साथी बनने शनिवार को भाजपा नेता बाबूलाल मरांडी कांके ब्लॉक के नगड़ी गांव गये थे, वहां उन्होंने कहा था कि हम आदिवासी की जमीन

की लूट नहीं होने देंगे। रिम्स-2 को कहीं और निर्माण कराया जाये।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि अभी तक अंतिम रूप से यह तय नहीं है कि रिम्स-2 कहां बनेगा, कहां नहीं बनेगा और ये लगे विरोध करने लगे। राज्य को जरूरत थी कि रिंग रोड के आसपास सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल बनाया जाये, लेकिन इस पर इनको तकलीफ क्यों हो रही है।

सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि केंद्र सरकार ने राज्य के आदिवासी-मूलवासियों की जितनी जमीन का अधिग्रहण किया है और जिसका उपयोग नहीं हो रहा है, उसे सरकार से आग्रह करा कर वापस करायें। झामुमो नेता ने कहा कि आदिवासियों की पहचान से खिलवाड़ के लिए बाबूलाल मरांडी को सार्वजनिक रूप से माफी मांगनी चाहिए।

श्री भट्टाचार्य ने कहा कि आज बाबूलाल मरांडी का इतना हृदय परिवर्तन और आदिवासियों के प्रति संवेदना कैसे जाग गयी है। अपने शासनकाल में कोयल कारो परियोजना और नेतरहाट फील्ड फायरिंग रेंज की स्थापना होनी थी। ये वही व्यक्ति हैं जिन्होंने इसकी हरी झंडी दी थी। विपक्ष ने जब आंदोलन किया तो उन्होंने गोली चलवा दी थी। सैकड़ों लोगों को जेल भेजवा दिया था। झामुमो नेता ने कहा कि लंबे संघर्ष के बाद जब झारखंड अलग राज्य बना तो बाबूलाल मरांडी ने ही बिहार क्रियान्वयन नियमावली को आत्मसात कर लिया। तब झामुमो विपक्ष में था और इसका विरोध किया था।

हॉकी कोच प्रतिमा बरवा की अंत्येष्टि

खूंटी। झारखंड की जानी-मानी हॉकी कोच प्रतिमा बरवा का उनके पैतृक गांव तोरपा प्रखंड के कोचा गांव में अंतिम संस्कार किया गया। इससे पहले उनका पार्थिव शरीर खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों के अंतिम दर्शन के लिए एसएस हाई स्कूल स्टेडियम लाया गया, जहां लोगों ने नम आंखों से श्रद्धांजलि अर्पित की। रविवार को प्रतिमा बरवा का निधन रविवार की सुबह पारस हॉस्पिटल, रांची में हो गया था। प्रतिमा बरवा अपने पीछे एक वर्षीय पुत्र पवन नाग और पति सुकरा नाग को छोड़ गयीं हैं।

सीएम ने जताा शोक : सीएम हेमंत सोरेन ने देश को कई प्रतिभाशाली अंतरराष्ट्रीय हॉकी खिलाड़ी देने वाली हॉकी कोच प्रतिमा बरवा के असामयिक निधन पर दुखः व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि झारखंड की मेहनतकश बेटियों की आदर्श थीं प्रतिमा जी। उनका निधन झारखंड ही नहीं देश के हॉकी जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

कार्टून कोना

बच्चे को अस्पताल में कराया गया भर्ती, डॉक्टरों की टीम कर रही निगरानी

कुएं में गिरी बच्ची के लिए डॉगी बना फरिश्ता! भौंक-भौंक कर बचा ली मासूम बच्चे की जान

एजेंसी

सतना। जाको राखे साइंया मार सकै न कोय। कहते हैं कि जिसको बचना होता है उसे यमराज भी नहीं मार सकता है। वह किसी न किसी तरीके से बच ही जाता है। यहां कुएं में गिरी एक नवजात बच्ची के लिए एक कुत्ता फरिश्ता बनकर आया और भौंक-भौंक कर मासूम की जान बचा ली। वह तबतक भौंकता रहा, जबतक लोग कुएं तक नहीं पहुंचे। यह घटना किसी चमत्कार से कम नहीं है। इस घटना को सुनकर हर कोई हैरान हो गया है।

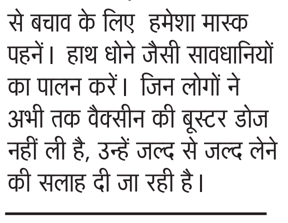

दरअसल, पूरा मामला सतना जिले के कोलगवां का है। यहां के रहने वाले डॉ. सुधीर जैन रोज की तरह सुबह-सुबह दूध लेने निकले थे। वे इंडियन बैंक के पास पहुंचे ही थे कि उन्होंने एक कुत्ते के भौंकने की आवाज सुनाई दी। वह कुत्ता पास में कुएं में देखकर लगातार भौंक रहा था। पहले तो डॉ जैन ने अनदेखा किया, लेकिन जब कुत्ते ने भौंकना बंद नहीं किया तो उन्होंने कुएं में झांकर देखा। नीचे देखते ही उनकी आंखें फटी रह गयीं। अंदर एक नवजात बच्चा पड़ा था और वह जोर जोर से रो रहा था। उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी।

मुश्किल से बाहर निकाला: कोलगवां थाना पुलिस और नगर निगम की फायर ब्रिगेड टीम मौके पर पहुंची। फायर कर्मी को रस्से के सहारे कुएं में उतारा गया और स्थानीय लोगों की मदद से करीब 1 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद नवजात बच्चे को सकुशल बाहर निकाला गया। दिल को छू लेने वाली बात ये रही कि बच्चे के साथ कुएं में एक छोटा डॉगी भी था, जिसे बाद में सुरक्षित बाहर निकाला गया। बच्चे को तुरंत जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां डॉक्टरों की टीम उसकी निगरानी कर रही है। बच्चा स्वस्थ है।

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस : पुलिस के मुताबिक बच्चा करीब तीन माह का है। वह किसका है और कुएं में कैसे पहुंचा, इसकी जांच की जा रही है। आसपास के सीसीटीवी कैमरे खंगाले जा रहे हैं।

सिक्किम में भारी बारिश से भूस्खलन का कहर, लाचेन-लाचुंग में 1350 पर्यटक फंसे

एजेंसी

गंगटोक। सिक्किम में लगातार मूसलधार बारिश ने जनजीवन को अस्त-व्यस्त कर दिया है। विशेषकर उत्तरी सिक्किम के मंगन जिले में स्थिति गंभीर बनी हुई है, जहां तीस्ता नदी का जलस्तर खतरनाक रूप से बढ़ गया है और कई स्थानों पर भूस्खलन ने रास्ते पूरी तरह अवरुद्ध कर दिए हैं। इसके चलते लाचेन में 115 और लाचुंग में करीब 1350 पर्यटक फंसे हुए हैं।

भारतीय मौसम विभाग ने मंगन जिले के लिए रेड अलर्ट जारी किया है, जबकि नामची, सोरेंग, गंगटोक और पाकयोंग जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

बता दें कि शनिवार रात फिदांग गांव और आसपास के इलाकों में बादल फटने से भारी तबाही हुई। तीव्र वर्षा और भूस्खलन के कारण कई मकान क्षतिग्रस्त हो गए और बिजली तथा संचार सेवाएं पूरी तरह बाधित हो गई हैं।

प्रशासनिक अधिकारियों के अनुसार जब तक मौसम साफ नहीं होता और सड़क मरम्मत का कार्य शुरू नहीं होता तब तक बचाव कार्य असंभव है। वर्तमान में रस्सियों और वैकल्पिक उपायों से ही बचाव की योजना बन रही है, लेकिन इसके लिए भी बारिश रुकना आवश्यक है। परिजनों की चिंता चरम पर मोबाइल नेटवर्क ठप होने के कारण फंसे पर्यटकों के परिजनों से संपर्क नहीं हो पा रहा है, जिससे वे गहरी चिंता में हैं। लाचुंग और लाचेन जैसे संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर आवागमन पूरी तरह बाधित है।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन

विधायक जयराम महतो के लिए मांगी गयी जेड श्रेणी की सुरक्षा

- **विधायक जयराम महतो के साथ हाल के दिनों में कई संदिग्ध घटनाएं घट चुकी हैं, जिनसे उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के डुमरी विधानसभा क्षेत्र से विधायक और झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के अध्यक्ष जयराम कुमार महतो को जेड श्रेणी की सुरक्षा दिए जाने की मांग तेजी से जोर पकड़ रही है। इस मांग को लेकर झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का एक प्रतिनिधिमंडल रविवार को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मिला और उन्हें एक विस्तृत ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में विधायक को जेड श्रेणी की सुरक्षा की मांग की गई है।

पार्टी के केंद्रीय सचिव राजदेश रतन ने जानकारी दी कि विधायक जयराम महतो के साथ हाल के दिनों में कई आपत्तिजनक और संदिग्ध घटनाएं घट चुकी हैं। जिनसे उनकी व्यक्तिगत सुरक्षा को गंभीर खतरा उत्पन्न हो गया है। उन पर इन घटनाओं को देखते हुए पार्टी ने राज्य सरकार और केंद्र सरकार दोनों से हस्तक्षेप की अपील की है।

राजदेश रतन ने कहा कि 'विधायक जयराम महतो जनता के मुद्दों को निर्भीकता से उठाते रहे हैं, चाहे वह भ्रष्टाचार के खिलाफ आवाज हो या आदिवासी, किसान और मजदूरों के अधिकार की बात। उनके इस संघर्षपूर्ण और निष्पक्ष राजनीतिक रुख के कारण कई प्रभावशाली और असामाजिक तत्व उनके विरोध में सक्रिय हो गए हैं। ऐसे में उनकी जान को खतरा है और उन्हें उच्च स्तरीय सुरक्षा मिलनी चाहिए'।

ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि विधायक के साथ पूर्व में भी कई बार जानलेवा घटनाएं घट चुकी हैं। जिन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पार्टी का दावा है कि यह महज संयोग नहीं, बल्कि सुनियोजित प्रयास हैं। जिनका उद्देश्य विधायक को डराना और लोकतांत्रिक आवाज को दबाना है।

ज्ञापन में यह भी बताया गया कि इस विषय में पहले भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भेजा जा चुका है। लेकिन अब तक कोई स्पष्ट प्रतिक्रिया नहीं मिली है। इसीलिए राज्यपाल से आग्रह किया गया है कि वे इस मामले में हस्तक्षेप कर केंद्रीय गृह मंत्रालय तक यह मांग प्रभावी रूप से पहुंचाए।

राजदेश रतन ने कहा, 'हम चाहते हैं कि लोकतंत्र में जनप्रतिनिधियों की आवाज सुरक्षित रहे। यदि उनकी सुरक्षा ही सुनिश्चित नहीं होगी, तो वे जनहित के मुद्दों को कैसे उठाएंगे। इसलिए यह सिर्फ किसी एक विधायक की सुरक्षा की मांग नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रणाली की रक्षा की मांग है'।

झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा ने उम्मीद जताई है कि राज्यपाल इस मामले को गंभीरता से लेंगे और केंद्र सरकार को कार्रवाई के लिए निर्देशित करेंगे।

क्या होती हैं जेड श्रेणी सुरक्षा

जेड श्रेणी की सुरक्षा, जिसमें 22 से 25 सुरक्षाकर्मी तैनात किए जाते हैं। आमतौर पर उन व्यक्तियों को दी जाती है, जिन्हें उच्चस्तर का खतरा होता है। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा का कहना है कि विधायक जयराम महतो की सुरक्षा को इसी श्रेणी में रखा जाना चाहिए। ताकि वे बिना किसी भय के अपने जनप्रतिनिधित्व के कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

पर्यावरण एवं वन विभाग, सीसीएल ने किया विश्व पर्यावरण दिवस स्वच्छता अभियान का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। विश्व पर्यावरण दिवस 2025 के उपलक्ष्य में आयोजित सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत, सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) के पर्यावरण एवं वन विभाग द्वारा रविवार को रांची स्थित करम टोली तालाब एवं लाइन टैंक क्षेत्र में एक व्यापक स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। यह अभियान इस वर्ष के वैश्विक विषय 'प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें' के अनुरूप आयोजित किया गया।

इस अभियान का नेतृत्व श्री राजकुमार, महाप्रबंधक एवं विभागाध्यक्ष (पर्यावरण) तथा पीके सिन्हा, महाप्रबंधक (वन) ने किया।

इस अवसर पर पर्यावरण विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जिससे सीसीएल की पर्यावरणीय स्थिरता और सामाजिक उत्तरदायित्व के प्रति प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से परिलक्षित हुई।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से श्रीमती संगीता (महाप्रबंधक, पर्यावरण), जी. श्रीनिवास (मुख्य प्रबंधक, पर्यावरण), रजत ठाकुर एवं श्रीमती स्वाति सिंह (प्रबंधक, पर्यावरण), जी. विद्या सागर, राजीव कुमार तथा नितेश सिन्हा (उप प्रबंधक, पर्यावरण), शुभम सुयश (सहायक प्रबंधक, पर्यावरण), एवं अन्य कर्मचारियों में इर्फान अली खान, पंचम मुंडा, श्री लक्ष्मण, शहनवाज आलम एवं श्रीमती संसुन निशा ने भाग लिया।

स्वच्छता अभियान के अंतर्गत जलाशयों तथा आस-पास के क्षेत्रों से प्लास्टिक एवं अन्य गैर-बायोडिग्रेडेबल कचरे को हटाया गया। इसका उद्देश्य इन जल स्रोतों की पारिस्थितिकीय स्थिति को बहाल करना तथा उनके सौंदर्य को पुनः स्थापित करना रहा।

इस अवसर पर श्री राजकुमार ने सभी प्रतिभागियों के सामूहिक प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि, 'हम सीसीएल में एक स्वच्छ, हरित और प्लास्टिक-मुक्त भविष्य के लिए सतत प्रयास कर रहे हैं।' वहीं पीके सिन्हा ने शहरी जल स्रोतों के संरक्षण पर बल देते हुए नागरिकों में पर्यावरणीय चेतना एवं जिम्मेदारी की भावना विकसित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया।

यह स्वच्छता अभियान न केवल प्लास्टिक प्रदूषण को कम करने की दिशा में एक सशक्त पहल है, बल्कि यह सीसीएल द्वारा कोल इंडिया लिमिटेड के अधीन एक उत्तरदायी कॉरपोरेट संस्था के रूप में सतत विकास के प्रति की जा रही प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

राज्य सरकार को विश्वास में लें, एम्स कोई निजी संस्था नहीं : डॉ इरफान अंसारी

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा है कि झारखंड की पावन धरती पर राष्ट्रपति का हार्दिक स्वागत करता हूं। यह हमारे राज्य के लिए एक ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण क्षण है। हालांकि, मैं यह कहना चाहता हूं कि एम्स देवघर के निदेशक को यह समझना चाहिये कि वे एक जिम्मेदार पद पर हैं। उन्हें झारखंड सरकार और मुझे विश्वास में लेकर कार्य करना चाहिये। यदि किसी भी कार्यक्रम या निर्णय से पहले संवाद होता, तो स्थिति अधिक सकारात्मक होती। यदि उन पर किसी राजनीतिक दबाव, विशेषकर भाजपा के इशारे पर काम करने का दबाव है, तो उन्हें यह बात स्पष्ट रूप से राज्य सरकार को बतानी चाहिये। उन्होंने कहा कि एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थान का संचालन किसी एक दल या व्यक्ति की मर्जी से नहीं। बल्कि संविधान और जनहित के दायरे में होना चाहिये। मैं उम्मीद करता हूं कि भविष्य में समन्वय, पारदर्शिता और सम्मान के साथ कार्य होगा।

रेखा तिर्की को बड़ा अफसर बनाने में हरसंभव मदद : शिल्पी नेहा तिर्की

- **मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रेखा तिर्की को उच्च शिक्षा के लिये दिया एक लाख का चेक**
- **कहा- आज रेखा ने पूरे आदिवासी समाज को गौरवान्वित किया है**

खबर मन्त्र ब्यूरो

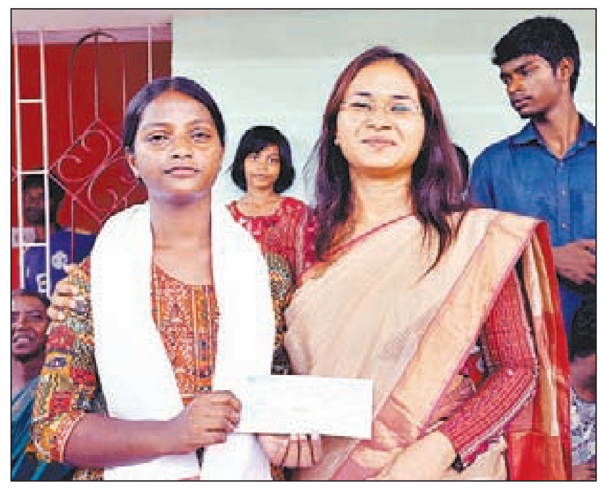

रांची। कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रविवार को जैक के 12वीं की परीक्षा में कॉमर्स विषय में राज्य भर में छठा स्थान पाने वाली रेखा तिर्की से मुलाकात की।

मांडर के मेसाल स्थित महादेव उरांव आवास पर पहुंच कर मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने रेखा को सम्मानित किया। उन्होंने रेखा तिर्की की मां सीता उरांव के नाम एक लाख का चेक प्रदान किया है। ये राशि रेखा की उच्च शिक्षा में आर्थिक बाधा को दूर करने में मददगार साबित होगी। उन्होंने कहा कि कड़ी मेहनत, अनुशासन और अपने लक्ष्य को पाने के प्रति समर्पण से सफलता को हासिल किया जा सकता है। आज रेखा तिर्की ने अभाव को मात देकर अपने लक्ष्य को भेदने में सफलता पाई है। उन्होंने कहा कि आज रेखा ने पूरे आदिवासी समाज को गौरांवित किया है। रेखा तिर्की ने उस राजनीतिक उद्देश्य को भी साबित किया जिसमें हम हर मंच से ये कहते हैं कि आदिवासी समाज तभी आगे बढ़ेगा, जब वो पढ़ेगा और लिखेगा।

उन्होंने कहा है कि रेखा के उज्वल भविष्य के लिए करियर काउंसलिंग की जरूरत होगी। रेखा के उच्च शिक्षा के लिए हरसंभव मदद की जायेगी। वो अपने करियर में बड़ा अफसर बने इस सपने को साकार करने में सहयोग करेंगे।

अंक नहीं, आत्मबल की पहचान जरूरी : डॉ रामेश्वर उरांव

- **10वीं एवं 12वीं के स्टेट टॉपर्स प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान लाने वाले बच्चों को अति विशिष्ट पुरस्कार से किया जायेगा सम्मानित**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पासवा के मुख्य संरक्षक सह विधायक डॉ रामेश्वर उरांव तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष आलोक कुमार दूबे ने रविवार को संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया कि विद्यार्थियों के लिए राज्य स्तरीय एवं तत्पश्चात जिला स्तरीय छात्र प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने कहा कि कर 10वीं एवं 12वीं के टॉपर्स बच्चे एवं 70 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाले बच्चों को सम्मानित किया जायेगा।

उन्होंने कहा कि यह राज्य स्तरीय समारोह आगामी 23 जून को राजधानी स्थित हरवंश टाना भगत इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जायेगा। इस अवसर पर झारखंड के तीनों प्रमुख बोर्ड सीबीएसई, आईसीएसई और जैक बोर्ड के 10वीं एवं 12वीं कक्षा के उन विद्यार्थियों को सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि सम्मान समारोह की सबसे विशेष बात यह होगी कि तीनों बोर्ड के 10वीं और 12वीं के राज्य स्तरीय टॉपर्स यानी प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को अति विशिष्ट छात्र सम्मान से नवाजा जायेगा। यह सम्मान न केवल शैक्षणिक उत्कृष्टता का प्रतीक होगा। बल्कि यह राज्य के अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बनेगा। उन्होंने कहा कि पासवा एक बार फिर यह संदेश देना चाहता है कि हर मेहनती विद्यार्थी सम्मान का पात्र है और शिक्षा केवल अंकों तक सीमित नहीं। बल्कि आत्मबल, आत्मविश्वास और प्रयास की भी पहचान है।

सचिवालय सेवा संघ के अध्यक्ष बने रितेश कुमार व महासचिव राजेश सिंह

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड सचिवालय सेवा संघ के नये अध्यक्ष के पद लिए गृह कारा, आपदा प्रबंधन विभाग में कार्यरत प्रशाखा पदाधिकारी रितेश कुमार निर्वाचित हुए हैं। रितेश कुमार को 261 मत मिला। वहीं, महासचिव पद पर विधि विभाग में कार्यरत राजेश कुमार पर भरोसा जताया गया है। दिनभर चले मतदान के बाद इसकी काउंटिंग करते हुए चुनाव पदाधिकारी ने चुनाव परिणाम की घोषणा की। रविवार को मतदान हटिया स्थित पशुपालन भवन में हुआ। इस चुनाव में अध्यक्ष, महासचिव, उपाध्यक्ष, सचिव, संयुक्त सचिव, संगठन सचिव, कोषाध्यक्ष के पदों के लिए कुल 31 उम्मीदवार मैदान थे। इनके लिए सचिवालय सेवा के 882 मतदाता थे। पदाधिकारी ने जीत पर जश्न भी मनाया। बधाइयां भी मिली।

इन पदों के लिए ये पदाधिकारी हुए निर्वाचित

अध्यक्ष- रितेश कुमार, महासचिव- राजेश सिंह, उपाध्यक्ष- अनिल सरदार, प्रदीप पासवान, शशिकांत गोप, मुकेश कुमार, धर्मेंद्र कुमार। सचिव- चंद्रदीप एक्का, धर्मवीर कुमार। संयुक्त सचिव- सोनी कुमारी, अमिता लकड़ा, पप्पू कुमार, आनंद कुमार, हेमनरायण सिंह। संगठन सचिव- अष्टमी बानरा, विनोद नायक, वैद्यनाथ मुर्मू, रजनीश शुक्ला, रविन्द्र बरनवाल। कोषाध्यक्ष- अवध भगत निर्वाचित हुए।

झारखंड में महिला सुरक्षा एक गंभीर चेतावनी : राफिया नाज

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने कहा है कि झारखंड में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति चिंताजनक और भयावह होती जा रही है। हाल ही में गुमला की एक आदिवासी किशोरी के साथ राजधानी रांची में जो घटना हुई, वह मानवता को शर्मसार करने वाली है। एक मासूम को दिनदहाड़े बहला-फुसलाकर अगवा किया गया। फिर जंगल में ले जाकर उसके साथ सामूहिक बलात्कार हुआ। यह कोई अकेली घटना नहीं है। यह उस व्यवस्था का नमूना है जो राज्य की बहन-बेटियों को सुरक्षा देने में पूरी तरह असफल हो चुकी है। उन्होंने झारखंड सरकार को कटघरे में खड़ा करते हुये कहा कि राज्य की महिलाएं आज भय और असुरक्षा के माहौल में जीने को मजबूर हैं। झारखंड सरकार की नीतियां केवल दिखावे की रह गई हैं। मंइयां सम्मान योजना जैसी योजनायें सिर्फ पोस्टर और बैनर तक सीमित हैं। उन्होंने कहा कि महिला आयोग का न होना सबसे बड़ा सवाल है। झारखंड राज्य महिला आयोग सितंबर 2020 से निष्क्रिय है। पिछले चार वर्षों से राज्य में महिला आयोग का कोई अध्यक्ष नहीं है, न ही कोई सदस्य। जब एक संवैधानिक संस्था जो महिलाओं की समस्याओं के समाधान के लिए बनाई गई हो, वह खुद निष्क्रिय हों तो सरकार की प्राथमिकतायें स्पष्ट हो जाती हैं। वर्तमान में महिला आयोग में 3,137 से अधिक मामले लंबित हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आंकड़े दर्शाते हैं कि झारखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। झारखंड पूरे देश में सबसे अधिक दहेज उत्पीड़न के मामलों वाला राज्य है। जहां 1,844 दहेज संबंधित मामले सामने आये। इसके अलावा, बलात्कार, बालिकाओं की तस्करी, यौन उत्पीड़न, अपहरण और घरेलू हिंसा के मामलों में झारखंड शीर्ष पर है। उन्होंने कहा कि झारखंड में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में दर्जनों ऐसे मामले हैं जिनमें एफआईआर दर्ज होने के बाद भी महीनों तक कोई कार्रवाई नहीं होती। पीड़िताएं पुलिस थानों के चक्कर काटती रहती हैं। उन्होंने कहा गुमला की किशोरी के साथ हुए गैंगरेप में भी यह देखने को मिला कि दो आरोपी अब तक फरार हैं। यदि समय रहते प्रभावी कार्रवाई होती, तो शायद आरोपियों को पकड़ा जा सकता था।

पंचायत सहायकों की चेतावनी : जल्द प्रोत्साहन राशि नहीं मिली तो होगा चरणबद्ध आंदोलन!

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झारखंड के ग्रामीणों इलाकों में विकास को गति देने में मुखिया और पंचायत सचिव को सहयोग करने वाले पंचायत सहायक फिर से आक्रोशित हैं। राज्य भर के 16 हजार से अधिक पंचायत सहायकों ने आंदोलन की चेतावनी दी है। रविवार को रांची में राज्य स्तरीय पंचायत सहायक संघ की बैठक हुई। जिसमें यह निर्णय लिया कि अगर सरकार और विभाग ने उनकी लंबित मांगें नहीं मानी और जल्द प्रोत्साहन भत्ता जारी नहीं किया तो वे चरणबद्ध आंदोलन करेंगे।

राज्य स्तरीय पंचायत सहायक संघ की प्रदेश कमेटी की बैठक के बाद अध्यक्ष चंद्रदीप कुमार ने बताया कि अभी तक विभागीय मार्गदर्शिका का पालन सभी जिला, प्रखंड में नहीं किया जा रहा है। साथ ही बहुत सारे जिला में अभी तक प्रोत्साहन राशि भी नहीं मिली है। कैबिनेट में जो घोषणा की गई थी वह अभी तक धरातल पर नहीं उतरा है।

चंद्रदीप कुमार ने बताया कि दो महीने से अधिक समय पहले विभागीय मार्गदर्शिका निकाली थी। वह आज तक धरातल पर लागू नहीं हो पाया है। पंचायत सहायकों को उनका प्रोत्साहन राशि (2500 रुपये) मिल पाया है। पंचायत सहायकों ने बताया कि इतना ही नहीं 2019 से लेकर 2024 तक का प्रोत्साहन राशि भी सरकार ने नहीं दी है।

चंद्रदीप कुमार ने बताया कि सरकार के द्वारा सिर्फ काम लिया जा रहा है। अबुआ आवास, प्रधानमंत्री आवास, मनरेगा, भूमि संरक्षण, पंचायत भवन में प्रत्येक दिन बैठना पड़ रहा है। सरकार के द्वारा जो भी कैंप लगाया जाता है उसमें ड्यूटी देना पड़ता है। इतना काम करने के बावजूद 5 साल से प्रोत्साहन राशि बकाया है।

उन्होंने बताया कि 12 मार्च 2024 को कैबिनेट से घोषणा की गयी थी प्रत्येक पंचायत सहायक को प्रति माह 2500 रुपये देने का प्रस्ताव पारित किया गया था। उसके अनुरूप भी लगभग 01 वर्ष से कोई राशि नहीं दी गयी है। पंचायत सहायकों ने कहा कि इन सब मांगों को लेकर फिर एक बार हम आंदोलन की राह पकड़ लेंगे और मांगें नहीं मानी गयीं तो हम सभी अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे।

'घर बैठी महिलाओं को मंईयां सम्मान, हम पंचायत सहायक होने की सजा पा रहे'

सिमडेगा की पंचायत सहायक सुनिता ने कहा कि सरकार एक ओर मंईयां सम्मान के तहत महिलाओं को 2500 रु. हर महीना दे रही है। लेकिन हम पंचायत सहायक हैं इसलिए हमें मंईयां सम्मान की राशि नहीं मिल सकती। लेकिन यहां हमारी जैसी करीब 5000 पंचायत सहायकों को न मंईयां सम्मान की राशि मिल रही है और न ही अपने काम का प्रोत्साहन भत्ता।

पूर्व सीएम चम्पई सोरेन ने ओलचिकी लिपि से संबंधित वेबसाइट का किया उदघाटन

- **कहा- ओलचिकी लिपि को वैश्विक स्तर पर पहुंचाने की जरूरत**

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। पूर्व सीएम चम्पई सोरेन ने रविवार को संथाली भाषा के लिये काम करने वाली संस्था एसेका के वेबसाइट को लॉच किया। उन्होंने कहा कि इंटरनेट एवं सूचना तकनीक के इस दौर में संथाली भाषा ने एक लंबी छलांग लगाई है। संथाली भाषा के लिए काम कर रही संस्था एसेका ने संथाली भाषा एवं ओलचिकी लिपि की शिक्षा को वैश्विक स्तर तक पहुंचाने के लिए एक वेबसाइट बनाई है। जिसके तहत स्कूलों एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों को ना सिर्फ जोड़ा जायेगा। बल्कि उन्हें मानक पाठ्य सामग्री भी उपलब्ध करवाई जायेगी। इस वेबसाइट पर संथाली भाषा एवं ओलचिकी लिपि में प्रकाशित साहित्य, पुस्तकें एवं पाठ्य सामग्री उपलब्ध करवाई जायेगी। एसेका के 62वें स्थापना दिवस के अवसर पर हुई इस पहल का स्वागत करते हुए पूर्व सीएम ने कहा कि नई तकनीक से कदमताल कर के हम लोग नई पीढ़ी को आसानी से अपने साथ जोड़ पायेंगे। ओलचिकी लिपि के आविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू ने भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन का जो अभियान शुरू किया था, यह उसी दिशा में उठाया गया एक सशक्त कदम है।

उन्होंने ओलचिकी को एक वैज्ञानिक लिपि बताते हुए कहा कि इसकी वजह से संथाली भाषा में लिखना-पढ़ना एवं उसे सीखना काफी आसान हो गया है। उन्होंने याद दिलाया कि उनकी सरकार के कार्यकाल के दौरान संथाली समेत स्थानीय आदिवासी भाषाओं में प्राथमिक स्तर से शिक्षा का प्रस्ताव कैबिनेट से पास हुआ था। इस अवसर पर उपस्थित वीर सिदो कान्हू के वंशज मंडल मुर्मू ने इसे एक ऐतिहासिक पहल बताया। उन्होंने कहा कि एसेका द्वारा संथाली भाषा, संस्कृति एवं साहित्य की दिशा में जो पहल की जा रही है। उससे इस भाषा को वैश्विक पहचान मिलेगी। एसेका के जीतराय मुर्मू ने संस्था के उद्देश्यों तथा भविष्य की योजनाओं को लेकर विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारत के विभिन्न राज्यों एवं नेपाल तथा बांग्लादेश में संस्था द्वारा कई स्थानों पर संथाली भाषा में मानक प्रारूप के अनुसार शिक्षा प्रदान की जाती है। इस वेबसाइट के माध्यम से नये शैक्षणिक संस्थानों को जोड़ना आसान होगा।

सदर अस्पताल रांची में सीटी स्कैन की सुविधा, मशीन का ट्रायल शुरू

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रांची सदर अस्पताल में सुपर स्पेशियलिटी सेवा उपलब्ध कराने के लिए अत्याधुनिक मशीन से सीटी स्कैन जांच शुरू हो गई है। पीपीपी मोड के तहत कृष्णा डायग्नोस्टिक्स ने पूजा-अर्चना के बाद रविवार से सदर अस्पताल में अत्याधुनिक 128 स्लाइड सीटी स्कैन मशीन का ट्रायल परीक्षण शुरू कर दिया है। रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि तीन दिनों के ट्रायल परीक्षण के बाद सीटी स्कैन मशीन से मरीजों की जांच होने लगेगी।

15 दिनों में एमआरआई जांच भी शुरू हो जाएगी : सिविल सर्जन

रांची के सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार ने बताया कि सीटी स्कैन लग जाने के बाद 15 दिनों के अंदर सदर अस्पताल में एमआरआई जांच मशीन भी लग जायेगी। उन्होंने बताया कि दोनों मशीनों के लग जाने के बाद एक भव्य कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है और दोनों मशीनों और यहां दी जा रही सेवाओं का औपचारिक उद्घाटन मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री, रक्षा राज्य मंत्री और रांची के विधायक सीपी सिंह की मौजूदगी में किया जाएगा।

पीपीपी मोड पर शुरू हुई है यह सेवा: सिविल सर्जन ने बताया कि सदर अस्पताल में शुरू हो रहे सीटी स्कैन और एमआरआई सेंटर को पीपीपी मोड पर कृष्णा डायग्नोस्टिक को दे दिया गया है। सिविल सर्जन ने बताया कि उनके साथ हुए एमओयू के अनुसार सदर अस्पताल में भर्ती आयुष्मान भारत के सभी लाभार्थियों की जांच मुफ्त में की जाएगी, जबकि आम लोगों के लिए सीजीएचएस द्वारा तय राशि के अनुसार शुल्क लिया जाएगा। सिविल सर्जन डॉ. प्रभात कुमार के अनुसार सदर अस्पताल में सीटी स्कैन की शुरूआत 1050 रुपये से होगी। उन्होंने बताया कि सदर अस्पताल में शुल्क निजी जांच केंद्रों से काफी कम होगा। सिविल सर्जन ने बताया कि एमओयू के अनुसार सीटी स्कैन और एमआरआई से जो मुनाफा होगा, उसका 15 फीसदी सदर अस्पताल को मिलेगा।

सदर अस्पताल में बन रहा है कैथ लैब : बता दें कि रांची का सदर अस्पताल सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल के रूप में विकसित होने की ओर अग्रसर है। अब आने वाले दिनों में हृदय रोगियों के इलाज के लिए करीब 8 करोड़ की लागत से कैथ लैब भी बनाया जा रहा है।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर किया संवाद

सुबह मोराबादी में मॉर्निंग वॉकर्स के बीच पहुंचे रक्षा राज्य मंत्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार की सुबह मोराबादी में स्थित संकल्प शुक्ला पार्क और ऑक्सीजन पार्क मॉर्निंग वॉकर्स के साथ चाय पर चर्चा की। रक्षा राज्य मंत्री ने खुद भी चाय की और सबको चाय पिलायी। इस दौरान वन नेशन वन इलेक्शन पर प्रबुद्धजनों के साथ संवाद हुआ। इस संवाद में श्री सेठ ने वन नेशन वन इलेक्शन के लागू होने से देश में होने वाले लाभ से प्रबुद्धजनों का अवगत कराया। प्रबुद्धजनों ने उनके समक्ष इस व्यवस्था के लागू होने को लेकर अपनी सहमति जताई। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश कई बड़े सुधारों का गवाह बन रहा है। इसमें एक सुधार चुनावी व्यवस्था को लेकर भी है। उन्होंने कहा कि वन नेशन वन इलेक्शन एक ऐसा प्रस्ताव है, जिसमें भारत में सभी चुनाव, चाहे वह लोकसभा के हों या राज्य विधानसभाओं के, एक ही समय पर आयोजित किये जायेंगे। उन्होंने कहा कि एक ही समय पर चुनाव आयोजित करने से चुनाव खर्च में कमी आयेगी। उस धन का उपयोग विकास कार्यों में हो सकेगा।

हथियार के साथ पांच युवक गिरफ्तार

पंडरा ओपी पुलिस ने गुप्त सूचना पर की छापामारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पंडरा ओपी पुलिस ने अवैध हथियार सहित पांच अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने गिरफ्त में आये अभियुक्तों में हर्ष कुमार विश्वकर्मा (रवि स्टील श्रीनगर, कॉलोनी थाना-रातु), अनुज महतो (कमड़े, थाना-रातु), अंकुर कुमार सिंह (कमड़े थाना- रातु), अभिषेक कुमार नयन सन्नी (पंडरा) और मंतोष कुमार उर्फ पैन्डी (विजय पथ कॉलोनी थाना-पंडरा) के पास से एक देसी कट्टा व दो गोली जब्त की है।

इस संबंध में प्रकाश सोय, डीएसपी कोतवाली ने बताया कि देर रात पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि हेहल अंचल के पीछे कुछ अपराधकर्मी हथियार का खरीद बिक्री करने पहुंचे हैं। उक्त जानकारी पर पुलिस टीम गठित कर छापामारी की गई। जिसमें पांच अभियुक्तों को एक देसी कट्टा एवं दो गोली के साथ रंगे हाथ गिरफ्तार किया गया है। गिरोह में कुल सात लोग हैं। छापामारी के दौरान दो लोग फरार हो गये। पुलिस दोनों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है। पुलिस पूछताछ में अभियुक्तों ने बताया कि बिहार के मुंगेर से हथियार लाकर बिक्री करते हैं। हथियार को दो से तीन हजार रूपये में बेचा जाता है।

रातू थाना पुलिस को मिली सफलता, घटना में प्रयुक्त ऑटो जब्त

किशोरी से गैंगरेप का आरोपी ऑटो चालक सहित दो गिरफ्तार

विवेक राज

रांची। राजधानी रांची में गुमला की आदिवासी किशोरी से गैंगरेप की घटना में शामिल दोनों आरोपी को रातू थाना की पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में प्रयुक्त ऑटो को भी जब्त कर लिया है। पुलिस गिरफ्त में आये दोनों अभियुक्तों को साथ लेकर रविवार को घटनास्थल भी पहुंची, जहां दोनों अपराधियों ने किशोरी के साथ गैंगरेप किया था। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। संभवतः रांची पुलिस आज इस घटना का खुलासा करेगी।

गौरतलब है कि रांची के नगड़ी थाना क्षेत्र के ललगुटवा स्थित ओवरब्रिज के पास से 30 मई को दोपहर तीन बजे एक आदिवासी किशोरी को अगवा कर दो ऑटो सवार लोगों ने दुष्कर्म किया था। ऑटो सवार दोनों आरोपी ने किशोरी के साथ रात भर खलारी के जंगलों में दुष्कर्म किया और शनिवार को उसे मुरगु में एक झोपड़ीनुमा मंत्री नामक होटल में उतार कर भाग गये थे। इससे पूर्व

अपराधियों ने शनिवार की सुबह चार बजे होटल मालिक राजू वर्मा से दो चिप्स खरीदा और यूपीआइ के जरिये 20 रुपये का ऑनलाइन पेमेंट भी किया था। इसकी सूचना मिलने पर पहुंची रातू पुलिस पीड़िता को थाना लेकर पहुंची। पीड़िता गुमला की रहनेवाली है। उसके बयान पर रातू थाने में दो अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए टेक्निकल सेल के माध्यम से मुरगु का कॉल डंप, नगड़ी के पतराचौली व मांडर टोल प्लाजा के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाने के बाद पुलिस दोनों अपराधियों तक पहुंचने में सफल रही।

मालूम हो कि पीड़िता दिल्ली जाने के लिए 30 मई को बस से लालगुटवा तालाब आयी थी। वहां से ऑटो में हटिया स्टेशन पहुंची। पीड़िता को दिल्ली जाने का मन नहीं किया और अपनी दूसरी सहेली को दिल्ली भेज कर हटिया स्टेशन में ही रुक गयी। इसके बाद उसने घर लौटने के लिए गुमला जाने के लिए दोपहर दो बजे भाड़े में ऑटो कर फिर लालगुटवा ब्रिज के पास पहुंची। ऑटो में चालक सहित दो युवक थे। अकेली नाबालिग को देखकर दोनों की नियत खराब हुई और दोनों उसे खलारी की तरफ जंगल में ले गये और दुष्कर्म किया।

एक्वा वर्ल्ड में राजस्थानी संडे मना

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। एक्वा वर्ल्ड में आयोजित रविवार का कार्यक्रम राजस्थान की समृद्ध कला और संस्कृति को समर्पित रहा। कार्यक्रम राजस्थानी थीम पर आयोजित किये गये। कार्यक्रम की शुरूआत में विपुल नायक के दीपांजलि डांस ग्रुप के द्वारा नगाड़ा संग ढोल बाजे गीत पर नृत्य पेश किया गया। इसके बाद बारी घूमर डांस की थी। विभिन्न ग्रुपों ने पधारो मारे देश, केसरिया बालम, गोरबंद, सावन की आदि गीतों पर जमकर नृत्य किया। बच्चों और बड़ों ने पारंपरिक राजस्थानी परिधान पर रैंप वॉक भी किया। रैंप वॉक करने वालों में अक्षानी, प्रिशा श्री, नीवा, शानविका, पीयूषा, समृद्धि, लावण्या, ज्योत्सना, पलक आदि प्रमुख थे। अतिथियों और निर्णायकों में विपुल नायक, नीतू कुमारी, उपासना और गौतम उपस्थित थे। सभी अतिथियों को एक्वा वर्ल्ड समूह के चेयरमैन प्रतुल शाह देव ने मोमेंटो देकर सम्मानित किया। राजस्थानी संडे में राजस्थान के पृष्ठभूमि से आए लोगों की भागीदारी रही। राजस्थानी व्यंजन का भी स्टॉल लगाया गया था।

सांसद संजय सेठ ने 42 लाख की लागत से बनने वाली विभिन्न योजनाओं का किया शिलान्यास

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को हेहल तालाब के सुंदरीकरण का शिलान्यास किया। इस तालाब का सुंदरीकरण सीएसआर के मध्य से किया जाना है। कुल 30 लाख की लागत से इस तालाब का सुंदरीकरण होना है। इस अवसर पर श्री सेठ ने कहा कि हेहल तालाब के सुंदरीकरण हो जाने से यहां के लोगों को छठ में काफी सुविधा मिलेगी। सुबह में यहां के लोगों को मॉर्निंग वॉक की भी सुविधा प्राप्त होगी। जो बूढ़े बुजुर्ग लोग हैं यहां पर आसानी से सुबह में मॉर्निंग वॉक कर सकेंगे। विकास मेरी पहली प्राथमिकता है। वहीं केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने अपने सांसद मद से पाबा टोली में 14 लाख की लागत से पीसीसी पथ का शिलान्यास किया। इस पथ का निर्माण सांसद कोष से किया गया है। इसके निर्माण से यहां पर निवास करने वाले लोगों को जो कठिनाई होती थी उससे अब मुक्ति मिलेगी। इस रोड के निर्माण पर यहां के लोगों ने उनका जोरदार स्वागत किया।

इस अवसर पर रमेश सिंह, सूबेश पांडे, सुधीर सिंह, अशोक यादव, बंदी उरांव, सुभाष सिंह, सतीश सिंह, अशोक मुंडा, रंजन सिंह, विजय यादव, अरुण साहू, सोना लाल महतो, एतवा उरांव सहित सैकड़ों लोग उपस्थित थे।

डीएवी हेहल में फिट इंडिया साइक्लिंग अभियान चला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। डीएवी पब्लिक स्कूल, हेहल में रविवार को स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देने पर्यावरण सुरक्षा के उद्देश्य से फिट इंडिया के तहत एक भव्य साइक्लिंग अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन स्कूल के प्राचार्य बिपिन राय ने हरी झंडी दिखाकर किया। इस आयोजन में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों तथा शिक्षकेतर कर्मचारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने स्कूल परिसर से लेकर निर्धारित मार्ग तक निर्धारित दूरी को तय करते हुए न केवल अपनी शारीरिक क्षमता का प्रदर्शन किया। बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। साइक्लिंग अभियान के दौरान सुरक्षा के सभी मानकों का पालन किया गया।

प्राचार्य ने कहा कि साइकलिंग न केवल एक व्यायाम है। बल्कि यह पर्यावरण के लिये भी लाभकारी है। इसके उपयोग से डीजल, पेट्रोल आदि की बचत होती है। उन्होंने प्रतिभागियों की प्रशंसा करते हुये कहा कि हम सबको इस प्रकार की गतिविधियों में भाग लेकर अपने शारीरिक और मानसिक विकास को बढ़ावा देना चाहिये। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के वरिष्ठ शिक्षक एके अमरेश, एसएम अजीम एवं अजंता कुमारी, अनुपमा रानी एवं सुलोचना शर्मा आदि की महत्ती भूमिका रही।

मोरहाबादी में मंडा पूजा संपन्न

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के मोरहाबादी स्थित मंडा टांड़ गांव के मंडा टांड़ में दो दिवसीय शिव उपासना का महापर्व मंडा पूजा रविवार रात को झूलन के साथ साथ संपन्न हो गया। पाहन ने मंडा खूंटा की पूजा कर और मुख्य पटभक्ता गुरु बलराम दस गोस्वामी, पाठ भोक्ता क्रिस लोहरा ने बनस पर झूलकर शिवभक्तों पर श्रद्धा के फूल बरसाये। मेला में भी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

डीएवी बरियातू में साइक्लोथोन 2025 का आयोजन

साइक्लोथोन 2025- समग्र विकास की जीवंत पहल, दृढ़ता और सक्रियता का प्रतीक : प्राचार्य

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल बरियातु रांची की ओर से रविवार को साइक्लोथोन-2025 का आयोजन किया गया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने साइक्लिंग को अपनाने के महत्व और उससे होने वाले स्वास्थ्य के लाभ के प्रति संदेश दिया। साइक्लिंग द्वारा वातावरण में प्रदूषण भी कम होता है। बता दें कि एक जून को डी.ए.वी. संस्थाओं के स्थापना दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। डी.ए.वी. संस्थान समग्र स्वं समावेशी शिक्षा का पर्याय के रुप में जाना जाता है। इसके स्थापना से लेकर अब तक कुशल नेतृत्व द्वारा डी. ए. वी. संस्थाओं में मूल्य परक शिक्षाओं से लेकर आधुनिक तकनीकी विकास के समावेश में सामंजस्य स्थापित कर यह एक परिष्कृत शिक्षा का माध्यम बना है।

प्राचार्य संजय कुमार मिश्र ने सुबह साइक्लोथोन की टीम को अपने गंतव्य की ओर रवाना किया। इससे पूर्व अपने प्रेरक वचन में उन्होंने शारीरिक क्रियाशीलता, सतत विकास के लिए निरन्तर प्रयास और अभ्यास एवं मानसिक दृढ़ता का महत्व बताया।

खबर एक नजर में

आरपीएफ ने चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहे यात्री की बचायी जान

रांची। रांची रेल मंडल में मंडल सुरक्षा आयुक्त, पवन कुमार के निर्देश पर आरपीएफ बेहद सतर्क है। रविवार को ट्रेन संख्या 12817- झारखंड स्वर्ण जयंती एक्सप्रेस मुरी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म संख्या 1 पर अपराह्न 16:14 बजे पहुंची और 16:19 बजे प्रस्थान की। इस दौरान एक यात्री अपने छोटे बच्चे के साथ चलती ट्रेन में चढ़ने का प्रयास कर रहा था। प्लेटफार्म पर ड्यूटी पर तैनात आरपीएफ के सहायक उप निरीक्षक संतोष कुमार ने इस खतरनाक स्थिति को समय रहते देख लिया और अद्भुत सतर्कता का परिचय देते हुए त्वरित कार्रवाई की। उन्होंने साहस और तत्परता से हस्तक्षेप करते हुए न केवल यात्री को बल्कि उसके बच्चे को भी गिरने या चोट लगने से बचा लिया। घटना के तुरंत बाद ट्रेन को कुछ समय के लिए रोका गया और यात्री को बच्चे सहित सुरक्षित रूप से ट्रेन में चढ़ने में सहायता की गई। यात्री ने आरपीएफ मुरी पोस्ट विशेषकर एएसआई संतोष कुमार के इस समय पर किए गए साहसिक व मानवीय कार्य के लिए हार्दिक आभार प्रकट किया।

सिंह मोड में वेटनरी हॉस्पिटल भवन बनेगा

रांची। राज्य सरकार ने सिंह मोड़, रांची में एक नया वेटनरी हॉस्पिटल भवन बनाने का विचार तय किया है। इसके लिए भवन निर्माण विभाग, झारखंड ने पहल भी कर दी है। जी+1 बिल्डिंग का कायार्देश जारी किए जाने के बाद 9 माह के भीतर तैयार किया जायेगा। इस हॉस्पिटल भवन के निर्माण पर 2 करोड़ 93 लाख 59000 रुपए की लागत आनी है। भवन निर्माण विभाग (बिल्डिंग डिवीजन नं-1) रांची ने इस कार्य के लिए 9 जून से बिड जमा करने की तिथि तय की है। 19 जून तक इसे जमा किया जायेगा जिसे 20 जून को खोला जायेगा। हेल्पलाइन नंबर 8527519262 से विस्तृत जानकारी के लिए मदद ले सकते हैं। वेबसाइट को भी देखा जा सकता है। इस हॉस्पिटल भवन के बन जाने से मवेशियों के ईलाज के लिए पशुपालकों और अन्य को बड़ी राहत होगी।

सेवानिवृत्त श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी संघ का गठन

रांची। सेवानिवृत्त श्रम प्रवर्तन पदाधिकारियों की बैठक रविवार को रांची में हुई। बैठक में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। साथ ही सेवानिवृत्त श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी संघ का गठन किया गया। इसमें अध्यक्ष राकेश कुमार, उपाध्यक्ष नरेश ठाकुर, महासचिव कामेश्वर प्रसाद, संयुक्त सचिव सुरेंद्र प्रसाद यादव, दीपक जेम्स तिग्गा, सुभाष चंद्र मेहता और कोषाध्यक्ष रवि शंकर चुने गए। कार्यकारिणी सदस्यों का भी चुनाव किया गया। इसके गठन का मुख्य उद्देश्य श्रम प्रवर्तन पदाधिकारी संवर्ग को एसीपी और एमएएसपी के रूप में उच्चतर पद का वेतनमान लाभ दिलाने के लिए आवाज उठाना है। इसमें सर्वसम्मति से संरक्षक के रूप में मो शकील अहसन एवं राकेश कुमार सिन्हा का चुनाव किया गया। संघ का अपना एक कार्यालय अमृत लोक कंपलेक्स अलकापुरी में होगा।

विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रतियोगिता आयोजित

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज की एनएसएस इकाई द्वारा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से विश्व पर्यावरण दिवस पर रविवार को विविध जागरूकता कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत जयपाल सिंह मुंडा पार्क में वृक्षारोपण अभियान से हुई, जिसके अंतर्गत अनेक पौधे लगाए गए। इसके बाद स्वयंसेवकों ने लेन तालाब में स्वच्छता अभियान चलाया और स्वच्छ पर्यावरण का संदेश दिया। कॉलेज परिसर में भाषण प्रतियोगिता, फेस पेंटिंग और पोस्टर मेकिंग जैसे रचनात्मक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इन प्रतियोगिताओं में छात्रों ने पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपने विचारों और कलात्मकता को प्रस्तुत किया। कॉलेज के प्राचार्य फा. डॉ. प्रदीप कुजूर एस.जे., डीन ऑफ स्टूडेंट्स वेलफेयर डॉ. संजय सिन्हा, आईक्यूएसी समन्वयक डॉ. शिव कुमार, एवं एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. अनिर्बन गुप्ता मौजूद रहे। मौके पर झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की ओर से सुश्री रोशनी सिंह और वरिष्ठ अनुसंधान सहयोगी मन्जू कुमारी ने पर्यावरणीय मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रेरणादायक संदेश दिए।

मेडिक्योर हॉस्पिटल में महिलाओं की आत्मरक्षा पर कार्यशाला आयोजित

● एनसीसी की कैप्टन प्रिया श्रीवास्तव के नेतृत्व में कैडेट टीम ने दिया प्रशिक्षण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। मां फाउंडेशन संस्था के द्वारा दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन मेडिक्योर अस्पताल में 31 मई व 1 जून 2025 को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक किया गया। यह मुख्यतः महिलाओं और बेटियों की सुरक्षा, आत्मविश्वास व नैतिक मूल्यों को समर्पित एक विशेष आत्मसुरक्षा पर आधारित था। कार्यशाला का उद्देश्य युवतियों एवं महिलाओं को आत्मरक्षा के आवश्यक तकनीकी ज्ञान से लैस करना, जिससे वे किसी भी संकट की घड़ी में स्वयं की सुरक्षा कर सकें, आत्मरक्षा के व्यावहारिक प्रशिक्षण के साथ-साथ मानसिक दृढ़ता के लिए एनसीसी की कैप्टन प्रिया श्रीवास्तव के नेतृत्व में कैडेट टीम के द्वारा प्रशिक्षण दिया गया एवं सही मार्गदर्शन और नैतिक मूल्यों के प्रति जागरूकता एवं महिला सशक्तिकरण विषय पर प्रेरक नाटक का मंचन भी किया गया। आरती वर्मा अधिवक्ता ने पोक्सो एक्ट एवं बच्चियों को कानून, संपर्क, सुरक्षा की जानकारी दी।

वहीं कार्यशाला के दूसरे दिन साइबर ठगी एवं साइबर सिक्योरिटी का विशेष प्रशिक्षण शिवम मिश्रा ने दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में प्रो.अवधमणि पाठक शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ सतीश मिढ़ा ने की। मौके पर मां फाउंडेशन की डॉ सुमन दुबे ने भविष्य में भी इस प्रकार की कार्यशालाओं के आयोजन की बात कही। इस आयोजन में मेडिक्योर के चेयरमैन डॉ अमिताभ कुमार, मेडिकल डायरेक्टर डॉ अर्चना पांडेय विशेष रूप से उपस्थित थे।

गौरतलब है कि इस दो दिवसीय कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्राएं माता-पिता के साथ शामिल थीं। कार्यक्रम के प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

वर्चुअल एलुमनी इंटरेक्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन

रांची। योगदा सत्संग महाविद्यालय के कंप्यूटर एप्लीकेशन एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा गूगल मीट के माध्यम से सेमेस्टर 1 और सेमेस्टर 5 के विद्यार्थियों के लिए एक वर्चुअल एलुमनी इंटरेक्शन कार्यक्रम का सफल आयोजन रविवार को किया गया। इस कार्यक्रम में छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत प्रशिक्षित पूर्व छात्रों, उद्योग विशेषज्ञों, तकनीकी पेशेवरों और कॉर्पोरेट मेंटर्स से संवाद करने का सुनहरा अवसर प्राप्त किया। एलुमनी ने अपने करियर अनुभव, उद्योग से जुड़ी वर्तमान प्रवृत्तियां और करियर निर्माण से संबंधित महत्वपूर्ण सुझाव छात्रों के साथ साझा किए। कार्यक्रम इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। जिसमें छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया।

खबर एक नजर में

संत जेवियर्स कॉलेज के बॉटनी के छात्रों ने किया वन उत्पादकता संस्थान का शैक्षणिक भ्रमण

रांची। संत जेवियर्स कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग के छात्रों ने रविवार को लालगुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान का शैक्षिक भ्रमण किया। विभागाध्यक्ष डॉ अजय कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में आयोजित भ्रमण पर गए विद्यार्थियों ने मुख्य भवन, प्रयोगशालाओं व आसपास के जंगल का दौरा किया। संस्थान के डॉ अनिमेष सिन्हा ने छात्रों को संस्थान के बारे में अवगत कराया, वनक्षेत्र के लगभग 290 प्रकार के वृक्षों व झाड़ियों के बारे में बताया, तत्पश्चात टिश्यू कल्चर प्रयोगशाला में हो रहे कल्चर को भी प्रदर्शित किया। विद्यार्थियों ने शैक्षिक भ्रमण के दौरान प्राप्त ज्ञान व अनुभव को लेखबद्ध किया। इस आयोजन से प्रोफेसर व छात्रों ने बहुत सारी नई चीजों को सीखा और ज्ञान बढ़ाकर लाभान्वित हुए। भ्रमण पर प्रो. सुनिधि वर्मा, प्रो अरोमा बारला व विभाग के 60 की संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

नीरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल में संडे ऑन साइकिल का आयोजन

रांची। भारत सरकार द्वारा संडे ऑन साइकिल के तहत फिट इंडिया साइक्लोथॉन के तत्वावधान में रविवार को नीरजा सहाय डीएवी पब्लिक स्कूल द्वारा काँके ब्लॉक चौक से होचर रिंग रोड तक प्रात: 6:00 बजे इसका आयोजन किया गया। जिसमें विद्यालय परिवार के बच्चे, अभिभावक, शिक्षक, प्राचार्या एवं सहायक कर्मियों ने भाग लिया। फिट इंडिया साइक्लोथॉन एक राष्ट्रीय कार्यक्रम है, जिसका उद्देश्य लोगों को साइकिल चलाने के लिए प्रोत्साहित करना और एक स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। प्राचार्या ने कहा कि फिट इंडिया अभियान स्वस्थ और फिट भारत की ओर एक यात्रा है जिसकी पहल मंत्रालय ने की है और विद्यालय ने जागरूकता फैलाने का सक्रिय प्रयास किया है।

नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

रांची। रविवार को झारखंड स्वास्थ्य मिशन रांची के संयुक्त तत्वावधान में नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन धुर्वा स्थित प्रभात तारा स्कूल में किया गया। इस स्वास्थ्य जांच शिविर में 150 लोगों का नि:शुल्क ब्लड प्रेशर, शुगर, नेत्र रोग जांच एवं हियरिंग (कान) जांच की गयी। इस मिशन का लक्ष्य है कि शहर से लेकर गांव तक सभी जगहों पर स्वास्थ्य जांच शिविर एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए। ताकि कोई भी व्यक्ति स्वास्थ्य लाभ से वंचित न रहे। इस कार्यक्रम के सफल आयोजन में झारखंड स्वास्थ्य मिशन के अध्यक्ष संतोष सोनी, राजू रंजन कुमार का सहयोग रहा।

आईआईटी कानपुर में राष्ट्रीय विद्यार्थी विज्ञान मंथन कैंप में लेडी केसी रॉय स्कूल के सृजन ने रचा इतिहास

रातू (रांची)। तिलता स्थित लेडी केसी रॉय मेमोरियल स्कूल, टेंडर का आठवीं के छात्र सृजन कुमार ने एक बार फिर अपनी प्रतिभा का जौहर दिखाते हुये आईआईटी कानपुर में आयोजित तीन दिनी विद्यार्थी विज्ञान मंथन में राष्ट्रीय स्तर पर दूसरा स्थान प्राप्त कर झारखंड का नाम रोशन किया है। संस्थान की ओर से उसे मोमेंटो और प्रशस्ति पत्र दिया गया। कैंप 24 से 26 मई तक था, जहां देश भर से चयनित प्रतिभावान छात्रों ने हिस्सा लिया। सृजन ने इससे पूर्व राज्य स्तरीय कैंप में पहले स्थान के लिये जगह बनायी थी। उसकी शानदार उपलब्धि के लिये उसे आईआईटी मुंबई में होने वाले तीन सप्ताह के समर इंटर्नशिप व आईआईटी धनबाद में आहूत सम्मान समारोह में आमंत्रित किया गया है। विद्यालय के चेयरमैन व निदेशक प्रणव रॉय ने सृजन की ऐतिहासिक सफलता पर खुशी का इजहार किया है। उन्होंने अपने बधाई संदेश में कहा कि सृजन की उपलब्धि न केवल विद्यालय बल्कि, पूरे झारखंड के लिये गौरव की बात है। यह उसकी वैज्ञानिक सोच, परिश्रम और समर्पण का परिणाम है। प्राचार्य अभिषेक हरित ने भी उसे शुभकामनाएं दी है। उन्होंने कहा कि सृजन कुमार छात्रों के लिये प्रेरणास्रोत बन गया है। अन्य विद्यार्थियों को भी उसका अनुशरण करना चाहिये।

श्री राम जानकी तपोवन मंदिर ने रामनवमी के सभी अखाड़ाधारियों का किया स्वागत

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री राम जानकी तपोवन मंदिर के प्रांगण में रविवार को श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति के नेतृत्व में पधारे रांची के सभी अखाड़ाधारियों का अभिनंदन और स्वागत किया गया। मंदिर के महंत ओम प्रकाश शरण जी की अध्यक्षता में श्री महावीर मंडल केंद्रीय समिति के अध्यक्ष जय सिंह यादव ने कहा कि मंदिर के महंत जी की हार्दिक इच्छा थी कि जिला के सभी अखाड़ाधारियों को बुलाकर उनका परिचय के साथ अभिनंदन व स्वागत किया जाए। इस अवसर पर उपस्थित सभी अखाड़ाधारियों एवं संस्था के पदाधिकारियों का महंत जी ने अंग वस्त्र देकर उनका अभिनंदन और स्वागत किया। इस अवसर पर मंच का संचालन श्री महावीर मंडल के पूर्व अध्यक्ष राजीव रंजन मिश्रा ने किया।

इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष हीरालाल साहू मंडल के अध्यक्ष जयसिंह यादव, पवन गुप्ता, राहुल कुमार चंकी, मंत्री सुभाष साहू, उदय रविदास, सुनील वर्मा, प्रमोद सारस्वत, राकेश सिंह, प्रणय जी, राज किशोर, कैलाश केसरी, शंकर साहू, बबलू मुंडा, राजा सेनगुप्ता, वीरेंद्र साहू, शंकर दुबे, गोपाल पारीक, पंडित ललित नारायण ओझा, वीरेंद्र त्रिपाठी, विजय साहू, लीलू, लंकेश सिंह, सालेश्वरम सिंह, अरुण वर्मा, सौरभ बनर्जी, कैलाश पारीक, राजेश सिंह, मंतोष सिंह, मयंक गिरी, प्रेम सिंह, शंकर प्रसाद, तपोवन मंदिर के सभी सदस्यगण सहित काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

झारखण्ड प्रदेश अंगिका समाज ने किया भोजन का वितरण

रांची। झारखण्ड प्रदेश अंगिका समाज के सौजन्य से चलाए जा रहे नारायण सेवा कार्यक्रम के तहत रविवार को रातू रोड, रांची स्थित दुर्गा मंदिर में नारायणों के बीच भोजन पैकेट एवं पानी बोतल का वितरण किया गया। साथ ही कपड़ों का भी वितरण किया गया। डॉ. श्रीमोहन सिंह महासचिव के नेतृत्व में अंगिका समाज के मोहन रजक अध्यक्ष, नरोत्तम प्रसाद सिंह, अनिल कुमार चौधरी, दिनेश प्रसाद गुप्ता, राजेश कुमार पाण्डेय, चितरंजन गुप्ता, दिलिप कुमार सिंह, उत्तम कुमार मंडल, महानन्द ठाकुर, बच्चन कुमार चौधरी, विनय कुमार सिंह, दिवाकर प्रसाद चौधरी,संदीप कुमार ठाकुर, संजीत कुमार सिंह, शम्भू प्रसाद सोलंकी ने नारायणों के बीच वितरण कार्यक्रम संपन्न किया।

कोकर व्यापार संघ के अध्यक्ष चुने गये जयदेव धूत व विकास वर्णवाल सचिव

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कोकर स्थित विजयवर्गीय कॉम्प्लेक्स में फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की संबंधित संस्था कोकर व्यापार संघ के सत्र 2025 -2027 का चुनाव रविवार को संपन्न हुआ। चुनाव पदाधिकारी संजीव विजयवर्गीय एवं सह चुनाव पदाधिकारी रतन अग्रवाल ने चुनाव को संपन्न कराया। चुनाव में जयदेव धूत और विवेक अग्रवाल उम्मीदवार थे। चुनाव में कुल 170 वोट पड़े, जिसमें जयदेव धूत को 119 और विवेक अग्रवाल को 50 वोट पड़े 1 वोट रद्द हुआ, वहीं सचिव के पद पर निर्विरोध विकास वर्णवाल चुने गए। चुनाव पदाधिकारी संजीव विजयवर्गीय ने कहा कि चुनाव में पारदर्शिता ही प्राथमिकता होती है। उन्होंने व्यापार संघ के अध्यक्ष एवं सचिव को बधाई दी।

बीसीआइ प्लेटिनम की बैठक में एक दूसरे के कारोबार को बढ़ाने पर जोर

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। बिजनेस क्रिएशन ऑफ इंडिया (बीसीआइ) प्लेटिनम की बैठक रविवार को स्थानीय होटल में हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुए बीसीआइ प्लेटिनम के अध्यक्ष डॉ सजीत कुमार ने सदस्यों का स्वागत किया और सदस्यों से एक दूसरे के कारोबार को आगे बढ़ाने की बात कही। उन्होंने कहा कि बीसीआई प्लेटिनम ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां हर ट्रेड से केवल एक व्यक्ति को ही सदस्य बनाया जाता है। इसका उद्देश्य है सदस्यों के बीच आपसी सहयोग से व्यवसाय को बढ़ावा देना। बीसीआइ प्लेटिनम के निदेशक धीरज ग्रोवर ने कहा कि बीसीआइ के नये चैप्टर की शुरूआत जल्द की जायेगी। इससे नये सदस्य जुड़ेंगे और रांची में कारोबार को नयी दिशा देंगे। बीसीआइ प्लेटिनम के सदस्यों की संख्या कुल 60 होती है। अभी बीसीआइ प्लेटिनम में कुल 57 सदस्य है। अब इस चैप्टर में ऑटोमोबाइल और रियल इस्टेट से जुड़े लोगों को सदस्य बनाना है। बीसीआइ प्लेटिनम के मेंटर के रूप में किशोर मंत्री का सहयोग मिल रहा है। बैठक में निदेशक धीरज ग्रोवर, अजय कुमार, रमेश कुमार, शिव कुमार सिंह, अध्यक्ष डॉ सजीत कुमार, उपाध्यक्ष सोनाली चौधरी, सचिव राजेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुबोध कुमार समेत अन्य लोग मौजूद थे।

पुंदाग श्री राधा-कृष्ण मंदिर में अन्नपूर्णा महाप्रसाद का आयोजन

● सैकड़ों श्रद्धालुओं ने किया प्रसाद ग्रहण

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग में रविवार को श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम में 209वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा सेवा महाप्रसाद का आयोजन किया गया। इस अन्नपूर्णा महाप्रसाद का विधिवत भोग दोपहर 12:30 बजे मंदिर के पुजारी अरविंद कुमार पांडे द्वारा लगाई गई, तत्पश्चात मंदिर परिसर में उपस्थित श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसाद का वितरण किया गया। वहीं भजन-संध्या के कार्यक्रम में ट्रस्ट के भजन गायकों एवं उपस्थित महिलाओं ने मनमोहक सुमधुर भजनों की अमृत गंगा का रसपान कराते हुए श्रोताओं को खूब झुमाया। भक्तों के द्वारा सामूहिक रूप से महाआरती की गई।

ट्रस्ट के प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय सर्राफ ने बताया कि संस्था द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम श्री राधा कृष्ण मंदिर परिसर में आज अन्नपूर्णा महाप्रसाद एवं भजन संध्या में आज सुबह से ही श्रद्धालुओं का भीड़ लगी रही तथा भगवान श्री राधा कृष्ण मंदिर में पांच हजार से भी अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। रांची के अलावे झारखंड के कई जिलों से आए सैकड़ों श्रद्धालुओं ने मंदिर का दर्शन किए। इस अवसर पर-ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल छावनिका, अरविंद अग्रवाल, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, अंजनी अग्रवाल, विष्णु सोनी, सुरेश अग्रवाल, विशाल जालान, पवन पोद्दार, संजय सर्राफ, सुनील पोद्दार, मधु जाजोदिया संतोष देवी अग्रवाल, चंद्रदीप साहू, हरीश कुमार, महेश वर्मा, परमेश्वर साहु, धीरज गुप्ता, अशोक ठाकुर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं पुरुष उपस्थित थे।

संस्कृत केवल भाषा ही नहीं बल्कि, मानव निर्माण की पाठशाला : डॉ प्रकाश

रांची। संस्कृत भारती की ओर से आयोजित क्षेत्रीय प्रशिक्षण वर्ग के 10 वें दिन का शुभारम्भ दिवस प्रमुखों ने दीपज्वालन और वैदिक मंगलाचरण के साथ रविवार को किया। स्नातकोत्तर संस्कृत विभाग, रांची विश्वविद्यालय के वरीय प्राध्यापक और संस्कृत भारती रांची के महानगर अध्यक्ष डॉ प्रकाश सिंह ने कहा कि संस्कृत केवल भाषा ही नहीं बल्कि, मानव निर्माण की पाठशाला है। संस्कृत पढ़ने वाले लोग स्वावलम्बी होने के साथ राष्ट्रसमुन्नति के लिए तत्पर रहते हैं। आज संस्कृत पढ़ने वाले हर छात्र को रोजगार भी सरलता से प्राप्त हो रहा है। संस्कृत भाषा में अन्तर्निहित ज्ञान भारत का मूलाधार है। संस्कृत भारती के अखिल भारतीय मन्त्री नन्द कुमार ने कहा कि सरल मानक संस्कृत के माध्यम से हर घर तक प्रसार सम्भव है। प्रशिक्षकों में सर्वेश मिश्र, विनय पाण्डेय, पृथ्वीराज सिंह, दीपचन्दराम कश्यप, राम अचल यादव, राजूदेव, अंशुमान सहित अन्य उपस्थित रहे।

सरला बिरला विश्वविद्यालय में विशेषज्ञ वार्ता का आयोजन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। 'जब तक न्याय सुलभ, त्वरित और समान रूप से नहीं मिलेगा, तब तक एक न्यायसंगत समाज की कल्पना अधूरी रहेगी।' ये बातें आज सर्वोच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता अश्विनी कुमार उपाध्याय ने कही। वे रविवार को विश्वविद्यालय में सरला बिरला मेमोरियल व्याख्यान के तहत विशेषज्ञ वार्ता में बतौर मुख्य अतिथि अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। वार्ता का आयोजन विवि के विधि विभाग द्वारा किया गया। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न संवैधानिक प्रावधानों, न्यायपालिका की भूमिका, विधायी सुधारों तथा सक्रिय नागरिक भागीदारी की आवश्यकता पर विस्तार से अपना विचार प्रस्तुत किया। 'राम राज्य' की अवधारणा का विश्लेषण करते हुए उन्होंने बताया कि न्याय सबके लिए और समय पर मिलना, इस आदर्श की आधारशिला है।

अपने तर्कों के समर्थन में उन्होंने सिंगापुर की न्याय प्रणाली की कुशलता तथा त्वरित निष्पादन का उल्लेख किया और अमेरिका की फेडरल पीनल कोड की तुलना भारत में हाल ही में लागू हुई भारतीय न्याय संहिता से की। इसका जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर अमेरिकी कानून को भारत में अक्षरशः भी लागू किया जाए, तो देश में 25 प्रतिशत अपराध खुद-ब-खुद समाप्त हो जाएंगे। विश्व की सर्वोत्तम न्यायिक प्रणालियों से सीख लेने की उन्होंने अपील भी की।

विधिक प्रणाली को जनता की सेवा में प्रभावी बनाने के लिए संवैधानिक मूल्यों को सशक्त करने, कानून के शासन की वास्तविक भावना को बनाए रखने और न्याय के अधिकार को पूर्ण रूप से लागू करने की अनिवार्यता पर उन्होंने जोर दिया।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सी जगनाथन द्वारा स्वागत भाषण से हुई। इस अवसर पर उन्होंने संविधानिक मूल्यों एवं नागरिक सशक्तिकरण के संदर्भ में राष्ट्रीय सुरक्षा के महत्व को रेखांकित किया। विधि विभाग द्वारा स्मृति व्याख्यान के निमित्त 'सुरक्षित भारत' विषय के चुनाव की उन्होंने सराहना की।

विवि के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक ने भारतीय विधिक प्रणाली की ऐतिहासिक यात्रा को रेखांकित करते हुए बताया कि यह प्रणाली धर्म पर आधारित प्राचीन परंपराओं से प्रारंभ होकर मनुस्मृति, अर्थशास्त्र और ब्रिटिशकालीन सामान्य कानून से होते हुए 1950 में संविधान के अंगीकरण तक विकसित हुई है। राष्ट्रीय मुद्दों पर संवाद को बढ़ावा देने वाले मुद्दों पर चर्चा के लिए विवि के प्रयासों पर उन्होंने संतोष व्यक्त किया।

विधिक प्रकोष्ठ के राज्य संयोजक सुधीर श्रीवास्तव ने विधिक नीतियों के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन एवं सामाजिक न्याय और राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में विधिक सशक्तिकरण की प्रासंगिकता पर अपने विचार साझा किए।

कार्यक्रम के अंत में एक इंटरएक्टिव सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों और संकाय सदस्यों ने श्री उपाध्याय से समसामयिक कानूनी चुनौतियों और संभावित सुधारों पर चर्चा की। यह संवाद राष्ट्रीय सुरक्षा के संदर्भ में कानून की भूमिका पर केंद्रित रहा।

कार्यक्रम का समापन विधि विभाग की प्रभारी कोमल गुप्ता द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ।

माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा की गरिमामयी उपस्थिति के अलावा इस व्याख्यान के अवसर पर विधि विशेषज्ञ, विवि के शिक्षकगण एवं शिक्षकेत्तर कर्मचारी तथा छात्र छात्राएं बड़ी तादाद में उपस्थित रहे।

एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान ने इस विशेषज्ञ वार्ता के आयोजन पर अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की है।

श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी गुरुपर्व के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय समागम का हुआ समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। गुरुद्वारा श्री गुरुनानक सत्संग सभा द्वारा श्री गुरु अर्जन देव जी के शहीदी गुरुपर्व के उपलक्ष्य में आयोजित दो दिवसीय समागम का समापन रविवार को हुआ। दीवान की शुरूआत सुबह 11 बजे स्त्री सत्संग सभा की शीतल मुंजाल द्वारा सुनी अरदास स्वामी मेरे सरब कला बण आई.. शबद गायन से हुई। कथावाचन करते हुए गुरुद्वारा के हेड ग्रंथी ज्ञानी जिवेंदर सिंह ने बताया कि गुरु अर्जन देव जी की निर्मल प्रवृत्ति, सहृदयता, कर्तव्यनिष्ठता तथा धार्मिक एवं मानवीय मूल्यों के प्रति समर्पण भावना को देखते हुए गुरु रामदास जी ने 1581 में पांचवें गुरु के रूप में उन्हें गुरु गद्दी पर सुशोभित किया। गुरुद्वारा के हजूरी रागी जत्था भाई महिपाल सिंह जी ने उतर गयो मेरे मन का शंसा, जब ते दरशन पाया, तुम शरणाई आया ठाकुर, तुम शरणाई आया..... तथा सभे जिअ समाल अपणी मेहर कर ... शबद गायन किया। सत्संग सभा के मीडिया प्रभारी नरेश पपनेजा ने बताया कि इस मौके पर गुरुनानक सेवक जत्था द्वारा सुबह 11 बजे से शाम 4 बजे तक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर लगाया गया। गुरुद्वारा साहिब के बेसमेंट में नागरमल मोदी सेवा सदन ब्लड बैंक के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में 18 लोगों ने स्वैच्छिक रक्तदान किया।

शिविर के संचालन में जत्था के सूरज झंडई, करण अरोड़ा, वंश डावरा, पीयूष मिढ़ा, जयंत मुंजाल, अमन डावरा, कनिश गाबा, बख्श मिढ़ा, बेअंत मिढ़ा तथा सेवा सदन ब्लड बैंक के लक्ष्मी देवी, सुनयना तिर्की, सुमित खलखो, पुष्पा देवी समेत अन्य की विशेष सक्रियता रही। समागम के आयोजन में स्त्री सत्संग सभा की गीता कटारिया, मनोहरी काठपाल, मंजीत कौर, बंसी मल्होत्रा, रमेश गिरधर, बिमला मिढ़ा, नीता मिढ़ा, इंदु पपनेजा, मीना गिरधर, नीतू किंगर, ममता थरेजा, रेशमा गिरधर, ममता सरदाना, अमर मुंजाल, हरजिंदर कौर, उषा झंडई, खुशबू मिढ़ा, जसवीर मुंजाल, गुड़िया मिढ़ा तथा लंगर सेवा में अशोक गेरा, सुरेश मिढ़ा, मोहन काठपाल, राजकुमार सुखीजा एवं सोशल मीडिया सेवा में पीयूष थरेजा, जय गाबा तथा साहिल सरदाना की विशेष भागीदारी रही।

30 किसानों के बीच मडुवा, गुंदली व अरहर बीज का वितरण

सिकिदिरी। हेसातू पंचायत के दुबलाबेड़ा के 30 किसानों के बीच रविवार को उन्नत किस्म के मडुवा, गुंदली व अरहर बीज का वितरण किया गया। वितरण दुबलाबेड़ा सामुदायिक भवन में किया गया। समाजसेवी किशोर बेदिया ने बीज का व्यवस्था कर उसका वितरण किया। किशोर बेदिया ने बताया कि किसानों को उन्नत बनाने के उददेश्य से बीज का वितरण किया जा रहा है। इस अवसर पर शंकर बेदिया, सिकंदर बेदिया, अनीता देवी, रेखा देवी, गीता देवी, सिवन देवी, विपत्ति देवी आदि उपस्थित थे।

सड़क को श्रमदान से बनाया गया

ठाकुरगांव। थाना क्षेत्र के सुदूरवर्ती बगदा गांव के ग्रामीणों ने रविवार को सरकारी उदासीनता से तंग आकर एक किलोमीटर सड़क को श्रमदान से बनाया। जानकारी के अनुसार राजकीय प्राथमिक स्कूल बगदा से श्मशान घाट तक सड़क काफी जर्जर थी। ग्रामीणों ने कहा कि सड़क खराब रहने से ग्रामीणों को काफी दिक्कत होती थी। साथ ही ग्रामीणों को शव यात्रा में भी काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। सड़को निर्माण को लेकर ग्रामीणों द्वारा सांसद, विधायक समेत विभागीय अधिकारियों को कई बार लिखित आवेदन दिया गया लेकिन उन्हें सिर्फ आशवासन ही मिला। मौके पर रूपलाल महतो, डॉ मदन, रेखा देवी, मनोज कुमार दीपक, कामदेव पाहन, मुन्नी देवी, सुनील कुमार, मुकेश कुमार समेत अन्य ग्रामीण मौजूद थे।

चोरी की सामान के साथ अपराधी गिरफ्तार

रातू। पुलिस ने रविवार की सुबह काठीटांड चौक के एक कबाड़ी के यहां चोरी की आइसक्रीम फ्रीजर और चक्का बेचते जीतू राम को गिरफ्तार कर लिया। वह संजय नगर कॉलोनी का रहने वाला है। उसने शुक्रवार की रात डायट के समीप संचालित आइसक्रीम फैक्ट्री के मालिक मुकेश श्रीवास्तव के घर से चोरी की थी। उससे पूछताछ की जा रही है। सोमवार को उसे जेल भेज दिया जायेगा।

शोक की लहर

पिस्कानगडी। रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में रांची जिला केसरवानी वैश्य सभा के संरक्षक इंजीनियर 86 वर्षीय अजीत केसरी का रविवार को निधन हो जाने की खबर मिलते ही नगडी में शोक की लहर छा गई मौके पर नगडी केसरवानी वैश्य सभा के अध्यक्ष जीवन केसरी ने कहा कि ई अजीत केसरी का पूरा जीवन समाज सेवा में ही रहा था उन्होने रांची जिला केसरवानी समाज को आगे बढ़ाने में काफी योगदान दिया है वे समाज सुधारक कुशल मार्गदर्शक एवं समाज के प्रति पूर्ण समर्पित थे उनका जाना समाज के लिए अपूरणीय क्षति हैं मौके पर नगडी वरीय संरक्षक तपेशवर केसरी दौलत राम केसरी डॉ त्रिवेणी नाथ साहू प्रेम सागर केसरी दिनेश केसरी मोहन चौधरी दारिका केसरी शंकर चौधरी हेमंत केसरी मनीष केसरी राजकुमार केसरी दीपक केसरी कमलेश केसरी प्रो विनोद केसरी ओम प्रकाश चौधरी सहित नगडी केसरवानी वैश्य सभा के सभी पदाधिकारी एवं सैकड़ों सदस्यों ने शोक व्यक्त किया हैं।

ओरमांझी : शिव मंडा पूजा संपन्न

पूर्वजों की पौराणिक धर्म संस्कृति व परंपरा का प्रतीक है मंडा पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

मंडा पूजा में छउनृत्य प्रस्तुत करते कलाकार।

ओरमांझी। प्रखंड क्षेत्र के गगारी में शिव मंडा पूजा रविवार को झुलन के साथ संपन्न हुआ। वहीं शनिवार रात्रि में भोगता व सोकताइन द्वारा दहकते अंगारे में चल भगवान शिव के प्रति अपनी आस्था, भक्ति व भक्तों के प्रति शिव की शक्ति को प्रदर्षित किया गया। इसके अलावे चंदनक्यारी बोकारो व गोड़ाडिह सिल्ली के कलाकरों द्वारा काफी आकर्षक छउनृत्य का प्रदर्शन किया गया। कलाकारों ने छउनृत्य के माध्यम से भगवान शिव-पार्वती विवाह, धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की जनजातियों के साथ अंग्रेजो के खिलाफ पारंपरिक युद्ध कौशल प्रदर्षन, व अपने सुंदर नृत्य के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण व परशुराम आवतार को प्रस्तुती की गई। मुख्य अतिथि भाजपा नेता जीतनाथ बेदिया कहा पुर्वजों के समय से चली आ रही शिव मंडा पूजा का ग्रामीण क्षेत्रों में काफी महत्व रहा है। उपनी धर्म संस्कृति जानने व संरक्षित करने में मंडा पूजा का कॉफी महत्व रहा है। वहीं बैंक प्रबंधक कल्लू बेदिया भी अपनी परंपरिक धर्म संस्कृति का संरक्षित रखने की अपील किया गया। जिप सदस्य कमिश्नर मुंडा, आदिवासी पड़हा समाज के अध्यक्ष समुंदर पाहन, ब्रजकिशोर बेदिया, मुखिया धनराज बेदिया, आयोजन समिति के अध्यक्ष धनेश्वर बेदिया, सचिव दिगेश बेदिया, कोषाध्यक्ष राहुल महतो, जीतेंद्र बेदिया, ग्रामप्रधान बालेश्वर उरांव, साधो उरांव, बृजलाल बेदिया, लालू बेदिया, शिवटहल नायक, लक्ष्मण उरांव, गोवर्धन बेदिया, लक्ष्मण गंझु, महेंद्र महतो, संजय नायक, धनवृज बेदिया, तालकेश्वर महतो, प्यारेलाल महतो, दुलाल महतो, जीतेंद्र उरांव, कारीनाथ बेदिया, बिनोद बेदिया, बलराम बेदिया, रातरत्न नायक, राजेंद्र बेदिया, निर्मल बेदिया, संजय उरांव, पंकज बेदिया, विशेश्वर महतो, धनेश्वर महतो, महावीर महतो, संतोष बेदिया, धनेश्वर बेदिया, कमल बेदिया, बालेश्वर बेदिया, रघु बेदिया सरजू बेदिया, प्रदीप उरांव, मनेश्वर महतो, गुना बेदिया, अलिन बेदिया व बलराम बेदिया सहित कई ग्रामीण उपस्थित थें।

अपराधियों ने बाघलता टोंगरी में दिया घटना को अंजाम

सिमलिया में पत्थर से कुचलकर वृद्ध की हत्या

- नवांटोली के थे बंधना उरांव
- शनिवार रात की है घटना

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। थाना क्षेत्र के सिमलिया बाघलता टोंगरी में शनिवार की रात अपराधियों ने नवांटोली निवासी 65 वर्षीय बंधना उरांव के सिर को पत्थर से कुचलकर मार डाला। वह शाम 7 बजे अपने भगिना सोमरा उरांव का घर जाने के लिये निकले थे। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दिया है। मामले को लेकर मृतक की पत्नी 60 साल की बिरसी उरांव के ब्यान पर रातू थाने में अज्ञात के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। आशंका है कि संपत्ति हड़पने की नीयत से उनकी हत्या की गयी है। पुलिस इसकी जांच कर रही है।

बंधना उरांव की फाइल फोटो।

जानें क्या है मामला

मृतक निःसंतान और खेती बारी कर जीविका चला रहे थे। पत्नी उनके काम में हाथ बंटाती थी। बंधना उरांव, बैल-बकरी पालने के शौकीन थे। 31 मई की सुबह खाना खाने के बाद मवेशी चराने गये थे। मवेशियों को लेकर शाम को घर आये और उन्हें गोहाल में बांध कर हाथ-पैर धोने के बाद सोमरा के यहां जाने के लिये निकले। लेकिन, रात को नहीं लौटे। इससे पत्नी हलकान थी।

गड्ढे में पड़ा था शव

रविवार की सुबह 9:30 बजे बिरसी, भगिना के घर गयी। किन्तु, बंधना वहां नहीं मिले। सोमरा ने उन्हें बताया कि मामा नहीं आये हैं। इसके बाद सभी उनकी खोजबीन करने लगे। इस दौरान सोमरा का घर के समीप टोंगरी के बीच एक गड्ढे में उनका शव देख परिजनों के होश उड़ गये। पुलिस सोमरा और उसके परिवार के सदस्यों से पूछताछ कर रही है।

विभिन्न मांगों के समर्थन में मशाल जुलूस निकाला

खबर मन्त्र संवाददाता

हटिया विस्थापित परिवार समिति के सैकड़ों सदस्य विभिन्न मांगो के समर्थन में मशाल जुलूस में शामिल विस्थापित।

पिस्कानगडी। हटिया विस्थापित परिवार समिति के बैनर तले रविवार को विभिन्न मांगो के समर्थन में मशाल जुलूस निकाला गया। नयासराय आनी चौक से रेलवे फ्लाई ओवर नयासराय तक हजारो रैयत विस्थापितों के द्वारा मशाल जुलूस निकाल कर रेलवे फ्लाई ओवर के पास मशाल जुलूस की समाप्ति की गई मौके पर विस्थापितों ने सभा आयोजित किया गया जिसमें भावी रणनीति पर विचार विमर्श किया गया सभा को संबोधित करते हुए समिति के अध्यक्ष पंकज शाहदेव ने कहा की सरकार बार-बार विस्थापितों के साथ अन्याय कर रही है विस्थापितों ने सरकार से उस समय के बाजार दर पर 10 डिसमिल जमीन खरीदी थी जिसका मालिकाना हक आज तक नही दिया गया जिसे सरकार ने पुनर्वास का नाम देकर भोले भाले आदिवासी मुलवासी को ठगने का काम किया। उससे भी आज बेदखल करने का प्रयास सरकार के द्वारा किया जा रहा है विस्थापित पहले ही गांव घर से उजाड़े जा चुके हैं अब सड़क चौड़ीकरण के नाम पर लोगों को फिर से बेघर एवं बेरोजगार करने का प्रयास किया जा रहा है इस कोर केपिटल क्षेत्र में इतने सरकारी गैर सरकारी संस्थान बने पर सरकार ने एक भी विस्थापित परिवार के सदस्यों को रोजगार नहीं दिया और नही किसी पर लोग किसी तरह अपना जीवन यापन करने के लिए दुकान वगैरा खोलकर रोजगार चला रहे हैं उसे भी सरकार छीनने का प्रयास कर रही है जिसपर की सरकार कदापि सफल नहीं होगी हमलोग अंतिम सांस तक इस लड़ाई को लड़ेंगे, विस्थापित सह झामुमो नेता कलाम आजाद ने कहा की सरकार पर हमें पूर्ण भरोसा है की सरकार ऐसा कोई भी फैसला नहीं लेगी जिससे यहां के आदिवासी मुलवासी को उजाड़ना पड़े सीएम हेमंत सोरेन यहां के विस्थापितों के प्रति काफी गंभीर हैं और विस्थापितों को न्याय कैसै मिले उस संदर्भ में चिंतित रहते हैं इसलिए मुझे पूर्ण विश्वास है की समय रहते मामले पर मुख्यमंत्री संज्ञान लेंगे और विस्थापितो की हित में फैसला करेंगे, इन्होंने शहीद मैदान एच ई सी से नयासराय रिंग रोड तक सड़क चौड़ीकरण के नाम पर पुनर्वासित ग्राम नयासराय के लोगों बेघर ना किया जाय कोर केपिटल क्षेत्र में बने हाईकोर्ट, विधानसभा, आईआईएम, गेल इंडिया, अमेठी यूनिवर्सिटी सहित सभी सरकारी गैर सरकारी संस्थान में योग्यतानुसार शत प्रतिशत नौकरी सुनिश्चित की जाय।

कोर केपिटल क्षेत्र में सरकार द्वारा उपयोग की गई जमीन एवं विभिन्न गैर सरकारी संस्थान को गैर संवैधानिक ढंग से आवंटित को गई भूमि का आवंटन रद्द किया जाय या आज के बाजार दर से रैयतों को मुआवजा का भुगतान किया जाय। कुटे आनि, तिरील, लाबेद मुड़मा सहित सभी गांव जो अधिग्रहण पूर्व से यथावत हैं उन्हे मालिकाना देते हुए राजस्व ग्राम घोषित किया जाय और खाली पड़ी जमीन रैयतों को वापस किया जाय। नगड़ी प्रखंड अन्तर्गत उत्तरी टुण्डुल एवं दक्षिणी टुण्डुल पंचायत को नगर निगम क्षेत्र में शामिल नही किया जाय एवं सभी गांव को यथावत रहने दिया जाए। नयासराय फ्लाई ओवर निर्माण में प्रभावित परिवारों को सरकार उचित राहत प्रदान करे। समिति के सचिव महावीर मुंडा ने कहा कि आज का मशाल जुलूस ने साबित कर दिया की विस्थापित एक जुट हैं और आने वाले समय में जोरदार संघर्ष करने के लिए तैयार हैं हमें इसी प्रकार एकजुटता बनाकर रहना है और इस लड़ाई को जीतना है हम लोग पहले भी इस तरह की एक जुटता के साथ सरकार के खिलाफ आंदोलन किए हैं और सफलता भी प्राप्त किए हैं।

सभा को फिरोज अंसारी, लक्ष्मी मिर्धा पंचू महतो दीपक मुंडा ने भी संबोधित किया जुलूस मे मुख्य रूप से तरुण शाहदेव मनोज बैठा, अजीत शाहदेव श्वेता उरांव किरण देवी अख्तर हुसैन धीरंजय सहदेव महावीर नायक, अंकित नायक, ऋषि सिंह देव संतोष सहदेव कालीचरण लोहार अर्जुन महतो, अरूण महतो, सोमारी मुंडा आशीष मिर्धा, मोहन महतो, जौहर अंसारी, राजेन्द्र उरांव, अजय बैठा आशीष वर्मन, रूस्तम अंसारी तफ्फीजूल अंसारी सहित सैकड़ो महिला पुरूष शामिल हुए।

सफल छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया

प्रमाण पत्र वितरण करते।

इटकी। इटकी साहेब मोड़ स्थित ऐडसेड क्लासेज में रविवार को सम्मान समारोह का आयोजन कर मैट्रिक और इंटरमीडिएट में सफल हुए 84 छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि भाजपा नेता सन्नी टोप्पो ने सफल बच्चों के बीच प्रमाणपत्र और मेडल का वितरण किया। मौके पर उन्होंने छात्र छात्राओं से कहा की आपकी मेहनत और लगन से ही आपके सपने सच होंगे साथ ही कहा की जीवन में सफलता पाने के लिए निरंतर प्रयास और आत्मविश्वास जरूरी है। समारोह को जिप सदस्य रीना देवी, अभिलाष सोनू, विक्की गोप व आनंद गोप ने संबोधित किया। मौके पर हिमांशु, बशरा रहमान, सादिया परवीन, सारिया सना सहित दर्जनों छात्र छात्राएं मौजूद थे।

इंटर साइंस में नगमा नाज बनी अनगड़ा प्रखंड टॉपर

अनगड़ा। जैक ने इंटरमीडिएट परीक्षा 2025 का परिणाम घोषित कर दिया है। इस परीक्षा में चिलदाग गांव की रहने वाली छात्रा नगमा नाज ने इंटर साइंस में 463 अंक लाकर प्रखंड टॉपर बनने का गौरव हासिल किया है। इसने 92.6 प्रतिशत अंक अर्जित की है। नगमा एसएस प्लस टू हाईस्कूल चिलदाग की छात्रा है। नगमा के पिता कलीम अंसारी पेशे से दर्जी का काम करते हैं। जबकि मां अंजुम आरा गृहिणी हैं। परिवार की अभावग्रस्त आर्थिक स्थिति के बावजूद नगमा ने कड़ी मेहनत और लगन से इस मुकाम को हासिल किया है। पांच बहन भाई में तीसरे नंबर पर नगमा ने पूरे परिवार, स्कूल और प्रखंड का नाम रौशन किया है। इस उपलब्धि का श्रेय वह अपने माता पिता एवं गुरुजनों को देती है। आगे नगमा का लक्ष्य साफ है। वह भविष्य में डॉक्टर बनकर समाज का सेवा करना चाहती है। उनका मानना है कि दृढ़ इच्छा शक्ति और संकल्प से कोई भी सपना साकार किया जा सकता है। इधर नगमा के इस उपलब्धि पर पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, डॉ अमर कुमार चौधरी, डॉ रिझू नायक, मुस्तफा अंसारी, विधायक प्रतिनिधि श्रवण मुंडा, डॉ गुलजार, सिकंदर अंसारी, जलनाथ चौधरी, दिनेश कुमार, फारूक खान आदि ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी।

प्रखंड के तीन गांवों में कृषि जागरूकता कार्यक्रम

रातू। दिव्यायन कृषि विज्ञान केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद राष्ट्रीय कृषि उच्चतर प्रसंस्करण संस्थान नामकुम व आत्मा के संयुक्त तत्वावधान में रविवार को प्रखंड के बाजपुर, तिगरा और पाली में विकसित कृषि संकल्प अभियान के तहत प्रशिक्षण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें खरीफ फसल जैसे धान, रागी, आलू, मूंगफली व तिल आदि के उन्नत किस्मों की जानकारी दी गयी। प्राकृतिक खेती द्वारा द्वितीयक रागी उत्पादन, लाह उत्पादन, वितरक के संबंध में विशेष चर्चा हुयी। इसके अलावा किसानों की कृषि संबंधी समस्याओं का निराकरण भी किया गया। मौके पर कृषि वैज्ञानिक प्रियंका साकरे, केवीके के वैज्ञानिक डॉ नेहा राज, डॉ रविन्द्रका सिंह, बीटीएम मुन्नी कुजूर, मुखिया सबिता तिर्की, कमला कांत किंडो, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक राजू व सैकड़ों कृषक मौजूद थे।

राजद खलारी प्रखंड की बैठक में इस्माईल अंसारी एकबार फिर प्रखंड अध्यक्ष बनाये गये

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। राजद खलारी प्रखंड के नेताओं और कार्यकर्ताओं की बैठक राजद जिला उपाध्यक्ष मिथिलेश पासवान के आवासीय कार्यालय, मोहननगर में किया गया। बैठक की अध्यक्षता राजद प्रखंड अध्यक्ष इस्माईल अंसारी ने की। बैठक में सभी नेताओं से क्रमवार बातचीत की गई। जिसमें सर्वसम्मति से इस्माईल अंसारी को पुनः प्रखंड अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी गयी। इस बैठक में जिला महासचिव सुदेश्वर ठाकुर प्रखंड निर्वाचन पदाधिकारी के रूप में उपस्थित थे। ईस्माइल अंसारी को प्रखण्ड अध्यक्ष दुबारा चुने जाने पर मिथिलेश पासवान ने प्रस्ताव रखा। ईस्माइल अंसारी पार्टी में पूर्णकुशलता रूप से कार्य करते रहे। इस अवसर पर प्रो. गजेंद्र यादव, सागर राम, सुदेश्वर ठाकुर और मिथिलेश पासवान ने भी अपने अपने विचार व्यक्त किए। निर्वाचित प्रखंड अध्यक्ष इस्माईल अंसारी ने सभी नेताओं एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा, ₹आप सबों ने हम पर पुनः विश्वास जताया है, मैं आपके विश्वास पर खरा उतरने का हरसंभव प्रयास करूंगा।

कहा कि आगामी 8 जून को झारखंड सरकार के श्रम एवं नियोजन मंत्री संजय प्रसाद यादव से मिलकर क्षेत्र की समस्याओं से उन्हें अवगत कराएंगे। मौके पर रणजीत कुमार, रेयाज अंसारी, अल्ताफ, संजय कुमार, जाकिर अंसारी, बाबुल लोहरा, नसीम अंसारी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद थे।

बारीडीह में पारंपरिक पड़हा व्यवस्था पर कार्यशाला व विचार गोष्ठी का आयोजन

पड़हा व्यवस्था हमारी धरोहर है : नीलमणी भगत

खबर मन्त्र संवाददाता

कार्यशाला में मौजूद ग्रामीण।

बेड़ो। बेड़ो प्रखंड के बारीडीह गांव स्थित पड़हा जतरा मैदान में शनिवार को 12 व 21 पड़हा संचालन समिति ट्रस्ट के तत्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय पड़हा जतरा समारोह के पहले दिन प्रखंड में पारंपरिक पड़हा व्यवस्था को सुदृढ़ करने और इसके महत्व को उजागर करने के उद्देश्य से एक दिवसीय कार्यशाला सह विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यकम में क्षेत्र के विभिन्न गांवों के पड़हा राजा, दिवान, कोटवार के पड़हा समाज के लोग और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। कार्यशाला में आदिवासी समुदायों में सदियों से चली आ रही पारंपरिक स्वशासन प्रणाली पड़हा व्यवस्था की वर्तमान चुनौतियों और भविष्य की संभावनाओं पर गहन विचार-विमर्श किया गया। वक्ताओं ने इस बात पर जोर दिया कि यह व्यवस्था न केवल सामाजिक न्याय और सौहार्द बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है, बल्कि यह आदिवासी संस्कृति और पहचान का एक अभिन्न अंग भी है। विचार गोष्ठी के दौरान संरक्षक डा दिवाकर मिंज ने पड़हा व्यवस्था के ऐतिहासिक महत्व, उद्भव, विकास और विभिन्न कालों में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि कैसे यह व्यवस्था आज भी ग्रामीण स्तर पर विवादों के निपटारे और सामुदायिक विकास में कारगर साबित हो सकती है। पूर्व मंत्री देव कुमार धान ने कहा ने कहा पड़हा व्यवस्था हमारे पूर्वजों की देन है।

इसकी सामाजिक, सांस्कृतिक पहचान लोकगीतों व परंपरागत नाच गान की परंपरा को बचाना हमारा कर्तव्य है। पड़हा व्यवस्था सामाजिक व सांस्कृतिक परंपरा के राह पर आए तमाम विभिन्न समस्याओं के समाधान का एक सशक्त आधार है। भौआ उरांव ने कहा कि पड़हा व्यवस्था के तहत पारंपरिक व्यवस्था को मजबूती और अधिकारों को जानने के लिए जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। वही केंद्रीय अध्यक्ष सह सांसद प्रतिनिधि जुगेश उरांव ने कहा पड़हा व्यवस्था की सामाजिक व सांस्कृतिक पहचान को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए हमें एकजुट होकर आगे आना होगा। यह हमारी पूर्वजों की धरोहर है। उन्होंने कहा कि पड़हा व्यवस्था जनजातीय क्षेत्र में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका का सम्मिश्रित स्वरूप का प्रतीक है।

सका मूल उद्देश्य समाजिक समरसता, भाईचारा, एकता, सद्भावना और समग्र विकास है। उन्होंने पारंपरिक पड़हा व्यवस्था में युवा पीढ़ी की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने से ही इस व्यवस्था के महत्व को अवगत कराकर ही इसे जीवंत रखा जा सकता है। वही संरक्षक नीलमणी भगत ने कहा पड़हा व्यवस्था हमारी धरोहर है।

अहिल्याबाई होलकर नारी सशक्तिकरण की प्रतीक थीं : डॉ. यदुनाथ पांडेय

अनगड़ा। जसपुरिया बीएड कालेज सभागार बीसा में शनिवार को देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के मौके पर ह्वाद वर्ल्ड इज माई फेमिलीह्व विषय पर कार्यशाला हुआ। इसके मुख्य वक्ता झारखंड प्रदेश भाजपा के पूर्व अध्यक्ष सह पूर्व सांसद प्रो. डॉ. यदुनाथ पांडेय, विशिष्ट अतिथि जसपुरिया बीएड कॉलेज के चेयरमैन जैलेन्द्र कुमार, भाजपा जिला मीडिया प्रभारी रामसाय मुंडा व प्राचार्य अनिल कुमार मिश्रा थे। इस मौके पर डा. यदुनाथ पांडेय ने कहा की अहिल्याबाई की दृढ इच्छा शक्ति व उदार भावना ने उन्हें नारी से देवी का नाम दिया। वे नारी शक्ति की प्रतीक थी। मालवा की महारानी के जन्म के 300 साल बाद भी याद किया जाना नारी सशक्तिकरण का प्रतीक है। अहिल्याबाई ने सनातन धर्म के विकास को लेकर कई उल्लेखनीय कार्य किया। देश के चारों धाम का काशी विश्वनाथ मंदिर, सोमनाथ मंदिर, विष्णुपद मंदिर सहित अनेक हिन्दू मंदिरों का पुर्ननिर्माण कराया। ऐसी वीरांगना को नमन। जैलेन्द्र कुमार ने कहा कि अहिल्याबाई होलकर को एक महान समाज सुधारक व परोपकार के लिए जाना जाता है। शिक्षा के विकास को लेकर कई स्कूलों व कालेजों का निर्माण कराया। भारत व सनातन समाज इनकी आजीवन ऋणी रहेगा। इस मौके पर प्रशिक्षुओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। प्रशिक्षु श्रुति वर्मा ने अहिल्याबाई की जीवनी पर प्रकाश डाला। मौके भाजपा नेता प्रभुदयाल बड़ाईक, संजय नायक, सोहरैया बेदिया, एतवा बेदिया, पंचम भोगता, दिलीप मिर्धा, अजय कुमार, हर्ष राज, काजल गोस्वामी आदि उपस्थित थे।

बेड़ो थाना परिसर में पड़हा समाज के लोगों ने की तोड़फोड़

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो थाना परिसर में तोड़फोड़ के बाद बिखरा सामान।

बेड़ो थाना परिसर में रखे तोड़फोड़ के शिकार हुए वाहन।

रांची। बेड़ो थाना परिसर में शनिवार की रात पड़हा समाज के लोगों ने तोड़फोड़ करते हुए पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की किया। धक्का-मुक्की से थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान को हल्की चोटें आयीं हैं। इस संदर्भ में बेड़ो थाना के कार्यालय कक्ष में डीएसपी अशोक कुमार राम ने बताया कि पड़हा समाज के लोगों ने पुलिस पर जेसीबी चालक के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए घटना को अंजाम दिया।

डीएसपी ने बताया कि महादानी मैदान बेड़ो में पड़हा महासम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस दौरान पड़हा समाज के लोगों ने बिना प्रशासनिक अनुमति के महादानी मैदान पर जेसीबी चलाया। इसके बाद मेरे और सीओ प्रताप मिंज के समझाने पर मामला शांत हो गया। मौके पर महादानी मैदान के समीप सरनास्थल के अतिक्रमण को हटाने के लिए सीओ ने तत्काल नोटिस जारी किया। जिसमें सीओ प्रताप मिंज ने 24 घंटे के अंदर सरनास्थल को अतिक्रमण से मुक्त करने का आश्वासन दिया। साथ ही सीओ ने नोटिस की प्रति पड़हा समाज के लोगों को भी सौंपा। इसके बाद लोग अपने अपने घर चले गए। वहीं अचानक करीब ढाई से तीन सौ की संख्या में पड़हा समाज के लोग बेहद आक्रोशित होकर शनिवार की रात करीब पौने आठ बजे बेड़ो थाना परिसर में जा घुसे। इस दौरान उन्होंने कहा कि पड़हा समाज के लोगों ने पुलिस के द्वारा जेसीबी चालक के साथ मारपीट करने का आरोप लगाते हुए घटना को अंजाम दिया। जबकि डीएसपी अशोक कुमार राम ने जेसीबी चालक के साथ पुलिस द्वारा मारपीट किए जाने की घटना को बेबुनियाद और गलत बताते हुए इसे मानने से इनकार किया है। उन्होंने कहा कि उत्तेजित ग्रामीणों ने अनर्गल आरोप लगाते हुए व पुलिसकर्मियों से गाली ग्लौज करते हुए धक्का-मुक्की किया। इस दौरान बेड़ो थाना प्रभारी देव प्रताप प्रधान को चोटें आईं। डीएसपी ने बताया काफी समझाने बुझाने के वावजूद उत्तेजित ग्रामीण किसी की बात सुनने को तैयार नहीं थे। इस दौरान आक्रोशित ग्रामीणों ने थाने परिसर में रखे फुल के गमलों, कुर्सियों व कुछ वाहनों को अपना निशाना बनाकर तोड़ डाला। साथ ही सरकारी काम काज में बाधा उत्पन्न किया। जिसके बाद इसकी सूचना मिलते ही अगल बगल थाना के पुलिस पदाधिकारी सदल बल बेड़ो थाना पहुंचे।

पदाधिकारियों के समझाने के बाद ग्रामीण थाना परिसर से चले गए। वहीं डीएसपी ने कहा कि इसकी सूचना वरीय अधिकारियों को प्रेषित कर इस संदर्भ में एक मामला दर्ज किया जाएगा। साथ ही दोषियों के विरुद्ध उचित विधिसम्मत कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वहीं मौके पर सीओ प्रताप मिंज, डीएसपी अशोक कुमार राम, पुलिस निरीक्षक उत्तम उपाध्याय आदि मौजूद थे। इधर बेड़ो पुलिस प्रशासन ने पड़हा समाज के लोगों पर सरकारी काम में बाधा और थाना परिसर में घुसकर पुलिसकर्मियों के साथ धक्का मुक्की करने और थाना परिसर में रखें टेबल, कुर्सी परिसर में रखें वाहन समेत फूलों के गमले को तोड़फोड़ किए जाने के मामले को लेकर एक दर्जन से अधिक पर नाम दर्ज समेत 100 के ऊपर अज्ञात पड़हा समाज के लोगों के ऊपर मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई में जुट गई है।

जमीन पर कब्जा कर बोर्ड लगाया, दस लाख रंगदारी मांगी, मामला दर्ज

नामकुम। ईटकी रोड सर्वेस्वरी नगर के रहनेवाले रामानुज तिवारी ने आरा सडकटोली के रहनेवाले विजय बड़ाईक सहित अन्य चार लोगों पर उनकी खरीदगी जमीपन पर बलपूर्वक प्रवेश कर बोर्ड लगा देने और उसे अपनी जमीन बताकर बेचने का प्रयास करने का आरोप लगाते हुए टाटीसिलवे थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। दर्ज प्राथमिकी में रामानुज ने आरोप लगाया है कि जब वे विजय से उस बाबत बात किए तो विजय ने उक्त जगीन पर काम करने के एवज में उनसे पाचं लाख रूप्ये रंगदारी की मांग की और रंगदारी नही देने पर जमीन पर काम नही करने देने की धमकी दी। तिवार ने उनके द्वारा नियुक्त व्यक्ति दुखन मिर्धा को भी गाली गलौज और जान से मार देने की धमकी देने का आरोप लगाया है। मामले में टाटीसिलवे थानेदार रंजीत कुमार सिन्हा ने बताया कि पुलिस ने रामानुज तिवारी के दिए आवेदन पर मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

देश की सुरक्षा सर्वोपरि...

देश की सुरक्षा सबसे आवश्यक है। भारत के पूर्व में चीन पश्चिम में पाकिस्तान के साथ ही अब बांग्लादेश जैसे छोटे देश भी भारत विरोधी गतिविधियों में सक्रिय है। ऑपरेशन सिंदूर में जो पराक्रम सेना ने दिखाया और जिस प्रकार की वैश्विक तान-बाना बुना गया उसमें देश की सुरक्षा से कोई समझौता न हो यह बात पुख्ता हो गयी। विगत दिनों एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने कहा कि मेरे ख्याल से एक भी परियोजना तय सीमा पर पूरी नहीं होती है। निस्संदेह, यह कथन देश की स्वदेशी उत्पादों की रक्षा तैयारियों में विलंब की प्रवृत्ति की ओर इशारा करता है। खासकर तेजस लड़ाकू विमान व आकाश मिसाइल प्रणाली, के बावजूद लगातार होने वाली देरी परिचालन तत्परता को बाधित करती है। निस्संदेह, लेट-लतीफी की यह प्रवृत्ति आधुनिकीकरण को पटरी से भी उतार सकती है। हमारे पड़ोसी देशों में तेजी से होते सैन्य आधुनिकीकरण और युद्ध तैयारियों में गहन तकनीक के इस्तेमाल होने के चलते, हमें इस सुस्ती की बड़ी कीमत चुकानी पड़ सकती है। निर्विवाद रूप से यह महज बजट या नौकरशाही की लालफीताशाही का मामला भर नहीं है। वास्तव में यह राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा एक बेहद संवेदनशील विषय है। विगत के संकटकाल के दौरान देखने में आया है कि युद्ध व चुनौतिपूर्ण स्थितियों में हम विदेशों में अपनी जरूरत का सामान तलाशते रहे हैं। कई देशों ने मुश्किल वक्त में सामान की आपूर्ति में ना-नुकुर भी की है। कारगिल युद्ध में ऐसे अनुभव देखने में आए थे। देश के 6.81 लाख करोड़ रुपये के रक्षा बजट में मात्र 1.8 लाख करोड़ रुपये की राशि आधुनिकीकरण के लिए निर्धारित की गई है। उसमें शोध-अनुसंधान व विकास के लिये निर्धारित राशि आधुनिकीकरण के बजट में 3.94 फीसदी ही है। देश में लालफीताशाही सुरक्षा पर हावी न हो सुरक्षा सर्वोपरि है।

आज का राशिफल

मेष : सुबह-सुबह की महत्वपूर्ण सिद्धि के बाद दिन-भर उत्साह रहेगा। किसी लाभदायक कार्य के लिए व्ययकारक स्थितियां पैदा होगी। अल्प-परिश्रम से ही लाभ होगा। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। घरेलू बहुमूल्य वस्तुओं के क्रय का योग है। शुभांक-1-5-7

वृष : परामर्श व परिस्थिति सभी का सहयोग मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपकी निकटता बढ़ेगी। व्यावसायिक उपक्रम में उलटफेर की शुरूआत हो सकती है। स्थाई सम्पति के निर्माण, मरम्मत व पुर्नस्थापना पर व्यय भार बढ़ेगा। किसी की टीका-टिप्पणी से आपको परेशानी हो सकती हैं। शुभांक-2-5-6

मिथुन : विश्वस्त लोगों के कहे अनुसार चलें। राजकीय कार्यो में सतर्कता बरतें। मान-सम्मान को ठेस लग सकती है। जोश से कम व होश में रहकर कार्य करें। नये आगंतुकों से लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। परिवार के साथ मनोरांजनिक स्थल की यात्रा होगी। शुभांक-5-7-9

कर्क : पुरानी पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा। परिश्रम प्रयास से कार्य सफल होंगे। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। बुरी संगति से बचें। नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें। अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। मनोरथ सिद्धि का योग है। शुभांक-1-3-6

सिंह : दाम्पत्य जीवन में तनाव का वातावरण बन सकता हैं। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। आत्मचिंतन करें। पुराने मित्र से मिलन होगा। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शुभांक-5-7-9

कन्या : रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे निपटा लें। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-7

तुला : संतान की ओर से हर्ष के प्रसंग बनेंगे। समय को देखकर कार्य करना ज्यादा हितकर रहेगा। परिश्रम अधिक करना पड़ेगा तभी आप लाभ की आशा कर सकते हैं। कार्य क्षेत्र में पदोन्नति के योग बनेंग। व्यवसायिक अभ्युदय भी होगा और प्रसन्नताएं भी बढ़ेंगी। शुभांक-4-6-7

वृश्चिक : कर्म बल पर आपको सफलता मिलेगी। व्यवसायिक क्षेत्र में वर्तमान क्षमता को बढ़ाएंगे उपक्रम का विस्तार करने का प्रयास सफल होगा। आप अच्छी सफलताएं प्राप्त करेंगे। बुद्धि कौशल से चुनौतीपूर्ण कार्यो में सफलता मिलेगी। आर्थिक दृष्टि से समय उपलब्धिकारक रहेगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। शुभांक-4-6-8

धनु : मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य कमजोर बना रहेगा। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। श्रम अधिक करना पड़ सकता है। वरिष्ठजनों से मतभेद उभर सकते हैं। शुभांक-3-5-7

मकर : शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यो की चेष्टाएं प्रबल होंगी। पारिवारिक प्रेमभाव बढ़ेगा। शुभांक-2-4-6

कुंभ : विकास के लिए बनाई योजना सफल होगी। अच्छा हो कि आप अपने उद्देश्य को लेकर सचेत रहें। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। कार्यक्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य सौंपे जा सकते है जो कि अतिविश्वसनीय व्यक्तियों को ही दिये जाते हैं। कार्य साधक दिन है व्यर्थ न गंवाऐ। नैतिक दायरे में रहें। शुभांक-5-7-9

मीन : क्षमता से अधिक कार्य करने की नौबत आ सकती हैं। उत्तरदायित्व की अधिकता निजी जीवन में अपने ही ढंग की परेशानियां पैदा करेगी। कारोबार की उन्नति के लिये एक से अधिक सीढ़ी चढ़कर लोगो को आश्चर्य में डाल देगें। बौद्धिक क्षेत्र में प्रतियोगिता जीतने का मौका मिलेगा। शुभांक-1-5-8

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह

स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह

द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह

संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006

e-mail
khabarmantra.city@gmail.com

R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797

धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)

*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा रांची न्यायालय में ही होगा।

धीमा जहर है धूम्रपान, इसे छोड़ दीजिए

बचपन से पढ़ते-सुनते आए हैं कि धूम्रपान और तंबाकू उत्पाद स्वास्थ्य के लिए हानिकारक और शरीर में कैंसर व कई अन्य बीमारियों को जन्म देते हैं। बावजूद इसके लोग इस धीमे जहर का प्रयोग छोड़ नहीं पाते। हालात इस कदर खराब हैं कि किशोरवय पीढ़ी धूम्रपान और विभिन्न तंबाकू उत्पादों की चपेट में है। यह स्थिति काफी चिंताजनक होती है। दरअसल ऐसे किशोरों के मन मस्तिष्क में कुछ गलत धारणाएं घर कर गई हैं कि धूम्रपान करने से चुस्ती-फुर्ती आती है। मानसिक तनाव कम होता है। व्यक्तित्व आकर्षक बनता है। कब्ज की शिकायत दूर होती है आदि-आदि। तमाम वैज्ञानिक शोधों के बावजूद ऐसे लोग समझना ही नहीं चाहते कि यह भ्रांति है। ऐसा कुछ नहीं होता। वास्तविकता यह है कि धूम्रपान ऐसा धीमा जहर है, जो सेवन करने वाले व्यक्ति को मौत के मुंह में धकेल देता है।

धूम्रपान शरीर में धीरे-धीरे प्राणघातक बीमारियों को जन्म देता है। तम्बाकू सेवन के व्यापक प्रसार और नकारात्मक स्वास्थ्य प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 31 मई को विश्व तम्बाकू निषेध दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष यह दिवस ह्यअपील का पदार्फाशः तंबाकू और निकोटीन उत्पादों पर उद्योग की रणनीति को उजागर करनाह्न के ध्येय वाक्य के साथ मनाया जा रहा है। जहां विकासशील देशों में धूम्रपान का प्रचलन बढ़ रहा है, वहीं अमेरिका सरीखे कुछ विकसित देशों में धूम्रपान के प्रचलन में तेजी से गिरावट आई है। 1965 में अमेरिका की 42 फीसदी आबादी धूम्रपान की आदी थी जबकि 1991 में यह संख्या घटकर 26 फीसदी रह गई और पिछले डेढ़ दशक में तो वहां धूम्रपान करने वालों की संख्या में और भी तेजी से गिरावट आई है।

गहराई में जाने पर पता चलता है कि अमेरिका में सिगरेट की खपत में लगातार कमी आने की वजह से वहां की सिगरेट कम्पनियों ने अपने घाटे की पूर्ति के लिए अपने उत्पादों को भारत तथा अन्य विकासशील देशों में खपाने की योजना बनाई और उन्हें इस कार्य में सफलता भी मिली। भारत में प्रतिदिन धूम्रपान से मरने वालों की संख्या सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों के मुकाबले 20 गुना अधिक है। एड्स से देश में जितनी मौतें 10 वर्ष में होती हैं, उतनी मौतें धूम्रपान की वजह से मात्र एक सप्ताह में ही हो जाती हैं। करीब दस प्रतिशत व्यक्ति तो ऐसे होते हैं, जो खुद धूम्रपान नहीं करते लेकिन पैसिव स्मोकिंग के शिकार बनते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन का अनुमान है कि यदि दुनियाभर में धूम्रपान की लत

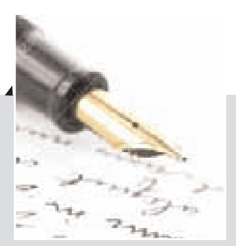

\- श्वेता

> जहां तक हमारे यहां सिगरेट के पैकेटों पर लिखी वैधानिक चेतावनी का सवाल है तो यह कितनी असरकारक है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन एक पैकेट सिगरेट पीने वाला व्यक्ति अपने जीवन के 8 दिन कम कर लेता है, इसलिए सिगरेट के पैकेटों से वर्तमान वैधानिक चेतावनी को हटाकर यह लिख दिया जाना चाहिए कि इस पैकेट के उपयोग से आपके जीवन के 8 दिन कम हो जाएंगे।

इसी रफ्तार से बढ़ती रही तो आगामी एक-दो वर्षों तक ही धूम्रपान की वजह से 50 करोड़ से भी ज्यादा लोग मारे जा चुके होंगे और अगले 30 वर्षों में केवल गरीब देशों में ही धूम्रपान से मरने वालों की संख्या प्रतिवर्ष 10 लाख से बढ़कर 70 लाख तक पहुंच जाएगी। संगठन का अनुमान है प्रतिवर्ष विश्वभर में 8000 से अधिक नवजात शिशु धूम्रपान के कारण असमय काल के ग्रास बन जाते हैं। आंकड़ों से पता चलता है कि सभी प्रकार के कैंसर में से करीब 40 फीसदी का कारण धूम्रपान ही होता है। धूम्रपान करने वालों को धूम्रपान न करने वालों की अपेक्षा फेफड़ों का कैंसर होने की संभावना 15 गुना अधिक होती है।

एक आकलन है कि सिगरेट के धुएं में करीब 4000 घातक रासायनिक तत्व विद्यमान होते हैं, जिनमें पोलिनियम 210, कार्बन मोनोक्साइड, कार्बन डाइआक्साइड, निकल, पाईरीडिन, बेंजीपाइरीन, नाइट्रोजन आइसोप्रेनावाइड, अम्ल, क्षार, निकोटीन, टार, जिंक, हाइड्रोजन साइनाइड, कैडमियम, ग्लायकोलिक एसिड, सक्सीनिक एसिड, एसीटिक एसिड, फार्मिक एसिड, मिथाइल क्लोराइड इत्यादि प्रमुख हैं, जो मानव शरीर पर तरह-तरह से दुष्प्रभाव डालते हैं। धूम्रपान से हृदय रोग, लकवा, हर प्रकार का कैंसर, मोतियाबिंद, नपुंसकता, बांझपन, पेट का अल्सर, एसीडिटी, दमा, ब्रोंकाइटिस, मिरगी, मेनिया, स्कीजोफ्रेनिया जैसे घातक रोगों का खतरा भी कई गुना बढ़ जाता है। धूम्रपान से मोतियाबिंद का खतरा बन जाता है और आंख की रेटीना प्रभावित होने लगती है, जिससे नेत्र ज्योति कम होती जाती है। गर्भवती महिलाओं के धूम्रपान किए जाने से कम लम्बाई और कम वजन के बच्चों का जन्म, बच्चों में अपंगता तथा बाल्यावस्था में ही घातक हृदय रोग जैसी बीमारियों का खतरा काफी बढ़ जाता है।

एक अध्ययन के अनुसार प्रतिदिन 20 सिगरेट तक पीने वाली गर्भवती महिला के बच्चे की मृत्यु होने की संभावना सामान्य से 20 प्रतिशत बढ़ जाती है जबकि 20 से अधिक सिगरेट पीने पर यह खतरा 35 प्रतिशत तक हो जाता है। अमेरिकन हार्ट एसोसिएशन के अनुसार किसी दूसरे के धूम्रपान के धुएं के प्रभाव से दिल के दौरे से होने वाली मौतों की आशंका 30 प्रतिशत बढ़ जाती है। विभिन्न सर्वेक्षणों में माना गया है कि विकसित देशों में 41 फीसदी पुरुष और 21 फीसदी महिलाएं धूम्रपान करती हैं जबकि विकासशील देशों में सिर्फ 8 फीसदी स्त्रियों को इसकी लत लगी है तथा पुरुषों की संख्या 50 फीसदी से भी अधिक है।

जहां तक हमारे यहां सिगरेट के पैकेटों पर लिखी वैधानिक चेतावनी का सवाल है तो यह कितनी असरकारक है, इससे कोई अपरिचत नहीं है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार प्रतिदिन एक पैकेट सिगरेट पीने वाला व्यक्ति अपने जीवन के 8 दिन कम कर लेता है, इसलिए सिगरेट के पैकेटों से वर्तमान वैधानिक चेतावनी को हटाकर यह लिख दिया जाना चाहिए कि इस पैकेट के उपयोग से आपके जीवन के 8 दिन कम हो जाएंगे। बहरहाल, तमाम स्वास्थ्य विशेषज्ञों और शोधों का एक स्वर में यही कहना है कि धूम्रपान एक अत्यंत धीमा किन्तु प्राणघातक विष है। इसलिए स्वयं तो धूम्रपान से बचें ही, धूम्रपान के आदी लोगों को भी इस लत को छोड़ने के लिए प्रेरित करें।

(लेखिका, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

लेटर टू एडिटर

ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी

यह तथ्य सर्वविदित है कि ग्लोबल वार्मिंग का असर विश्वव्यापी है, लेकिन भारत जैसे विशाल आबादी वाले देश के लिए यह प्रभाव कालांतर में खाद्य संकट पैदा करने वाला साबित हो सकता है। तापमान बढ़ने से जो जल स्तर बढ़ रहा है, उसके चलते देश के कई द्वीपों व समुद्रतटीय इलाकों में जीवन पर संकट मंडराने लगा है। यह संकट पहाड़ी राज्यों में असर डाल रहा है। जहां बर्फबारी कम होने से फल व खाद्यान्न उत्पादन पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है। यहां तक कि उत्तराखंड में शीतकालीन खेलों की पहचान रखने वाले औली में कम बर्फ पड़ने के कारण इस बार भी शीतकालीन खेलों को स्थगित करना पड़ा है। वातावरण में बढ़ते तापमान के कारण यहां बर्फ समय से पहले ही पिघल गई। बीते साल देश के विभिन्न राज्यों में लू चलने की संख्या पिछले डेढ़ दशक में सबसे ज्यादा थी।

– जीवीएस शास्त्री, रांची

ट्वीट

मैं आज तक कपड़ा के उद्योग में शीर्ष पर किसी ओबीसी से नहीं मिला। ये बताया विक्की ने, एक युवा जिसने अपने हुनर के दम पर इस क्षेत्र में अपना व्यापार बनाया है। उनकी फैक्ट्री के कारीगर 12-12 घंटे तपस्या करते हैं, सुई धागे से जादू बुनते हैं - मगर हाल वही, हुनर की कदर नहीं!

बाकी उद्योगों की तरह ही कपड़ा और फैशन क्षेत्र में भी बहुजनों के पास न तो प्रतिनिधित्व है, न इसकी शिक्षा तक पहुंच, और न ही नेटवर्क में जगह।

दुनिया को भारतीय युवाओं का असली हुनर दिखे - ये पता चले कि काबिल और मेहनती होते हुए भी ये युवा उपेक्षा और अन्याय के चक्रव्यूह में फंसे अभिमन्यु हैं।

– राहुल गांधी, सांसद

गांवों में आज भी मजबूत है सामाजिक रिश्तों की डोर

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

समाज

नाबार्ड की जारी रिपोर्ट से जहां संतोष होता है कि ग्रामीण क्षेत्रों में संस्थागत ऋण प्रवाह का दायरा बढ़ा है, वहीं यह चिंता की बात है कि जरूरत के समय गैर संस्थागत स्त्रोतों से कर्ज लेने वाले ग्रामीणों में करीब साढ़े सात फीसदी लोगों को 50 फीसदी से भी अधिक ब्याज दर से कर्ज चुकाना पड़ रहा है। इससे साफ है कि एक बार गैर संस्थागत स्त्रोत से कर्जदार बने तो फिर कर्ज के मकड़जाल से निकलना असंभव नहीं तो बहुत मुश्किल जरूर है।

नाबार्ड की रिपोर्ट को आधार मानकर चलें तो पिछले साल सितंबर में जुटाये गए आंकड़ों के अनुसार 17.6 फीसदी लोग अपनी तात्कालिक आर्थिक जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्त्रोतों पर निर्भर हैं। हालांकि इसमें करीब साढ़े तीन फीसदी का सुधार है। पहले 21.1 प्रतिशत ग्रामीण अपनी ऋण जरूरतों को पूरा करने के लिए गैर संस्थागत स्त्रोतों पर निर्भर थे। हमारी ग्रामीण संस्कृति की इस खूबी की सराहना करनी पड़ेगी कि आज भी 31.7 प्रतिशत रिश्तेदार या परिचित ऐसे हैं जो दुःख-दर्द में भागीदार बनते हैं और ऐसे समय में उपलब्ध कराये गये धन पर किसी तरह का ब्याज नहीं लेते। रिश्तेदारों या परिचितों से इस तरह की धन की आवश्यकता कुछ समय के लिए ही होती है और समय पर लौटा दिया जाता है। यह तथ्य भी नाबार्ड द्वारा जारी रिपोर्ट से ही उभर कर आया है।

चाहे ग्रामीण हों या शहरी ऐसी आवश्यकताएं आ ही जाती हैं, जिनके लिए तत्काल धन की जरूरत होती है। अन्य कोई सहारा नहीं देखकर व्यक्ति इन आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए रिश्तेदार, परिचित, साहूकार, दोस्त, कमीशन एजेंट या रुपये उधार देने वाले लोगों के सामने हाथ पसारते हैं। अब इनमें से बहुत बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो व्यक्ति की मजबूरी का फायदा उठाने में किसी तरह का गुरेज नहीं करते और मजबूरी का फायदा उठाते हुए 50 से 60 प्रतिशत तक ब्याज लेने में भी हिचकिचाहट नहीं दिखाते। रिपोर्ट के अनुसार ऋण लेने वाले करीब 40 फीसदी ग्रामीणों को 15 प्रतिशत से 60 प्रतिशत तक का ब्याज देना पड़ता है। 0.9 प्रतिशत को 60 प्रतिशत या 6.6 फीसदी को 50 प्रतिशत से अधिक की ब्याज दर पर ऋण को चुकाना पड़ता है। साफ है कि आजादी के 75 साल बाद भी सूदखोरों का बोलबाला बना हुआ है। संस्थागत ऋणों में भी यदि हम पर्सनल लोन की बात करें तो वह भी करीब 15 से 20 प्रतिशत पर बैठता है और यदि किसी कारण से कोई किस्त बकाया रह गई तो पेनल्टी दर पेनल्टी का सिलसिला काफी गंभीर व कर्ज के मकड़जाल में फंसाने वाला हो जाता है।

एक बात और, शहरों और ग्रामीण इलाकों में कुछ लोगों या संस्थाओं द्वारा दैनिक आधार पर पैसा कलेक्शन करने और दैनिक आधार पर ऋण देने का कार्य किया जाता है।

इस तरह के लोगों या संस्थाओं द्वारा भले दैनिक आधार पर दस रुपये के ग्यारह रुपये शाम को देना आसान लगता हो पर इस किस्त का चूकना और मासिक आधार पर गणना की जाये तो यह बहुत मंहगा होने के साथ जरूरतमंद लोगों की मजबूरी का फायदा उठाने से कम नहीं है। रोजमर्रा का काम करने वाले वेण्डर्स इस तरह की श्रेणी में आते हैं। कहने को चाहे 40 प्रतिशत ही हो पर इनके द्वारा 20 प्रतिशत से 60 प्रतिशत की ब्याजदर से ब्याज राशि वसूलना किसी भी तरह से सभ्य समाज के लिए उचित नहीं कहा जा सकता।

देश में संस्थागत ऋण उपलब्धता बढ़ी है पर ताजा रिपोर्ट के अनुसार 17.6 प्रतिशत ग्रामीणों का साहूकारों या अन्य स्त्रोतों पर निर्भर रहना उचित नहीं माना जा सकता। यदि ब्याज दर 20, 30, 40 या 50 प्रतिशत होगी तो प्रेमचंद के गोदान या इसी तरह की साहूकारी व्यवस्था व आज की व्यवस्था में क्या अंतर रह जाएगा। इतना जरूर है कि रिश्तों की डोर आज भी मजबूत है और इसकी पुष्टि नाबार्ड की रिपोर्ट करती है कि ग्रामीण क्षेत्र में 31.7 प्रतिशत कर्जदार रिश्तेदारों और परिचितों पर निर्भर हैं।

ये लोग रिश्तों का लिहाज करते हुए जरूरत के समय एक-दूसरे का आर्थिक सहयोग करते हैं और बदले में किसी तरह का ब्याज नहीं लेते। आने वाले समय में भी हमें रिश्तों की इस डोर को मजबूत बनाये रखना होगा और सरकार को आगे आकर एक सीमा से अधिक ब्याज वसूलने वालों पर सख्ती दिखानी होगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिख रहा है मध्य प्रदेश

के.के.जोशी

सामयिक

मध्य प्रदेश देश के हृदय स्थल में बसा एक ऐसा राज्य है जिसने महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में आज पूरे देश में नई मिसाल कायम कर रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के कुशल नेतृत्व में मध्य प्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों को महिला सशक्तिकरण का एक सशक्त माध्यम बनाया है। स्व-सहायता समूह न केवल ग्रामीण और शहरी महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बना रहे हैं, बल्कि सामाजिक स्तर पर भी उनकी स्थिति को सुदृढ़ कर रहे हैं। पिछले कुछ समय में मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में महिला सशक्तिकरण की दिशा में मध्यप्रदेश ने कई उपलब्धियों को हासिल किया है। सरकार की अनेक नीतियां और योजनाएं महिलाओं के उत्थान में सहायक सिद्ध हो रही हैं।

मध्य प्रदेश में स्व-सहायता समूहों को ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जा रहा है। वर्तमान में, राज्य में 5 लाख से अधिक स्व-सहायता समूह सक्रिय हैं, जिनमें लगभग 62 लाख महिलाएं जुड़ी हैं। ये समूह महिलाओं को आर्थिक स्वतंत्रता, कौशल विकास, और सामुदायिक नेतृत्व के अवसर प्रदान कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का मानना है कि स्व-सहायता समूह न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का साधन हैं, बल्कि सामाजिक बदलाव का भी एक जन-आंदोलन है। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से महिलाओं के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं जिनका प्रभाव राज्य के हर कोने में महसूस किया जा सकता है। मुख्यमंत्री उद्यम शक्ति योजना ने हजारों महिला समूहों को कम ब्याज पर ऋण दिलाकर उनके छोटे-छोटे व्यवसायों को सहारा दिया है। अब महिलाएं न सिर्फ घर चला रही हैं, बल्कि दूसरों को भी रोजगार दे रही हैं। अब तक 30 हजार 264 महिला समूहों और 12 हजार 685 महिला उद्यमियों को 2 प्रतिशत ब्याज अनुदान के रूप में 648.67 लाख की राशि वितरित की जा चुकी है।

लाड़ली बहना योजना के तहत हर महीने 1.27 करोड़ बहनों के खाते में 1551.86 करोड़ रुपए की आर्थिक सहायता उनके खातों में पहुंच रही है। इससे न केवल आर्थिक रूप से महिलाओं की स्थिति बेहतर हो रही है बल्कि महिलाएं डिजिटल युग की सहभागी भी बन रही हैं। इस योजना में 1.27 करोड़ महिलाओं को अब तक 35,329 करोड़ रुपये से अधिक की राशि प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, 25 लाख महिलाओं को 450 रुपये में गैस सिलेंडर रीफिलिंग के लिए 882 करोड़ रुपये से अधिक की सहायता दी गई है। यह योजना महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के साथ-साथ उनके परिवारों में बचत को प्रोत्साहित कर रही है।

मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना में वर्ष 2024-25 में 2 लाख 73 हजार 605 बालिकाओं का पंजीकरण हुआ और लगभग 223 करोड़ रुपए से अधिक की छात्रवृत्ति यूनि-पे के जरिए वितरित की गई। अब तक कुल 50 लाख 41 हजार 810 बेटियां इस योजना का हिस्सा हैं। वहीं, राज्य सरकार द्वारा नारी शक्ति मिशन के तहत जिला, परियोजना और ग्राम स्तर पर 100 दिवसीय जागरूकता ₹हम होंगे कामयाब अभियान₹ चलाया गया। इसमें प्रदेश में जेंडर संवादों, घरेलू हिंसा, बाल विवाह, सायबर सुरक्षा, कार्यस्थल पर उत्पीड़न और डिजिटल साक्षरता कार्यक्रमों की महिलाओं को न केवल जानकारी दी गई, बल्कि उन्हें अपने अधिकारों के लिए खड़ा होना भी सिखाया गया। मध्यप्रदेश सरकार ने स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 1 लाख से अधिक महिलाओं को 'लखपति दीदी' बनाया है। सरकार का लक्ष्य 5 लाख स्व-सहायता समूहों के माध्यम से 62 लाख महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना है। यह पहल ग्रामीण महिलाओं को उद्यमिता और आर्थिक स्वावलंबन की दिशा में प्रेरित कर रही है।

नीलगिरी पैसेंजरजो अपने रमणीक और दुर्गम पर्वतीय क्षेत्रों से गुजरने के कारण लोकप्रिय है। निश्चित तौर पर यह देशके उन चुनिंदा पर्यटन स्थलों में है जो देश-विदेश के पर्यटकों को लुभाता है। सौजन्यः अजय सानी

कार्टून वर्ल्ड

स्पीड न्यूज

डीएवी स्कूल का स्थापना दिवस मना

रजरप्पा। रजरप्पा डीएवी पब्लिक स्कूल ने रविवार को 139वां स्थापना दिवस मनाया। प्राचार्य डॉ. एसके शर्मा, शिक्षकों व विद्यार्थियों ने महात्मा हंसराज के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित किया। प्रचार्य ने बताया कि किस प्रकार दयानंद एंग्लो वैदिक संस्थान की स्थापना हुई और कैसे यह संस्था समय के साथ देशभर में शिक्षा और संस्कृति के क्षेत्र में अपने उच्च आदर्शों के साथ उन्नति करती रही। श्री शर्मा ने सभी को डीएवी संस्था की स्थापना दिवस पर शुभकामना देते हुए डीएवी के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने समस्त स्टाफ सदस्यों को कार्य के प्रति ईमानदारी बरतने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि 1 जून 1886 में लाहौर में प्रथम डीएवी कॉलेज की स्थापना की गई थी जिसके प्रथम प्रधानाचार्य महात्मा हंसराज थे। डीएवी की स्थापना सभ्य समाज के निर्माण के उद्देश्य से की गई थी।

विधायक ने छिन्नमस्तिके मंदिर में की पूजा

रजरप्पा। बड़कागांव के विधायक रोशन लाल चौधरी ने रविवार को मां छिन्नमस्तिके की पूजा-अर्चना कर, आशीर्वाद लिया। उसके बाद नारियल बलि देकर पंडित असीम पंडा द्वारा रक्षा सूत्र भी बंधवाया। उन्होंने बड़कागांव विधानसभा क्षेत्र की जनता की समृद्धि, विकास और खुशहाली के लिए माता से प्रार्थना की और उनका आशीर्वाद लिया। पूजा करने के क्रम में ईचागढ़ की विधायक सविता महतो से भेंट हुई और उनके हालचाल जाने। बताते चले कि सविता महतो सपरिवार पूजा अर्चना करने के लिए रजरप्पा पहुंची थीं. इस दौरान दोनों विधायक के कई कार्यकर्त्ता मौजूद थे।

सेवा मंच ने गरीबों को कराया भोजन

भुरकुंडा (रामगढ़)। राष्ट्रीय सेवा ने इस रविवार को भी साप्ताहिक हाट भुरकुंडा में ग्रामीण क्षेत्रों से दातुन-पत्तल बेचने आने वाले गरीबों के बीच भोजन का वितरण किया। इस दौरान मंच के अध्यक्ष डब्लू सिंह और सदस्यों ने सैंकड़ों गरीब-जरूरतमंद महिला-पुरूष और बच्चों के बीच पुरी-सब्जी का वितरण किया। डब्लू सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा सबसे बड़ा पूण्य कार्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। उन्होंने बताया कि जन सहयोग के माध्यम से पिछले 9 वर्षो से मंच द्वारा गरीबो को भोजन कराया जाता रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। अध्यक्ष श्री सिंह ने कहा कि गरीबों की सेवा ही मंच उद्देश्य है। ऐसे नेक कार्यों में सबों को तन-मन-धन से सहयोग करना चाहिए। कार्यक्रम को सफल बनाने में उमाशंकर जायसवाल, प्रो. रामानुज सिंह, लालू उरांव, विजय राम, लखन राम, कारू यादव, सुरज शर्मा, गौतम अग्राल, सुकरा करमाली, मो. शाहिद आदि का विशेष योगदान रहा।

अग्रसेन डीएवी में संडे ऑन साइकिल

कुजू। अग्रसेन डीएवी पब्लिक स्कूल भरेचनगर रामगढ़ के तत्वावधान में रविवार को फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल फाइट अगेंस्ट ओबेसिटी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। फिट इंडिया के कार्यक्रम संडे ऑन साइकिल फाइट अगेंस्ट ओबेसिटीश के तहत विद्यालय प्रबंधन द्वारा स्कूली बच्चों के लिए एक साइक्लोथोन का आयोजन किया गया। उक्त साइक्लोथोन भरेचनगर स्थित अग्रसेन डीएवी पब्लिक स्कूल के प्रांगण से शुरू होकर रामाग्लास स्थित सीएन कॉलेज गेट से होते हुए वापस विद्यालय परिसर तक आकर समाप्त हुआ। साइक्लोथोन का आयोजन विद्यालय के प्राचार्य निशिकांत कर के निदेर्शानुसार किया गया। जिसका शुभारंभ विद्यालय की एकेडमिक हेड मौसमी बनर्जी ने बच्चों को हरी झंडी दिखा कर किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एकेडमी हेड मौसमी बनर्जी ने कहा कि फिट इंडिया, सीबीएसई, डीएवी सीएमसी, साई, विभिन्न खेल संघों तथा भारत सरकार के द्वारा उठाए जा रहे इस प्रकार के पहल काफी सराहनीय हैं। इस तरह के कार्यक्रमों के आयोजन से हर समुदाय के लोगों के स्वास्थ्य में सुधार होने के साथ - साथ शारीरिक व मानसिक विकास भी संभव हो पाएगा। उक्त कार्यक्रम में विद्यालय के खेल शिक्षक सुमित कुमार,कला शिक्षक नीरज कुमार पाठक, छात्रगण व शिक्षकेतर कर्मियों ने भी बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

गौतम बुद्ध प्रशिक्षण कॉलेज में शिक्षक उन्मुखीकरण संपन्न

▸▸ कई राज्यों के शोधार्थियों और शिक्षाविदों ने आनलाइन फैकल्टी प्रोग्राम ली जानकारी

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की ओर से सात दिवसीय शिक्षक उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न हो गया। इस आनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम से देशभर दिल्ली, महाराष्ट्र, केरल, पंजाब, गुजरात, बिहार, झारखंड, ओडिशा, उत्तर प्रदेश समेत विभिन्न राज्यों के शोधार्थी और शिक्षाविद् यथा-शिक्षक, प्राचार्य, सहायक प्राध्यापक आदि जुड़े। 26 से 31 मई शाम 7.00 से 9.00 बजे तक आयोजित आनलाइन फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम के तहत एनईपी 2020 के आलोक में भारतीय अध्यापक शिक्षा का उभरता परिप्रेक्ष्य विषय पर सभी को प्रशिक्षण दिया गया। अंतिम दिन रेखा चौहान, असिस्टेंट प्रोफेसर डिपार्टमेंट आफ एजुकेशन एसएनडीटी वूमंस यूनिवर्सिटी मुंबई ने विषय से संबंधित जानकारी साझा की। इससे पहले 29 मई को एडवांस टेक्नो-पेडागोगी फॉर इंडियन टीचर एजुकेशन इन द लाइट आफ एनसीपी 2020 पर डॉ संदीप पाटिल, असिस्टेंट प्रोफेसर, डिपार्टमेंट आफ एजुकेशन, महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय वर्धा, महाराष्ट्र ने अपनी बात रखी। 30 मई को असेस्मेंट इन लाइन विद् एनईपी 2020 पर डॉ गणेश चवन, प्राचार्य, एसएनडीटी कॉलेज आफ होम साइंस, एसएनडीटी वूमंस यूनिवर्सिटी पुणे ने अपने विचार रखे। पहले दिन शिक्षा

में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के उपयोग पर डॉ अनमोल उबाले असिस्टेंट प्रोफेसर पीवीडीटी कालेज आफ एजुकेशन मुंबई बारीकी से अपनी बात रखी। वहीं दूसरे दिन डॉ सुरेंद्र हेरकाल, प्राचार्य, गोखले एजुकेशन सोसाइटीज कालेज आफ एजुकेशन एंड रिसर्च पारेल मुंबई ने विषय के बारे में समझाया। तीसरे दिन इमपावरिंगटीचर एजुकेशंस फॉर द डिजिटल एज ब्लेंडेड मोड आफ टीचिंग एंड लर्निंग टॉपिक पर डॉ प्रगट सिंह खर्चा, प्राचार्य जीएचजी खालसा कालेज आफ एजुकेशन, लुधियाना ने विस्तार से जानकारी साझा की। विषय प्रवेश समेत पूरे कार्यक्रम की ओवरआल मॉनिटरिंग गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय की सह आयोजन सचिव प्राचार्य मंच डॉ वसुंधरा कुमारी ने किया। मंच संचालन प्रोग्राम को-ऑर्डिनेटर कुमारी अंजलि और धन्यवाद ज्ञापन आईक्यूएसई के को-आर्डिनेटर डॉ अनुरंजन कुमार ने किया। प्रोग्राम के मुख्य संरक्षक महाविद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष मनोज कुमार और सचिव मिथिलेश मिश्र संरक्षक थे।

इचाक प्रखंड में दर्जनों गांव बना नशे का गढ़

▸▸ 3500 युवा तबाही की राह पर अगर अब नहीं जगे, तो नस्लें तबाह हो जायेंगी : गौतम कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

इचाक। गांव की गलियों में अब बच्चों की हँसी नहीं, सन्नाटे में बूटों की आहट है। इचाक प्रखंड का लगभग दर्जनों गांव सफेद जहर की गिरफ्त में कराह रहा है और पूरा प्रशासन तमाशबीन।

ड्रग्स का कहर अब सिर्फ शहरों की कहानी नहीं रही, इचाक जैसे ग्रामीण इलाके भी अब इसके चपेट में हैं। झारखंड के हजारीबाग ज़िले का ये इलाका आज ज़िंदा लाशों की बस्ती बन चुका है। नशे के जाल में उलझे लगभग 3500 युवा, जिनका ना कोई भविष्य बचा है, ना ही आत्मा। चपरख,हदारी, बारीयठ, गुंजा, सिझुआ, दांगी, डुमरौन, बरका कला, बरका खुर्द, रतनपुर, जोगीडीह, मगूरा, करियातपुर, जमुआरी, असिया, अलोंजा कला, अलोंजा खुर्द व बोंगा गांव में हालात सबसे भयावह हैं। एक वक़्त जो खेतों में हल चलाने वाले हाथ थे, वो अब सिरिंज और पाउडर के पीछे भागते हैं। नशे के आदी युवा माँ-बाप को पीटते हैं, बहनों को डराते हैं, और पड़ोसियों के लिए आतंक बन गए हैं। परिजन बेहाल हैं, कई तो अपने ही बच्चों को जेल भिजवाने की अजी देना चाहते हैं। नशा मुक्ति केंद्रों की महंगी फीस उनके लिए अगली मुसीबत है। समाज का ढांचा दरक रहा है, कई घरों से जेवर बिक चुके, बहनों की शादी रुक चुकी है लेकिन नशेड़ियों को इन सबसे कोई लेना देना नहीं है। इधर ड्रग्स का धंधा फल-फूल रहा है। एक सप्लायर ने इचाक मोड में आलीशान कोठी खड़ी कर ली है है, जिसकी दीवारें युवाओं की बर्बादी से गाढ़ी हुई कमाई से बनी हैं। आदर्श युवा संगठन के अध्यक्ष व समाजसेवी गौतम कुमार ने कहाकि अगर अब नहीं जगे, तो नस्लें तबाह हो जाएंगी। गांव नहीं बचेगा, संस्कृति नहीं बचेगी।इचाक क्षेत्र मे 100 से ज्यादा पेडलर सक्रिय है. प्रत्येक माह चार से पांच करोड़ का कारोबार हो रहा.इस धंधे मे कई सफेद पोश व खाकी वर्दी संलिप्त है.उन्होंने युवाओं से आह्वान किया है कि अब नारे नहीं, आंदोलन चाहिए। ये लड़ाई नशे से नहीं, पूरी व्यवस्था से है। समय कम है। या तो सड़कों पर उतरिए, या फिर अपने

बच्चों को कब्र तक जाने दीजिए। ये गंदा है, पर अब धंधा नहीं, कत्लगाह बन चुका है।

युवक ने आत्महत्या करने की कोशिश की

खबर मन्त्र संवाददाता

बरही। थाना क्षेत्र के नईटांड़ गांव निवासी दशरथ चंद्रवंशी के 32 वर्षीय पुत्र संदीप कुमार चंद्रवंशी ने रविवार की फांसी लगाकर आत्महत्या करने की कोशिश की। मिली जानकारी के अनुसार संदीप कुमार चंद्रवंशी ने घरेलू विवाद के कारण फांसी लगा ली। इसकी जानकारी जैसे ही परिजनों को मिली, उन्होंने बरही पुलिस की मदद से उसे बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

चौपारण में महिला ने पीया फिनाइल

बरही। चौपारण थाना क्षेत्र के टोया गांव निवासी मिथलेश रजक की 28 वर्षीय पत्नी ने रविवार को घरेलू विवाद के बाद फिनाइल पी लिया। इसकी जानकारी परिजनों को मिलते ही उसे बरही अनुमंडलीय अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए सदर अस्पताल हजारीबाग रेफर कर दिया गया।

जेएम कॉलेज के अभिनव कुमार ने इंटर कॉमर्स में लाया 415 अंक

भुरकुंडा (रामगढ़)। सचिन शर्मा और मिनाक्षी शर्मा के पुत्र सह जेएम कॉलेज भुरकुंडा के छात्र अभिनव कुमार ने इंटरमीडिएट कॉमर्स की परीक्षा में 415 अंक प्राप्त अपने माता-पिता, कॉलेज सहित पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। अभिनव की इस सफलता पर उनके चाचा सह सुंदरनगर भुरकुंडा निवासी एसवीएम पब्लिक स्कूल के निदेशक आरके शर्मा और चाची इंदु शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है। अभिनव के चचेरे भाई प्रेम कुमार उर्फ हर्ष शर्मा ने बताया कि वह अपने माता-पिता के साथ दिल्ली में रह रह है। अभिनव के बेहतर अंक से पास होने पर पूरे शर्मा परिवार में हर्ष का माहौल है।

इंटर कॉमर्स में रामगढ़ जिले के सेकेंड टॉपर बनने पर ज्योति को मिठाई खिलाती मां।

इंटर कॉमर्स में रामगढ़ जिले के थर्ड टॉपर बनने पर मानसी को मिठाई खिलाते परिजन।

इंटर कॉमर्स में जेएम कॉलेज का उत्कृष्ट प्रदर्शन

ज्योति बनी रामगढ़ जिला में सेकंड टॉपर और मानसी को तीसरा स्थान

खबर मन्त्र संवाददाता

भुरकुंडा (रामगढ़)। जेएम कॉलेज भुरकुंडा के विद्यार्थियों ने इंटरमीडिएट कॉमर्स 2025 की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने माता-पिता, कॉलेज व क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कॉलेज की ज्योति कुमारी 436 अंक प्राप्त कर रामगढ़ जिला में द्वितीय और कॉलेज की टॉपर छात्रा बनी है। वहीं मानसी कुमारी 432 अंक प्राप्त कर रामगढ़ जिला में तृतीय और कॉलेज की सेकंड टॉपर छात्रा बनने का गौरव पाई है। जबकि मानसी कुमारी 426 अंक प्राप्त कर कॉलेज की थर्ड टॉपर छात्रा बनी है। वहीं अभिनव कुमार 415, सुहानी कुमारी 391, स्वर्ण प्रिया 390, निखत आफरीन 379, दीपक भुंइया 367, कुमकुम कुमारी 367 और सलीना परवीन 365 अंक प्राप्त कर कॉलेज के टॉप टेन की सूची में जगह बनाई है। विद्यार्थियों की इस सफलता महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी है।

वहीं रामगढ़ इंटर महिला महाविद्यालय रामगढ़ के विज्ञान एवं वाणिज्य संकाय इंटर की छात्राओं के इंटर का परीक्षाफल शत प्रतिशत रहा। छात्राओं की सफलता पर महाविद्यालय के प्रभारी प्रचार्य डॉ कंचनमाला एवं व्याख्याता गण द्वारा उत्कृष्ट अंकों के साथ सफल हुए छात्राओं को हार्दिक बधाई दी। प्राचार्य ने कहा कि महाविद्यालय का परीक्षा फल निश्चित रूप से उत्कृष्ट है । वाणिज्य में 17 छात्राओं ने प्रथम एवं 04 छात्राओं ने द्वितीय श्रेणी से उत्तीण किया है। यद्यपि विज्ञान संकाय में कुल 68 छात्राओं में से 51 छात्राओं ने सफलता हासिल की है । जिसमें 33 छात्राओं ने प्रथम श्रेणी से 18 छात्राओं ने द्वितीय श्रेणी से सफलता पाई है । महाविद्यालय में प्रथम स्थान वाणिज्य संकाय में कशिश प्रवीण 363 ,डोली कुमारी 361, बेबी उपाध्याय 357, नसरीन नाज 353 ,रोशनी सोनकर 346 ,डिंपल कुमारी 342, मोनिका कुमारी 335 ,नेहा कुमारी 332 ,सानिया एवं नुसरत प्रवीण 331 अंकों के साथ उत्तीर्ण हुई हैं। विज्ञान संकाय में खुशी कुमारी 395 ,कुमारी संस्कृति 391, सानिया कशिश 389, कासिया नूरी 375, आस्था नारायण 375 ,स्नेहा कुमारी 367 ,सिया कुमारी 364, किरण कुमारी 360, खोमाश्री चक्रवर्ती 351, मनीषा कुमारी 349 अंकों के साथ बेहतरीन प्रदर्शन किया है ।शिक्षक के शिक्षकेतर कर्मचारियों ने महाविद्यालय के सफल

रामगढ़ महिला कॉलेज के सभी छात्राएं हुयीं पास

विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि इसी तरह से जीवन में सफलता को हासिल करते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

बधाई देने वालों में डॉ कंचनमाला, डॉ संजय सिंह ,प्रो कांता मित्रा ,प्रो प्रणीत कुमार ,डॉ एसके सिन्हा प्रो राजेश प्रसाद ,डॉ श्वेता कश्यप, प्रो संयोगिता देवी, प्रो शहजादी खातून, प्रो पूर्णकांत कुमार , डॉ रागिनी कुमारी , डॉ०शमीमा प्रवीण ,प्रो ललिता देवी , प्रो प्रीति झा ,प्रो प्रेमिना सहाय ,कृष्णा प्रसाद सोनी, राजेश कुमार, मोहसिन कमाल, प्रभास प्रताप राठौर , रोहित वर्मा ,संगीता कुमारी ,दीपक नायक ,लखन लाल महतो, रंजीत माथुर ,तैयब राही , गोपाल राम, आनंद करमाली ,सानू देवी, किंतु देवी आदि शामिल हैं।

एक नजर में

आरएसएस पथ संचलन में दिखा देशभक्ति

हजारीबाग । राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) का प्रथम वर्ष प्रशिक्षण शिविर हजारीबाग के विद्या मंदिर कुम्हारटोली में आयोजित है, जिसके तहत रविवार को शहर में पथ संचलन निकाला गया। संचलन की शुरूआत आनंदा कॉलेज से हुई और समापन कुम्हारटोली में हुआ। इस दौरान 400 प्रशिक्षु स्वयंसेवकों ने पूर्ण गणवेश में भाग लिया और अनुशासन व प्रशिक्षण का अद्भुत प्रदर्शन किया। संचलन कचहरी चौक, झंडा चौक, बड़ा अखाड़ा चौक, बंशीलाल चौक समेत प्रमुख मार्गों से गुजरा। स्वयंसेवकों के बैंड और भारतभक्ति के गीतों ने माहौल राष्ट्रमय कर दिया। ॠसंगठन गढ़े चलो, सुपंथ पर बढ़े चलोॠ जैसे गीतों ने लोगों को भावविभोर कर दिया। पथ संचलन के दौरान जगह-जगह पुष्पवर्षा और आरती कर स्वयंसेवकों का स्वागत किया गया। छतों से महिलाओं द्वारा पुष्पवर्षा और सड़कों पर आरती करते नागरिकों की सहभागिता ने आयोजन को और गरिमामय बना दिया। जिला कार्यवाह मुकेश कुमार ने बताया कि झारखंड प्रांत का यह प्रशिक्षण शिविर 25 मई से 8 जून तक आयोजित है। आरएसएस के चार स्तरों के प्रशिक्षण होते हैं झ प्राथमिक (7 दिन), प्रथम (15 दिन), द्वितीय (20 दिन) और तृतीय (30 दिन, नागपुर में)। इस अवसर पर प्रांत सह प्रचारक राजीव, डॉ. अमरदीप यादव, मनमीत अकेला, ऋषभ सहाय, आशुतोष समेत कई पदाधिकारी उपस्थित रहे। संघ इस वर्ष अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है, जिसकी कड़ी में यह आयोजन विशेष महत्व रखता है।

१ है पी १ : पथ संचलन में शामिल कार्यकर्ता

चौपारण के रौशन का थाईलैंड के लिए चयन

चौपारण। चौपारण प्रखंड के ग्राम दैहर निवासी रौशन राज ने शिक्षा के क्षेत्र में एक बार फिर बड़ा मुकाम हासिल किया है। वर्ष 2022 में जिला टॉपर रहे रौशन वर्तमान में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक की पढ़ाई कर रहे हैं और हाल ही में ज्वाइंट एडमिशन टेस्ट फॉर मास्टर्स परीक्षा उत्तीर्ण की है। अब रौशन का चयन भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा एशियाई साइंस कैंप 2025 में भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए हुआ है। यह शिविर 31 जुलाई से 6 अगस्त तक सुरनारी यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी, नाखोन रत्चासीमा, थाईलैंड में आयोजित होगा। देशभर से इस प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय विज्ञान शिविर में भाग लेने के लिए मात्र 20 मेधावी छात्रों का चयन किया गया है, जिनमें से एक रौशन राज हैं। उनका चयन हजारीबाग ही नहीं, पूरे झारखंड के लिए गौरव की बात है। इस कैंप का उद्देश्य एशिया के होनहार विद्यार्थियों को विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिकों—जिनमें नोबेल पुरस्कार विजेता भी शामिल होंगे—के साथ विचार-विमर्श और संवाद का अवसर देना है। यह शिविर विज्ञान में रुचि रखने वाले युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत मंच माना जाता है। रौशन की अंतरराष्ट्रीय यात्रा, देश के अंदर आवाजाही, वीजा शुल्क एवं चिकित्सा बीमा की व्यवस्था भारत सरकार द्वारा की जाएगी, जबकि थाईलैंड में रहने और स्थानीय खर्चों का वहन आयोजक संस्थान करेगा। रौशन के पिता बीरेंद्र कुमार और चाचा नागेन्द्र कुमार ने बताया कि रौशन प्रारंभ से ही पढ़ाई में अव्वल रहा है। उसका चयन पूरे गांव, प्रखंड और जिले के लिए गर्व की बात है। हम उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हैं और सभी से आशीर्वाद की अपेक्षा करते हैं। रौशन की यह उपलब्धि निश्चित रूप से चौपारण प्रखंड ही नहीं, बल्कि पूरे झारखंड के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

केजीबीभी की छात्राओं ने इंटर में लहराया परचम

चरही। इंटर में केजीबीभी सीएम एसओइ चुरचू की छात्राओं ने अभूतपूर्व सफलता हासिल कर विद्यालय का नाम रोशन कर दिया। कुल 52 छात्राओं ने इस प्रतिष्ठित परीक्षा में हिस्सा लिया, जिनमें से 44 छात्राएं प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण हुईं, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। विद्यालय की होनहार छात्रा कविता कुमारी ने 85 .8प्रतिशत अंक लाकर टॉप किया, वहीं रिंकू कुमारी ने 83प्रतिशत अंक अर्जित कर दूसरा स्थान हासिल किया। मोनिका कुमारी ने 77 .4प्रतिशत अंकों के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया। दो छात्राओं ने 80प्रतिशत से अधिक अंक हासिल किए, जबकि 15 छात्राओं ने 70प्रतिशत से ऊपर अंक लाकर प्रथम श्रेणी से सफलता प्राप्त की। इस उपलब्धि पर विद्यालय की वार्डन श्रीमती सीमा हीरो ने सभी सफल छात्राओं को हार्दिक बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने इस शानदार प्रदर्शन के लिए विद्यालय के शिक्षकों का भी धन्यवाद किया और कहा कि यह सफलता छात्रों की मेहनत, शिक्षकों की निष्ठा और विद्यालय के सकारात्मक वातावरण का नतीजा है। यह परिणाम यह सिद्ध करता है कि ग्रामीण परिवेश की बेटियाँ अगर सही मार्गदर्शन और अवसर पाएँ तो किसी भी मुकाम को हासिल कर सकती हैं।

दारू में जातिसूचक शब्द बोलने को लेकर दो महिलाओं ने थाने में दिया आवेदन

दारू। अनुसूचित जाति व एक अनुसूचित जनजाति की दो महिला को जातिसूचक शब्द व गाली गलौज देने से मानसिक रूप से क्षुब्ध दारु थानाक्षेत्र अंतर्गत पुनाई पंचायत के जरगा गांव के दो महिला ने रविवार को थाना में आवेदन दिया है। थाना में आवेदन देने वाली जागनी देवी व सुमन बिरहोरनी ने अपने साथ पंचायत के मुखिया अनिल देव सहित सैकड़ों महिला पुरुष के साथ आई हुई थी। जागनी देवी ने अपने आवेदन में कहा है कि हमारे गावँ में ने आरईओ विभाग के द्वारा जरगा से झरपो तक कालीकरण व पीसीसी का कार्य किया जा रहा है ।जिसे देखने के लिए मैं अपने गावँ के मोसोमात रीना, विमल देवी,ललिता देवी, सबिता देवी के साथ जा रही थी। इसी दौरान हमारे गावँ के अशोक प्रसाद पिता स्व मलेश्वर महतो, संजू देवी पति अशोक प्रसाद,पुष्पा देवी पति संतोष प्रसाद, संतोष प्रसाद पिता गणेश प्रसाद, मालती देवी पति गणेश प्रसाद, रविन्द्र प्रसाद,गणेश प्रसाद पिता मलेश्वर महतो ने सभी एक साथ मिलकर कहने लगे कि यहां क्या देखने आए हो ।

इनलोगों के बात सुनकर मैं बोली कि सरकारी जमीन पर बाउंड्री दिए है वही देखने आए है ।इसके बाद इनलोगों गाली गलौज व जातिसूचक शब्द दुसाद कहकर गाली गलौज करने लगे। साथ ही यहां से भाग जाओ छोटी जाति के भूत डायन वाले होते है। इतना सुनते ही हमलोग वहां से अपने घर वापस आने लगे तो पीछे से ईंट व पत्थर चलाने लगे। वहीं थानांप्रभारी सफीक खान ने कहा कि जरगा की दो महिला के द्वारा आवेदन दिया गया है। जो एक अनुसूचित जाति व एक अनुसूचित जनजाति से है। जांच के पश्चात मामला दर्ज किया जाएगा।

झारखंड जहां कोयले के भंडार भरे पड़े हैं, वो झारखंड जब सौर ऊर्जा के लिये जाता है, तब दुनिया के लिये एक नई मिसाल पैदा करता है, एक नया संदेश देता है। उस अर्थ में न सिर्फ हिन्दुस्तान पूरी दुनिया इस बात को समझे कि मैं उस प्रदेश के खूंटी नाम की छोटी सी जगह से बोल रहा हूं, जिस प्रदेश की अधिक आबादी मेरे आदिवासी भाई-बहनों की है। जिन्होंने जंगलों की सदियों से रक्षा की है। जहां कोयले के भंडार पड़े हैं उस प्रदेश की जनता विश्व के मानव कल्याण के लिये, आज सौर ऊर्जा पर जाने का संकल्प कर रहा है, इस लिये मैं विशेष रूप से आया हूं, झारखंड को बधाई देने आया हूं। हमारे यहां शास्त्रों में इन विषयों पर हजारों साल पहले बहुत सी बातें कही गई हैं। ऋग्वेद में पांच हजार साल पहले महत्वपूर्ण संदेश कहा गया है। ऋग्वेद में कहा है 'सूर्य आत्मा जगतास तथुषः' कहने का तात्पर्य यह है कि भगवान सूर्य चल और अचल की आत्मा है। चल हो या अचल हो अगर उसकी कोई एक आत्मा है तो वो भगवान सूर्य है। उस सूर्य शक्ति की ओर आज विश्व का ध्यान गया है। भारत ने सपना देखा है 175 गीगा वॉट भारत में पहले जब बिजली की चर्चा होती थी तो मेगावॉट से आगे नहीं होती थी। हिसाब-किताब मेगावाट का ही होता था। पहली बार देश गीगावाट की चर्चा करने लगा है, पहली बार और जब मैं दुनिया के सामने कहता हूं कि हम 175 गीगावाट रिन्यूवल एनर्जी के अंदर हम सफलता प्राप्त करेंगे। आने वाले पांच-दस साल में हम पूरे विश्व का नेतृत्व सौर शक्ति के विकास के साथ करेंगे। यह हमारे लिए स्वर्णिम काल होगा। इस अनंत शक्ति का पूरा विश्व उपयोग करेगा जबकि हमारे पास इसकी अधिकता भी होगी और तकनीक भी।

-नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

सोलर ऊर्जा बिजली का अनंत श्रोत और भविष्य की एनर्जी

फलक फातिमा

›› सूर्य से ही संसार का संचालन देश में भी उर्जा की असीम संभावना

सौर ऊर्जा वह उर्जा है जो सीधे सूर्य से प्राप्त की जाती है। सौर ऊर्जा ही मौसम एवं जलवायु का परिवर्तन करती है। यहीं धरती पर सभी प्रकार के जीवन (पेड़-पौधे और जीव-जन्तु) का सहारा है।

भले ही सूर्य पृथ्वी से 15 करोड़ किलोमीटर दूर हो, लेकिन है बहुत शक्तिशाली उसकी ऊर्जा के बेहद न्यून हिस्से से हमारी तमाम ऊर्जा जरूरतों पूरी हो सकती है। देश के ग्रामीण इलाकों में बिजली आपूति मुहैया कराने की दिशा में यह तकनीक बेहद कारगर साबित हो सकती है , खबरों के मुताबिक, केंद्र सरकार ने हरित ऊर्जा स्त्रोतों को विकसित करने के मकसद से पांच बिलियन डॉलर के कोष की स्थापना का निर्णय लिया है, इस कार्ययोजना के तहत ऊर्जा सुरक्षा का ब्लूप्रिंट तैयार किया गया है इसके लिए पूर्व में निर्धारित मकसद को बढ़ाते हुए वर्ष 2022 तक एक लाख मेगावाट सोलर ऊर्जा की क्षमता को कायम करने का लक्ष्य रखा गया है, इसके लिए सम्बन्धित अन्य संगठनों, निगमों, संस्थाओं आदि से सहयोग लिया जायेगा।

सौर ऊर्जा से बिजली बनाने में हम भले ही चीन से 10 साल पीछे हों, लेकिन हमारे देश में मौजूदा संसाधनों से हम उस मुकाम तक पहुँच सकते हैं बिजली बनाने के जितने भी स्त्रोत हैं, उनमें सौर ऊर्जा संयंत्र को सबसे कम समय में स्थापित करते हुए उत्पादन शुरू किया जा सकता है न्यूक्लियर या थर्मल पावर प्लांट लगाने में करीब 10 वर्षों का समय लग जाती है, जबकि सोलर पावर प्रोजेक्ट्स महज एक से दो साल के भीतर तैयार हो जाता है, सनएडीशन (अमेरिका स्थित ग्लोबल सोलर ऊर्जा एनर्जी सिर्विस फर्म, जो सोलर फोटोवोल्टिक प्रोजेक्ट्स में सक्रिय है) के एशिया पेसिफिक के प्रसीडेंट और भारत में कपंनी के संचालन के मुखिया पशुपति गोपालन के हवाले से 'द हिन्दू' के एक रिपोर्ट में बताया गया है कि फिलहाल सोलर उद्योग का आरंभिक काल है और भारत में इसके लिए स्वर्णिम अवसर मौजूदा है भारत के लिए इस क्षेत्र में बेहतरीन मौका इसलिए भी है, क्योंकि दुनियाभर में पैदा की जानेवाली सोलर एनर्जी का 90 फीसदी से ज्यादा हिस्सा क्रिस्टलाइन सिलिकॉन मदद से पैदा की जाती है और हजारों कम्पनियां हिस्सा क्रिस्टलाइन सिलिकॉन का उत्पादन करती हैं, इतना ही नहीं, इसमें इस्तेमाल की जानेवाली ज्यादातर चीजों का उत्पादन देश में घरेलू स्तर पर ही होता है। पॉलिसिकॉन कच्चे तेल के शोधन के दौरान पैदा होनेवाला एक उत्पाद है, जिसका देश में ही बड़े पैमाने पर उत्पादन किया जाता है, पशुपति गोपालन के हवाले से इस रिपोर्ट में बताया गया है कि दुनियाभर में करीब ढाई लाख मिट्रिक टन पॉलिसिलिकॉन का उत्पादन होता है उम्मीद है कि वर्ष 2020 तक इसका उत्पादन दोगुना तक हो सकता है।

वैसे तो सौर उर्जा के विविध प्रकार से प्रयोग किया जाता है, किन्तु सूर्य की उर्जा को विद्युत उर्जा में बदलने को ही मुख्य रूप से सौर उर्जा के रूप में जाना जाता है। सूर्य की उर्जा को दो प्रकार से विदुत उर्जा में बदला जा सकता है। पहला प्रकाश-विद्युत सेल की सहायता से और दूसरा किसी तरल पदार्थ को सूर्य की उष्मा से गर्म करने के बाद इससे विद्युत जनित्र चलाकर।

सूर्य एक दिव्य शक्ति स्त्रोतशान्त व पर्यावरण सुहृद प्रकृति के कारण नवीकरणीय सौर ऊर्जा को लोगों ने अपनी संस्कृति व जीवन यापन के तरीके के समरूप पाया है। विज्आन व संस्कृति के एकीकरण तथा संस्कृति व प्रौद्योगिकी के उपस्करों के प्रयोग द्वारा सौर ऊर्जा भविष्य के लिए अक्षय ऊर्जा का स्त्रोत साबित होने वाली है।

सूर्य से सीधे प्राप्त होने वाली ऊर्जा में कई खास विशेषताएं हैं। जो इस स्त्रोत को आकर्षक बनाती हैं। इनमें इसका अत्यधिक विस्तारित होना, अप्रदूषणकारी होना व अक्षुण होना प्रमुख हैं। सम्पूर्ण भारतीय भूभाग पर 5000 लाख करोड़ किलोवाट घंटा प्रति वर्ग मी० के बराबर सौर ऊर्जा आती है जो कि विश्व की संपूर्ण विद्युत खपत से कई गुने अधिक है। साफ धूप वाले (बिना धुंध व बादल के) दिनों में प्रतिदिन का औसत सौर-ऊर्जा का सम्पात 4 से 7 किलोवाट घंटा प्रति वर्ग मीटर तक होता है। देश में वर्ष में लगभग 250 से 300 दिन ऐसे होते हैं जब सूर्य की रोशनी पूरे दिन भर उपलब्ध रहती है।

सौर उर्जा से नवीन ने 10 हजार किमी की दूरी तय की

भारतीय मूल के एक इंजीनियर ने सौर ऊर्जा से चलित अपने टुक-टुक से करीब 10 हजार किलोमीटर (6200 मील) का सफर पूरा किया। सात महीने का सफर पूरा करके वह को ब्रिटेन पहुंचा। भारत में जन्मे नवीन ने ऑस्ट्रेलिया की नागरिकता ले ली है, वहां वह ऑटोमोटिव इंजीनियर हैं।

नवीन रबेली

■ नवीन रबेली इस साल फरवरी में भारत निकले थे और वह इंग्लैंड के डॉवर नामक कस्बे में तय समय से पांच दिन पहले ही पहुंच गए।

■ वह कहते हैं कि फ्यूल से चलने वाली टुक-टुक को सौर ऊर्जा से चलने वाली टुक-टुक में परिर्वितत करने का ख्याल उन्हें तब आया जब वह अपने एक दोस्त

■ के साथ एक ट्रैफिक जाम में फंस गए थे और उनके चारों तरफ बड़ी संख्या मे तेज आवाज करने वाले और प्रदूषण फैलाने वाले टुक-टुक थे।

■ भारत से अपने सफर की शुरुआत करने बाद वह ईरान, तुर्क, बुल्गारिया, सिर्विया, ऑस्ट्रिया, स्विटजरलैंड, जर्मनी और फ्रांस होते हुए इंग्लैंड पहुंचे। उन्होंने दुनिया को संकेत दिया कि आने वाला समय सौर शक्ति का ही है।

सौर ऊर्जा

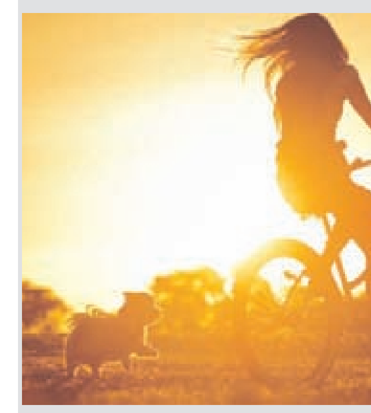

भारत में सौर ऊर्जा हेतु विभिन्न कार्यक्रमों का संचालन भारत सरकार के नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा किया जाता है। भारत की घनी आबादी और उच्च सौर आतपन सौर ऊर्जा को भारत के लिए एक आदर्श ऊर्जा स्त्रोत बनाता है। किंतु सौर ऊर्जा निरंतर खर्चीली है और इस पर भारी निवेश की जरूरत पड़ती है। सौर ऊर्जा का स्वरूप अस्थिर है जिससे इसे ग्रिड में समायोजित करना मुश्किल होता है। लोगों की जागरुकता का अभाव, उच्च उत्पादन लागत तथा वर्तमान ऊर्जा को छोड़ने की सीमाएं एवं पारेषण (ट्रांसमशिन) नेटवर्क को देशभर में सौर ऊर्जा क्षमता के भरपूर दोहन की दिशा में मुख्य बाधा के रूप में माना गया है।

हैंडबुक ऑन सोलर रेडिएशन ओवर इंडिया के अनुसार, भारत के अधिकांश भाग में एक वर्ष में 250-300 धूप निकलने वाले दिनों सहित प्रतिदिन प्रति वर्गमीटर 4-7 किलोवाट घंटे का सौर विकिरण प्राप्त होता है। राजस्थान और गुजरात में प्राप्त सौर विकिरण उड़ीसा में प्राप्त विकिरण की अपेक्षा ज्यादा है। देश में 30-50 मेगावाट/ प्रतिवर्ग किलोमीटर छायारहित खुला क्षेत्र होने के बावजूद उपलब्ध क्षमता की तुलना में देश में सौर ऊर्जा का दोहन काफी कम है (जो 31-5-2014 की स्थिति के अनुसार 2647 मेगावाट है)।

सोलर एनर्जी का प्रयोग

अभिषेक कुमार

सोलर पैनेल द्वारा चालित कम्प्यूटर

सौर ऊर्जा, जो रोशनी व उष्मा दोनों रूपों में प्राप्त होती है, का उपयोग कई प्रकार से हो सकता है। सौर उष्मा का उपयोग अनाज को सुखाने, जल उष्मन, खाना पकाने, प्रशीतलन, जल परिष्करण तथा विद्युत ऊर्जा उत्पादन हेतु किया जा सकता है। फोटो वोल्टायिक प्रणाली द्वारा सौर प्रकाश को बिजली में रूपान्तरित करके रोशनी प्राप्त की जा सकती है, प्रशीतलन का कार्य किया जा सकता है, दूरभाष, टेलीविजन, रेडियो आदि चलाए जा सकते हैं, तथा पंखे व जल-पम्प आदि भी चलाए जा सकते हैं।

जल का उष्मन

सोलर ऊर्जा से गरम जल की प्राप्ति होती है। सौर-उष्मा पर आधारित प्रौद्योगिकी का उपयोग घरेलू, व्यापारिक व औद्योगिक इस्तेमाल के लिए जल को गरम करने में किया जा सकता है। देश में पिछले दो दशकों से सौर जल-उष्मक बनाए जा रहे हैं। लगभग 4,50,000 वर्गमीटर से अधिक क्षेत्रफल के सौर जल उष्मा संग्राहक संस्थापित किए जा चुके हैं जो प्रतिदिन 220 लाख लीटर जल को 60-70 से० तक गरम करते हैं। भारत सरकार का अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय इस ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन देने हेतु प्रौद्योगिकी विकास, प्रमाणन, आर्थिक एवं वित्तीय प्रोत्साहन, जन-प्रचार आदि कार्यक्रम चला रहा है। इसके फलस्वरूप प्रौद्योगिकी अब लगभग परिपक्त्ता प्राप्त कर चुकी है तथा इसकी दक्षता और आर्थिक लागत में भी काफी सुधार हुआ है। वृहद् पैमाने पर क्षेत्र-परिक्षणों द्वारा यह साबित हो चुका है कि आवासीय भवनों, रेस्तराओं, होटलों, अस्पतालों व विभिन्न उद्योगों (खाद्य परिष्करण, औषधि, वस्त्र, डिब्बा बन्दी, आदि) के लिए यह एक उचित प्रौद्योगिकी है। जब हम सौर उष्मक से जल गर्म करते हैं तो इससे उच्च आवश्यकता वाले समय में बिजली की बचत होती है। 100 लीटर क्षमता के 1000 घरेलू सौर जल-उष्मकों से एक मेगावाट बिजली की बचत होती है। साथ ही 100 लीटर की क्षमता के एक सौर उष्मक से कार्बन डाई आक्साइड के उत्सर्जन में प्रतिवर्ष 1.5 टन की कमी होगी। इन संयंत्रों का जीवन-काल लगभग 15-20 वर्ष का है।

सोलर -पाचक (सोलर कुकर)'

सोलर उष्मा द्वारा खाना पकाने से विभिन्न प्रकार के परम्परागत ईंधनों की बचत होती है। बाक्स पाचक, वाष्प-पाचक व उष्मा भंडारक प्रकार के एवं भोजन पाचक, सामुदायिक पाचक आदि प्रकार के सौर-पाचक विकसित किए जा चुके हैं। ऐसे भी बाक्स पाचक विकसित किए गये हैं जो बरसात या धुंध के दिनों में बिजली से खाना पकाने हेतु प्रयोग किए जा सकते हैं। अबतक लगभग 4,60,0000 सौर-पाचक बिक्री किए जा चुके हैं।

सोलर वायु उष्मन

सूरज की गर्मी के प्रयोग द्वारा कटाई के पश्चात कृषि उत्पादों व अन्य पदार्थों को सुखाने के लिए उपकरण विकसित किए गये हैं। इन पद्धतियों के प्रयोग द्वारा खुले में अनाजों व अन्य उत्पादों को सुखाते समय होने वाले नुकसान कम किए जा सकते हैं। चाय पत्तियों, लकड़ी, मसाले आदि को सुखाने में इनका व्यापक प्रयोग किया जा रहा है।

सोलर स्थापत्य

किसी भी आवासीय व व्यापारिक भवन के लिए यह आवश्यक है कि उसमें निवास करने वाले व्यक्तियों के लिए वह सुखकर हो। 'सौर-स्थापत्य वस्तुतः जलवायु के साथ सामन्जस्य रखने वाला स्थापत्य है। भवन के अन्तर्गत बहुत सी अभिनव विशिष्टताओं को समाहित कर जाड़े व गर्मी दोनों ऋतुओं में जलवायु के प्रभाव को कम किया जा सकता है। इसके चलते परम्परागत ऊर्जा (बिजली व ईंधन) की बचत की जा सकती है।

आदित्य सौर कार्यशालाएं

भारत सरकार के अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय के सहयोग से देश के विभिन्न भागों में आदित्य सौर कार्यशालाएँ स्थापित की जा रही हैं नवीकरणीय ऊर्जा उपकरणों की बिक्री, रखरखाव, मरम्मत एवं तत्सम्बन्धी सूचना का प्रचार-प्रसार इनका मुख्य कार्य होगा। सरकार इस हेतु एकमुश्त धन और दो वर्षों तक कुछ आवर्ती राशि उपलब्ध कराती है। यह अपेक्षा रखी गयी है कि ये कार्यशालाएँ ग्राहक-सुहृद रूप से कार्य करेंगी एवं अपने लिए धन स्वयं जुटाएंगी।

सोलर फोटो वोल्टायिक कार्यक्रम

सौर फोटो वोल्टायिक तरीके से ऊर्जा, प्राप्त करने के लिए सूर्य की रोशनी को सेमीकन्डक्टर की बनी सोलार सेल पर डाल कर बिजली पैदा की जाती है। इस प्रणाली में सूर्य की रोशनी से सीधे बिजली प्राप्त कर कई प्रकार के कार्य सम्पादित किये जा सकते हैं। भारत उन अग्रणी देशों में से एक है जहाँ फोटो वोल्टायिक प्रणाली प्रौद्योगिकी का समुचित विकास किया गया है एवं इस प्रौद्योगिकी पर आधारित विद्युत उत्पादक इकाईयों द्वारा अनेक प्रकार के कार्य सम्पन्न किये जा रहे हैं। देश में नौ कम्पनियों द्वारा सौर सेलों का निर्माण किया जा रहा है एवं बाइस द्वारा फोटोवोल्टायिक माड्यूलों का। लगभग 50 कम्पनियां फोटो वोल्टायिक प्रणालियों के अभिकल्पन, समन्वयन व आपूर्ति के कार्यक्रमों से सक्रिय रूप से जुड़ी हुयी हैं। सन् 1996-99 के दौरान देश में 9.5 मेगावाट के फोटो वोल्टायिक माड्यूल निर्मित किए गये। अबतक लगभग 600000 व्यक्तिगत फोटोवोल्टायिक प्रणालियां (कुल क्षमता 40 मेगावाट) संस्थापित की जा चुकी हैं। भारत सरकार का अपारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्रालय सौर लालटेन, सौर-गृह, सौर सार्वजनिक प्रकाश प्रणाली, जल-पम्प, एवं ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एकल फोटोवोल्टायिक ऊर्जा संयंत्रों के विकास, संस्थापना आदि को प्रोत्साहित कर रहा है।

फोटो वोल्टायिक प्रणाली माड्यूलर प्रकार की होती है। इनमें किसी प्रकार के जीवाष्म उर्जा की खपत नहीं होती है तथा इनका रख रखाव व परिचालन सुगम है। साथ ही ये पर्यावरण सुहृद हैं। दूरस्थ स्थानों, रेगिस्तानी इलाकों, पहाड़ी क्षेत्रों, द्वीपों, जंगली इलाकों आदि, जहाँ प्रचलित ग्रिड प्रणाली द्वारा बिजली आसानी से नहीं पहुँच सकती है, के लिए यह प्रणाली आदर्श है। अतएव फोटो वोल्टायिक प्रणाली दूरस्थ दुर्गम स्थानों की दशा सुधारने में अत्यन्त उपयोगी है।

सोलर लालटेन

सौर लालटेन एक हल्का ढोया जा सकने वाली फोटो वोल्टायिक तंत्र है। इसके अन्तर्गत लालटेन, रख रखाव रहित बैटरी, इलेक्ट्रानिक नियंत्रक प्रणाली, व 7 वाट का छोटा फ्लुओरेसेन्ट लैम्प युक्त माड्यूल तथा एक 10 वाट का फोटो वोल्टायिक माड्यूल आता है। यह घर के अन्दर व घर के बाहर प्रतिदिन 3 से 4 घंटे तक प्रकाश दे सकने में सक्षम है। किरासिन आधारित लालटेन, ढबिरी, पेट्रोमैक्स आदि का यह एक आदर्श विकल्प है। इनकी तरह न तो इससे धुआँ निकलता है, न आग लगने का खतरा है और न स्वास्थ्य का। अबतक लगभग 2,50,000 के उपर सौर लालटेने देश के ग्रामीण इलाकों में कार्यरत हैं।

सोलर जल-पम्प

फोटो वोल्टायिक प्रणाली द्वारा पीने व सिंचाई के लिए कुओं आदि से जल का पम्प किया जाना भारत के लिए एक अत्यन्त उपयोगी प्रणाली है। सामान्य जल पम्प प्रणाली में 900 वाट का फोटो वाल्टायिक माड्यूल, एक मोटर युक्त पम्प एवं अन्य आवश्यक उपकरण होते हैं। अबतक 4,500 से उपर सौर जल पम्प संस्थापित किये जा चुके हैं।

ग्रामीण विद्युतीकरण (एकल बिजली घर)

फोटोवोल्टायिक सेलों पर आधारित इन बिजली घरों से ग्रिड स्तर की बिजली ग्रामवासियों को प्रदान की जा सकती है। इन बिजली घरों में अनेकों सौर सेलों के समूह, स्टोरेज बैटरी एवं अन्य आवश्यक नियंत्रक उपकरण होते हैं। बिजली को घरों में वितरित करने के लिए स्थानीय सौर ग्रिड की आवश्यकता होती है। इन संयंत्रों से ग्रिड स्तर की बिजली व्यक्तिगत आवासों, सामुदायिक भवनों व व्यापारिक केन्द्रों को प्रदान की जा सकती है। इनकी क्षमता १.२५ किलोवाट तक होती है। अबतक लगभग एक मेगावाट की कुल क्षमता के ऐसे संयंत्र देश के विभिन्न हिस्सों में लगाए जा चुके हैं। इनमें उत्तर प्रदेश, देश का उत्तर पूर्वी क्षेत्र, लक्षद्वीप, बंगाल का सागर द्वीप, व अन्डमान निकोबार द्वीप समूह प्रमुख हैं।

सार्वजनिक सौर प्रकाश प्रणाली

ग्रामीण इलाकों में सार्वजनिक स्थानों एवं गलियों, सड़कों आदि पर प्रकाश करने के लिए ये उत्तम प्रकाश स्त्रोत है। इसमें 74 वाट का एक फोटो वोल्टायिक माड्यूल, एक 75 अम्पीयर-घंटा की कम रख-रखाव वाली बैटरी तथा 11 वाट का एक फ्लुओरेसेन्ट लैम्प होता है। शाम होते ही यह अपने आप जल जाता है और प्रातःकाल बुझ जाता है। देश के विभिन्न भागों में अबतक 40,000 से अधिक इकाईयां लगायी जा चुकी है।

घरेलू सौर प्रणाली घरेलू सौर प्रणाली के अन्तर्गत 2 से 4 बल्ब (या ट्यूब लाइट) जलाए जा सकते हैं, साथ ही इससे छोटा डीसी पंखा और एक छोटा टेलीविजन 2 से 3 घंटे तक चलाए जा सकते हैं। इस प्रणाली में 37 वाट का फोटो वोल्टायिक पैनेल व 40 अंपियर-घंटा की अल्प रख-रखाव वाली बैटरी होती है। ग्रामीण उपयोग के लिए इस प्रकार की बिजली का स्त्रोत ग्रिड स्तर की बिजली के मुकाबले काफी अच्छा है। अबतक पहाड़ी, जंगली व रेगिस्तानी इलाकों के लगभग 1,00,000 घरों में यह प्रणाली लगायी जा चुकी है।

(योगदा सत्संग कॉलेज धुर्वा रांची)

स्पीड न्यूज

पीपला में पिक वैन ने ट्रेलर को टक्कर मारी ड्राइवर की मौत

जमशेदपुर। घाटशिला के पिपला के पास रविवार की सुबह एनएच-33 रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास तेज गति से आ रही पिक अप वैन ने सड़क के किनारे खड़े ट्रेलर को जोरदार टक्कर मार दी। इससे पिक अप चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई जबकि वैन पर सवार दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए एमजीएम अस्पताल भेजा गया है। मृतक एवं घायलों की पहचान की जा रही है।

धालभूमगढ़ : अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार की मौत

जमशेदपुर। धालभूमगढ़ थाना अंतर्गत पुनसा गांव के पास एनएच-18 पर अज्ञात वाहन की टक्कर से एक बाइक सवार की घटना स्थल प र ही मौत हो गई। बाइक का नंबर जेएच 05 ई 3427 है। मृतक का शव बुरी तरह कुचल गया है जिससे उसकी पहचान नहीं हो पाई है।

खरसावां : अनियंत्रित ट्रेक्टर ने बाइक को टक्कर मारी, दो की मौत

सरायकेला। सरायकेला-खरसावां जिला अंतर्गत राजनगर थाना पहाड़ी क्षेत्र में एक अनियंत्रित तेज रफ्तार ट्रक्टर ने एक बाइक को रौंद दिया। इससे बाइक सवार दो व्यक्तियों बुरी तरह घायल हो गए जिनका सरायकेला सदर अस्पताल में इलाज के दौरान ही मौत हो गई। मृतकों में एक की पहचान गोपाल सिंह मुंडा के रूप में हुई है जो ईचागढ़ के सीतू गांव के निवासी है जो एक रिश्तेदार से लौट रहे थे।

गीता थियेटर के विशेष समर कैंप का समापन

जमशेदपुर। रॉबिन हुड आर्मी जमशेदपुर और गीता थियेटर ने हाल ही में कुछ प्रभावित बच्चों के लिए एक विशेष समर कैंप का आयोजन किया, जिसका समापन समारोह गत शनिवार आयोजित किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा दिनेश कुमार और पूर्व विधायक कुणाल सारंगी उपस्थित थे। कार्यक्रम में बच्चों ने नृत्य, सड़क सुरक्षा पर अभिनय, गायन और अन्य कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए। मुख्य अतिथियों ने इस पहल की प्रशंसा की और बच्चों की उत्साहवर्धक प्रस्तुतियों की सराहना की। दिनेश कुमार ने बच्चों के साथ बातचीत की और प्रश्नोत्तरी सत्र के माध्यम से उनका मनोबल बढ़ाया। कुणाल सारंगी ने नशा मुक्ति अभियान के बारे में जागरूकता फैलाई। कार्यक्रम में रॉबिन हुड आर्मी जमशेदपुर, गीता थियेटर, लियो क्लब और हिंद क्लब के स्वयंसेवक उपस्थित थे। इस अवसर पर अरुण ठाकुर, प्रेम दीक्षित, सुष्मिता, बरनाली और कई अन्य लोग उपस्थित थे।

इसरो का प्रतिनिधिमंडल उद्योग मंत्री से मिला

जमशेदपुर। गत शनिवार को इन्डस्ट्रियल स्टेबिलिटी एन्ड रिफोर्म (इसरो) का एक प्रतिनिधिमंडल संस्था के अध्यक्ष रुपेश कतरियार के नेतृत्व में उद्योग,श्रम एवं कौशल विकास मंत्री श्री संजय प्रसाद यादव के रांची स्थित आवास कार्यालय में मिलकर इसरो संगठन के आगामी प्रथम वार्षिकोत्सव में बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित होने का अनुरोध किया। मंत्री ने सुविधानुसार जून माह में कोई तारीख देने का अनुरोध स्वीकार किया। प्रतिनिधिमंडल ने उधोग सम्बंधित विभिन्न समस्याओं का विस्तार पूर्वक परिचय देते हुए वर्षो से चली आ रही डीओपी (उत्पादन प्रारंभ करने का प्रमाण पत्र) के अभाव में उत्पन्न समस्या की चर्चा की। ज्ञातव्य है कि ईएमप़ाटघ एवं पिएमटी.प्रमाण पत्र के अभाव में बन्द एवं रूग्ण इकाइयां या प्रथमपिढी के उद्यमी जो इकाई चलाने में सक्षम नहीं है ऐसे उद्यमी अपनी इकाई इच्छुक नवागन्तुक उद्यमी को विभाग द्वारा घोषित स्थानान्तरण नीति के तहत 15 प्रतिशत भूमि मूल्य एवं डिओपीप्रमाण पत्र देकर कर सकते हैं किन्तु डिओ पी प्राप्त करने हेतु विभाग ने अनेकानेक शासकीय प्रमाण पत्र समर्पित करने का प्रावधान कर रखा है जो इच्छुक उधमियों के लिए दुरूह कार्य है, ऐसे बंद एवं रुग्ण इकाइयों एवं विधान परिवर्तन के उम्मीद लगाए उद्धमियों की संख्या पुरे झारखण्ड मे सैकड़ो मे है,जो वर्षो से विभाग मे दौड़ लगा रहे है मगर उनका काम अभी तक रुका पड़ा है,अत: डिओप़ी की बाध्यता समाप्त कर भूमि का स्थानांतरण एवं विधानपरिवर्तन नीति सुगम एवं सुविधा पूर्ण करने की मांग इसरो प्रतिनिधिमंडल ने माननीय मंत्री के समक्ष रखी। आदित्यपुर औधोगिक क्षेत्र में सड़को, एवं नालियों की जर्जर स्थिति की चर्चा करते हुए अविलंब सुधार की मांग की गई। क्षेत्र की स्ट्रीट लाइट की कुव्यवस्था की ओर ध्यान आष्ट करते हुए वार्षिक रख रखाव एवं बिना लाइट बन्द पड़े स्तम्भो को ठीक करने का अनुरोध भी किया गया एवं बीना स्ट्रीट लाइट सुविधा के उद्धमियों को दी गई।

पाथेरडीह गांव में 'पीरियड एंड साइंस' सेमिनार आयोजित, हिंदी, संथाली और बांग्ला भाषा में किशोरियों व महिलाओं को किया गया जागरूक

धातकीडीह गांव की सभी किशोरियां और महिलाएं रियूजेबल पैड का करती हैं इस्तेमाल

● अभियान से सभी किशोरियों व महिलाओं को जोड़ने की है योजना

माहवारी स्वच्छता जागरुकता अभियान का दिखने लगा रंग

सेमिनार में महिलाओं और किशोरियों को जागरुक करते कोल्हान के पैडमैन तरुण कुमार।

खबर मन्त्र ब्यूरो

घाटशिला/जमशेदपुर। विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस के अवसर पर 'पीरियड एंड साइंस' जन अभियान की शुरुआत सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन, झारखंड के द्वारा किया गया था।

अभियान के माध्यम से माहवारी स्वच्छता की शिक्षा के साथ साथ विज्ञान शिक्षा में भी ग्रामीण इलाके व सुविधावंचित समुदायों के बच्चों की भागीदारी बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है, ताकि समाज में व्याप्त कई रूढ़िवादी धारणाओं से समाज को निकट भविष्य में सुरक्षित किया जा सके।

रविवार को उत्क्रमित मध्य विद्यालय धातकीडीह परिवार और सामाजिक संस्था निश्चय फाउंडेशन के संयुक्त तत्वाधान में घाटशिला के पाथेरडीह गांव में इमली पेड़ के नीचे 'पीरियड एंड साइंस' कार्यशाला का आयोजन सार्वजनिक रूप से किया गया। कार्यशाला का आयोजन धातकीडीह विद्यालय के भूतपूर्व छात्राएं लीलमणि मुंडा और मौमिता मुर्मू के नेतृत्व में किया गया। कार्यशाला के दौरान झारखंड के पैडमैन तरुण कुमार ने गांव की महिलाओं और किशोरियों को माहवारी स्वच्छता, किशोरी महिला स्वास्थ्य, उचित पोषण, पीरियड के समय साफ सफाई का महत्व, सैनिटरी पैड के उपयोग समेत पीरियड के विज्ञान को विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के दौरान बाल विवाह के दुष्प्रभाव, बालिका शिक्षा से समाज में आने वाले बदलावो पर भी विस्तृत चर्चा की गई। वही बताया गया कि विज्ञान शिक्षा से भी कई सामाजिक कुरीतियों को समाज से बखूबी कम किया, हटाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान पैडमैन तरुण कुमार के वक्तव्यों को लीलामणि मुंडा ने बांग्ला और मौमिता मुर्मू ने संथाली में भी बारी बारी से अनुवाद कर महिलाओं को बताया, ताकि ग्रामीण महिलाएं जरूरी बातों को बेहतर ढंग से समझ सके।

आज पाथेरडीह गांव में आयोजित कार्यक्रम ग्रासरूट्स पर चलाए जा रहे अभियानों के लिए एक ठोस मिशाल है। जहां समुदाय के जरूरतों के हिसाब से कार्यक्रम की रूप रेखा तैयार की गई थी। गांव की महिलाएं हर महीने महंगा सैनिटरी पैड नहीं खरीद पाती, उनकी इस समस्या से छुटकारा दिलाने हेतु कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किशोरियों व महिलाओं को पर्यावरण अनुकूल प्रोजेक्ट बाला रियूजेबल पैड का उपहार भी दिया गया। बताते चले कि धातकीडीह गांव की लगभग सभी किशोरियां व महिलाएं पिछले दो वर्षों से रियूजेबल पैड का उपयोग करती है, जिससे उपयोग किए गए पैड का कोई भी अपशिष्ट संभवतः गांव से नहीं निकलता। कार्यक्रम के दौरान उमवि धातकीडीह के प्रधानाध्यापक साजिद अहमद, विद्यालय प्रबंधन समिति की अध्यक्ष मालती मुर्मू व अन्य मुख्य रूप से उपस्थित थे।

कार्यक्रम में दौरान 50 से ज्यादा लोग मौजूद रहे। जल्द ही विद्यालय के पोषक क्षेत्र के प्रत्येक गांव में कार्यशाला आयोजित कर अभियान से सभी किशोरियों व महिलाओं को जोड़ा जाएगा। लंबी छुट्टियों के दौरान भी गांव के बच्चे पढ़ाई और सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहे, इस दिशा में विद्यालय हमेशा से उल्लेखनीय कार्य करते आ रहा है।

अरका जैन विवि का तृतीय दीक्षांत समारोह कल

2322 छात्रों को मिलेगी डिग्री
48 को मिलेगा गोल्ड मेडल

23 शोधार्थियों को पीएचडी उपाधि से सम्मानित किया जायेगा

राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार होंगे मुख्य अतिथि

राज्यपाल संतोष गंगवार को आमंत्रण पत्र सौंपते संस्थान प्रति कुलपति प्रो डॉ अंगद तिवारी और कुल सचिव डॉ अमित श्रीवास्तव।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। गम्हरिया स्थित अरका जैन यूनिवर्सिटी में 3 जून 2025 को तृतीय दीक्षांत समारोह का आयोजन किया जा रहा है। इस भव्य एवं गरिमामयी समारोह में झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि सम्मानित अतिथि राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री व मौजूदा स्थानीय विधायक चम्पाई सोरेन होंगे। समारोह दोपहर 2:30 बजे राज्यपाल श्री गंगवार के आगमन के साथ आरम्भ होगा। विश्वविद्यालय की ओर से बताया गया है कि दीक्षांत समारोह में वर्ष 2023 और 2024 में उत्तीर्ण स्नातक, स्नातकोत्तर, पीएचडी और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों के कुल 2322 छात्रों को डिग्रियां प्रदान की जाएंगी। इनमें अधिकांश विद्यार्थियों को बेहतर प्लेसमेंट भी मिल चुका है। साथ ही कई विद्यार्थी और उच्चतर शिक्षा के लिए अध्यनरत हैं। इन पाठ्यक्रमों के छात्रों को मिलेगी डिग्री : बीबीए, बीकम (अनर्स), एमबीए, बीसीए, एमसीए, बीए अंग्रेजी अनर्स, बीए फैशन डिजाइन अनर्स, बीए पत्रकारिता एवं जनसंचार अनर्स, बीएससी बायोटेक्नोलजी, फार्मेसी, बी अप्टोमेट्री और सभी इंजीनियरिंग विभागों के छात्र-छात्राएं इस दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करेंगे। 48 टॉपर्स को मिलेगा गोल्ड मेडल, राज्यपाल करेंगे सम्मानित : समारोह के सबसे खास क्षणों में से एक रहेगा स्वर्ण पदक वितरण, जहां विभिन्न संकायों के 48 टपर्स को गोल्ड मेडल से नवाजा जाएगा। इनमें वर्ष 2023 के पासआउट 26 तथा 2024 के 22 गोल्ड मेडलिस्ट शामिल हैं। इन टपर्स को राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार गोल्ड मेडल प्रदान कर सम्मानित करेंगे।

वर्ष 2024 में पासआउट गोल्ड मेडलिस्ट विद्यार्थी

एकता केशरी, असेवता स्तुति एक्का, तान्या गुप्ता, जैस्मिन धनजल, हरमीत सिंह, मनोज गोराई, मोहम्मद युसुफ अली, स्निग्धा सिंह, नाहिदा तबस्सुम, संजना कुमारी, श्रेया बनर्जी, धैर्य आचार्य, मेघा इंदल, सतपाल सिंह, आयुष शर्मा, उषा कुमारी, गुरप्रीत कौर, मेघा सेनगुप्ता, एएस सिथालक्ष्मी, प्रिया गोप, सोमनाथ लाहा, अभिनंदन दास मोदक।

इन 21 शोधार्थियों को मिलेगी पीएचडी उपाधि

इस वर्ष 21 शोधार्थियों को पीएचडी की उपाधि से सम्मानित किया जाएगा। इनमें हर्षिता गुप्ता, बिक्रांत तिवारी, मंदीप कौर, विशाखा जोसेफ, श्वेता कुमारी, नौशिन रजी, तैयबा खातून, रानी झा, चंचल मंडल, अभिषेक उपाध्याय, शालिनी प्रसाद, अमित कुमार सिंह, शबनम खातून, रोहन विजय शांडिल्य, रीता कुमारी, उषा कुमारी, इम्तियाज अहमद, सुमित कुमार मिश्रा, अमित चतुर्वेदी, बीना, निधि कुमारी शामिल हैं।

पूरे उत्साह के साथ तैयारी में जुटा विश्वविद्यालय परिवार

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो डा ईश्वरन अय्यर, प्रति कुलपति प्रो अंगद तिवारी और कुलसचिव डॉ अमित कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में संपूर्ण विवि परिवार इस समारोह को स्मरणीय और भव्य बनाने में पूरी निष्ठा से जुटा हुआ है। उल्लेखनीय है कि अरका जैन यूनिवर्सिटी का यह दीक्षांत समारोह न केवल डिग्री वितरण का मंच होगा, बल्कि छात्रों के अथक परिश्रम, विश्वविद्यालय के उत्ष्ट शैक्षणिक परिवेश और राज्य की प्रगति का प्रतीक भी बनेगा।

परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 43 सिख छात्र-छात्राओं को किया गया सम्मानित

ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के लिए होते हैं प्रेरणा का बूस्टर डोज : अमरप्रीत काले

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। बिष्टुपुर गुरुद्वारा साहिब में आयोजित कार्यक्रम में अल इंडिया सिख स्टूडेंट्स फेडरेशन द्वारा आईसीएसई व सीबीएसई में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 43 विद्यार्थियों को मेडल और सर्टिफिकेट देकर किया गया सम्मान। समाजसेवी अमरप्रीत सिंह काले ने बच्चों को सम्मानित करते हुए कहा कि प्रतिभा को पहचान देना और उसका सम्मान करना न केवल बच्चों का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि उन्हें समाज के प्रति उत्तरदायी और प्रेरित नागरिक भी बनाता है। वाइस प्रेसिडेंट राजेश शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों की प्रतियोगिता किसी और से नहीं, स्वयं से होनी चाहिए। फेडरेशन अध्यक्ष सतनाम सिंह गंभीर ने कहा बच्चों को सम्मानित करते हुए ऐसा प्रतीत हो रहा है मानो स्वयं को सम्मानित कर रहे हों। सभी प्रतिभाशाली छात्रों को काले, शर्मा, बृज भूषण सिंह और सतनाम सिंह गंभीर द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सोनारी गुरुद्वारा कमेटी अध्यक्ष तारा सिंह, टूईलाडूंगरी गुरुद्वारा के रणजीत सिंह, अवतार सिंह, मनजीत सिंह गिल, दिलबाग सिंह, महिंदर सिंह भुई, इंद्रपाल सिंह भाटिया, मनदीप सिंह शैंकी, अमरजीत सिंह, मनमीत लूथरा, परविंदर सिंह भाटिया, मनवीर सिंह कंग, नानक सिंह, राघवेंद्र सिंह, रुपेश शर्मा, जोगिंदर सिंह सहित अन्य गणमान्य उपस्थित थे।

दलजीत सिंह बनाये गये झारखंड महिला फुटबॉल फेडरेशन के वाइस चेयरमैन

दलजीत सिंह।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सीतारामडेरा निवासी एवं भारतीय जनता पार्टी के युवा सिख नेता दलजीत सिंह झारखंड महिला फुटबल फेडरेशन के वाइस चेयरमैन बनाए गए हैं। उनका मनोनयन सरदार अवतार सिंह गांधी, चेयरमैन फाइनेंस कमेटी, झारखंड महिला फुटबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया ने किया है। मनोनयन पत्र मिलते ही दलजीत सिंह ने कहा कि वह झारखंड की महिला प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर तक पूरे शिद्दत से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि झारखंड में फुटबल की अनंत संभावनाएं हैं। ग्रामीण इलाकों में पुरुष एवं महिला प्रतिभाएं हैं जिन्हें अवसर दिया जाना जरूरी है। दलजीत सिंह के अनुसार वे राज्य सरकार से भी आग्रह करेंगे कि राज्य के प्रत्येक उच्च विद्यालय में फुटबल कीट दिया जाए और साथ ही राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के फुटबल खिलाड़ियों को स्कूलों में प्रतिनियुक्ति दी जाए।

दलजीत समाजसेवी एवं जनता दल यू के पूर्व जिला अध्यक्ष तथा झारखंड सिख विकास मंच एवं पैगाम ए अमन के संरक्षक सरदार गुरदीप सिंह के बेटे हैं।

शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्याओं से मंत्री को कराया अवगत

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। झारखण्ड विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय कर्मचारी महासंघ के महामंत्री विश्वम्भर यादव के नेतृत्व में रविवार को एक प्रतिनिधि मंडल जिसमें चौतन्य शिरोमणि, उपाध्यक्ष एवं नारायण नाग, कार्यकारिणी सदस्य, शिक्षेकत्तर कर्मचारी संघ, जमशेदपुर महिला विवि, जमशेदपुर तथा जय किशोर प्रसाद रामदास सोरेन, स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विकास विभाग के मंत्री, घाटशिला विधान सभा क्षेत्र से मिलकर राज्य के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में कार्यरत इंटरमीडिएट के शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्यायों के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही महामंत्री ने इन शिक्षकों एवं कर्मचारियों की समस्यायों से अवगत करवाते हुए बताया कि पिछले कई वर्षों से इंटरमीडिएट स्तर पर राज्य के विभिन्न विस्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विभिन्न विभागों में ये कार्यरत हैं।

अचानक से विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में इंटरमीडिएट की शिक्षा बंद होने के निर्णय से इनके सम्मुख भुखमरी, पारिवारिक तबाही तथा आर्थिक संकट की समस्या आ गई है। महासंघ एवं कर्मचारी संघ ने माननीय शिक्षा मंत्री से अनुरोध एवं मांग किया है कि इंटरमीडिएट के शिक्षकों एवं कर्मचारियों को अन्य स्कूलों एवं कलेजों में स्वीत रिक्त पदों के विरुद्ध समायोजित करने का व्यस्थागत निर्णय लिया जाय। महासंघ एवं कर्मचारी संघ ने माननीय मंत्री महोदय से यह भी अनुरोध किया कि भारतीय संविधान का अनुच्छेद 41 जो बेरोजगारी, वृद्धावस्था या अन्य कमजोर स्थितियों का सामना कर रहे लोगों को काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता प्रदान करने की राज्य की जिम्मेदारी को रेखांकित करता है, का पालन किया जाय ताकि निरीही शिक्षकों एवं कर्मचारियों का जीवन तबाह एवं बर्बाद होने से बच सके।

श्री साई देवस्थानम का दो दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव संपन्न

जमशेदपुर। साईं परिवार विश्व सेवा संसथान, जमशेदपुर के तत्वाधान में श्री साईनाथ देवस्थानम का दो दिवसीय स्थापना दिवस महोत्सव पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर विद्वान् पुरोहितों के द्वारा पूजन अनुष्ठान यजमान राकेश पांडेय सपत्नी के उपस्थिति में हुआ। दो दिवसीय महोत्सव में रविवार प्रात: 500 से रात्रि 9 बजे तक चार प्रहर की आरती, मंगल स्नान, विशेष पूजन, हवन इत्यादि अनुष्ठान संपन्न हुए। हनुमान चालीसा पाठ विद्वान पुरोहितों के द्वारा किया गया। जिसमे आस पास कई भक्तगण सम्मिलित हुए। संस्थान के द्वारा श्रधालुओं के महाप्रसाद की व्यवस्था की गयी है, रात्रि 9 बजे बाबा शेज आरती के साथ अनुष्ठान का समापन हुआ।

स्वदेशी जागरण मंच ने की विदेशी छोड़ों, स्वदेशी अपनाओ रैली

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। स्वदेशी जागरण मंच जमशेदपुर महानगर के द्वारा विदेशी छोड़ो, स्वदेशी अपनाओ के विषय को समाज मे लाने हेतु साकची मे एक रैली आयोजित कि जिसमे लगभग 80 समर्थक सम्मिलित हुए। स्वदेशी कार्यकर्ताओं ने बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भारत छोड़ो, जब बाजार जायेंगे-सामान स्वदेशी लाएंगे, विदेशी वस्तु धोखा है- बहिष्कार करो मौका है, वालमार्ट बायकाट, अमेजन बायकाट, फ्लिपकार्ट बायकाट, चीनी कम्पनियां भारत छोड़ो, विदेशी वस्तु छोड़ कर-बोलो बन्दे मातरम, ओप्पो-वीवो बायकाट, अमेरिकी- तुर्की वस्तु छोड़ कर बोलो बन्दे मातरम जैसी उद्घोष को पुरे रैली मे लगाते रहे। रैली के बाद रैली मे सम्मिलित हुए प्रखर स्वदेशी समर्थकों ने जैसे खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्वी भारत के चेयरमैन मनोज सिंह, मंच के अखिल भारतीय पर्यावरण सह प्रमुख बन्दे शंकर सिंह, जदयू के जिला अध्यक्ष सुबोध श्रीवास्तव, हिन्दू जागरण मंच के जीतू सिंह, मंच के प्रान्त विचार विभाग प्रमुख डॉ जटा शंकर पाण्डेय, प्रान्त के प्रचार प्रमुख अमित मिश्रा, विभाग संयोजक राजकुमार शाह, अभय सिंह, अखिल सिंह, पंकज सिंह अपने अपने विचार रखे और धन्यवाद ज्ञापन जिला संयोजक राजपति देवी ने किया। खादी ग्रामोद्योग आयोग के पूर्वी भारत के चेयरमैन मनोज सिंह ने कहा कि भारत को एक समृद्ध और महान राष्ट्र बनाने के लिए रोजगार युक्त वृद्धि दर आवश्यक है। देश की जनता अगर स्वदेशी वस्तुओं का उपयोग करेगी तो स्वाभाविक रूप से बड़े पैमाने पर रोजगार का सृजन होगा। मंच के अखिल भारतीय पर्यावरण सह प्रमुख बन्दे शंकर सिंह ने कहा कि पुरे विश्व मे अमेरिका व चीन प्रणित विश्व व्यापार युद्ध चल रहा है। ऐसे में अपने भारत को सुरक्षित निकालने व आर्थिक प्रगति के मार्ग पर बढ़ाने का एक ही मार्ग है वह है स्वदेशी। कार्यक्रम मे मंच के प्रान्त महिला प्रमुख मधुलिका मेहता, मंजू ठाकुर, के पी चौधरी, अनिल राय, अजय सिंह, राज शाह, कौशल सिंह, मुकेश ठाकुर, राजा राम, राकेश पाण्डेय,अशोक सिंह, आर के सिंह, कंचन सिंह, जय प्रकाश सिंह, संजीत सिंह, किरणजीत कौर, राजेश बरनवाल, सुमित सिंह, सुनील गुप्ता, हरप्रीत कौर, एम भवानी, प्रवीण सिंह, प्रतिमा सिंह, स्वेता सिंह, ममता सिंह, सावित्री देवी, रश्मि साहू, अजित सिंह, अमित सिंह देव, डी बी दत्ता, देव कुमार, के अलावा भारी संख्या मे स्वदेशी समर्थक उपस्थित रहे।

एक नजर में

कोल्हान में जमीन विहीन है घासी समाज, नहीं बन पा रहा जाति प्रमाणपत्र

जमशेदपुर। आदिवासी ऐसोसिएशन हॉल, सीतारामडेरा में श्रीकांत मुखी के अध्यक्षता में रविवार को एक महत्वपूर्ण बैठक हुई। जिसमें घासी समाज को जाति प्रमाण पत्र बनवाने में हो रही दिक्कतों पर चर्चा की गई। बैठक का संचालन रवि मुखी ने किया। बैठक में कहा गया कि घासी जाति यानी मुखी समाज कोल्हान प्रमंडल में लाखों कि संख्या में रहते हैं। आज वर्तमान में घासी समाज के ज्यादातर लोगों के पास अपना खतियान नहीं रहने के कारण विशेष कर शहरी क्षेत्रों में जाति प्रमाण पत्र नहीं बनने में जो कागजी प्रक्रियाओं के कारण काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। इसके कारण संवैधानिक अधिकार आरक्षण के लाभ से हमारे लोग वंचित हो रहे हैं। हमारे समाज के ज्यादातर लोग भुमिहीन है और आर्थिक रूप से बहुत कमजोर है इसलिए आज के इस विचार गोष्ठी में सर्वसम्मति से फैसला किया गया है कि इस समस्या के समाधान के लिए चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। इस बैठक में भालूवासा से लक्ष्मण मुखी, राकेश मुखी, बर्मामाइंस से धीरज मुखी, सोपोडेरा से पीके कारूवा, नारवा से सरस्वती करूवा, अमित, नवामुंडी से बापी कारूवा, चाईबासा से सागर, परसुडीह से गणपति करूवा, टिनप्लेट से जोलेश, सावन मुखी, धातकीडीह से रमेश मुखी, कदमा से विकास, बिरसानगर से अमरदीप, चौतन, केबल से गुरूचरण, सुमंत,चिकू, शंकर, नरेश, सावन, सन्नी, रिकू, संतोष, पप्पू, मनोहर, इततू, करन, अरविंद आदि उपस्थित थे।

इनर व्हील क्लब ने साकची गोलचक्कर पर लगवाया रोड सेफ्टी कंवेक्स मिरर

जमशेदपुर। इनर व्हील क्लब अफ जमशेदपुर ईस्ट के सदस्यों ने बहुत व्यस्त और भारी यातायात वाले क्षेत्र साकची गोलचक्कर के पास इनर व्हील लोगो अंकित प्लेट के साथ एक 'रोड सेफ्टी कन्वेक्स मिरर' स्थापित किया है। सार्वजनिक सुरक्षा और सामुदायिक कल्याण को ध्यान में रखते हुए, कन्वेक्स मिरर को ऐसे महत्वपूर्ण स्थान पर स्थापित किया गया है ताकि एक व्यापक परिप्रेक्ष्य प्रदान किया जा सके, जिससे ड्राइवरों के लिए आने वाले वाहनों, पैदल चलने वालों आदि को उनके निकट पहचानना आसान हो सके, जिससे टकराव का जोखिम कम हो। इनर व्हील ब्रांडिंग के लिए हमने अपने क्लब के नाम और इनर व्हील लोगो के साथ एक प्लेट लगाई। मिरर का उद्घाटन डिस्टिक्ट चेयरमैन आलोकानंदा बक्शी ने किया। क्लब की अध्यक्ष मधुमिता सान्याल ने इस अनूठी परियोजना का समन्वय किया। इस अवसर पर इरा बन्दोपाध्याय, नीलिमा पकाश, डॉ.मीना मुखार्जी, डॉ नीलम, बिनीता झा, अंजुबाला, मंजरी आदि उपस्थित थे। मधुमिता सन्याल ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट ने डीसी से की मुलाकात

जमशेदपुर। ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट के एक प्रतिनिधिमंडल ने निवर्तमान उपायुक्त अनन्य मित्तल से उनके आवासीय कार्यालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने उनके कार्यकाल के दौरान शहर के विकास और प्रशासन में दिए गए योगदान की सराहना करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। इसके बाद ट्रस्ट के प्रतिनिधियों ने पूर्वी सिंहभूम के नवपदस्थापित उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी से भी औपचारिक रूप से मुलाकात की। इस दौरान ट्रस्ट की ओर से उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया और उन्हें फूलों का गुलदस्ता भेंट कर शुभकामनाएं दी गईं। ट्रस्ट के सचिव मुख्तार आलम खान ने नए उपायुक्त को संस्था द्वारा किए जा रहे सामाजिक कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि ह्यूमन वेलफेयर ट्रस्ट जरूरतमंद परिवारों की मदद, एमजीएम अस्पताल में मरीजों को भोजन वितरण, नीट में सफल छात्रों का सम्मान, गर्मी में पानी घर, ठंड में कंबल वितरण और रक्तदान शिविर जैसे सामाजिक कार्यों में लगातार सक्रिय है। उपायुक्त कर्ण सत्यार्थी ने ट्रस्ट की गतिविधियों की सराहना की और हर सामाजिक कार्य में प्रशासनिक सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस मौके पर ट्रस्ट के ट्रस्टी सैयद आसिफ अख्तर, अध्यक्ष मतीन उल हक अंसारी,मोख्ताल आलम खान, मोहम्मद मोइनुद्दीन अंसारी और शाहिद परवेज भी मौजूद थे।

प्रतिमा गोराई को 96.6 प्रतिशत अंक लाने पर गोराई समाज ने किया सम्मानित

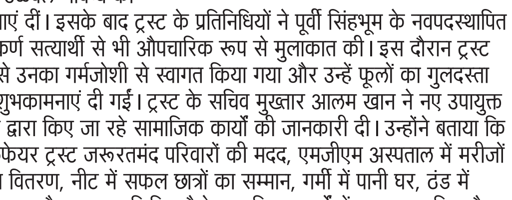

जमशेदपुर। गोराई तेली कुलु समाज कल्याण केंद्रीय समिति जमशेदपुर झारखंड के सदस्यों द्वारा बागबेड़ा निवासी कृष्णा गोराई जी की बेटी प्रतिमा गोराई ने 966% लाकर पूरे जिले में टाप कर जमशेदपुर शहर का और गोराई समाज का नाम रोशन करने पर उनके आवास में गोराई समाज के सदस्य पहुंच कर प्रतीमा गोराई और उनके माता-पिता को मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। जिसमें केन्द्रीय अध्यक्ष करण गोराई, केन्द्रीय कोषाध्यक्ष राजू गोराई, पूर्व महासचिव राजू गोराई, केन्द्रीय समिति सदस्य संदीप गोराई, महावीर गोराई, रामपदो गोराई, सनातन गोराई, शत्रुघन गोराई, सदन गोराई, प्रदीप गोराई, अनिल साहू आदि उपस्थित थे।

बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्री में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर जागरूकता कार्यक्रम

जमशेदपुर। विश्व तंबाकू निषेध दिवस के अवसर पर ब्रह्मानंद नारायणा हॉस्पिटल, तमोलिया, सरायकेला द्वारा बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्री में एक तंबाकू निषेध जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों को तंबाकू सेवन के दुष्प्रभावों के बारे में शिक्षित करना और उन्हें सशक्त बनाना था। मेडिकल सुपरिटेंडेंट डॉ मुकेश कुमार ने एक प्रभावशाली सत्र का संचालन किया, जिसमें तंबाकू से जुड़े स्वास्थ्य जोखिम एवं तंबाकू जनित रोगों की शीघ्र पहचान की चर्चा की गई। फैसिलिटी डायरेक्टर ए.धर्मा राव ने तंबाकू छोड़ने और एक स्वस्थ, तंबाकू-मुक्त जीवन जीने के महत्व को साझा किया। कैंसर से पीड़ित मरीज राकेश झा ने अपनी आपबीती बताई और तंबाकू को किसी भी रूप में न लेने के लिए लोगों को प्रेरित किया। कार्यक्रम के संचालन में बीएमडब्ल्यू इंडस्ट्री के फाइनेंस कंट्रोलर शिशिर गोयल, हेल्थ सेफ्टी हेड रश्मि तिवारी एवं एचआर हेड भुवनेश पारिख ने योगदान दिया।

श्रेयस अय्यर के आगे मुंबई ने घुटने टेके, पंजाब किंग्स ने मुंबई को पांच विकेट से हराया, आरसीबी से तीन जून को सामना

आइपीएल को मिलेगा नया चैंपियन, पंजाब और बेंगलुरु में फाइनल जंग

एजेंसी

अहमदाबाद। आईपीएल2025 के क्वालिफायर-2 में पंजाब किंग्स ने कप्तान श्रेयस अय्यर के धमाकेदार प्रदर्शन के दम पर मुंबई इंडियंस को रौंद दिया। मुंबई ने पहले बैटिंग करते हुए, सूर्यकुमार यादव और तिलक वर्मा की तूफानी पारी के दम पर 203 रनों का स्कोर खड़ा किया। जवाब में पंजाब किंग्स ने कमाल की बैटिंग करते हुए, मुकाबला 19वें ओवरों में 5 विकेट पर 207 रन बनाते हुए अपने नाम कर लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने अश्वनी कुमार की गेंद पर छक्का जड़ते हुए विनिंग शॉट खेला, जबकि 41 गेंदों में 5 चौके और 8 छक्के जड़ते हुए नाबाद 87 रनों की पारी खेली। इस तरह से 3 जून को आईपीएल 2025 का खिताबी मुकाबला इसी नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पंजाब किंग्स और क्वालिफायर-1 की विनर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा।

पंजाब किंग्स की पारी का रोमांच

204 रनों के पहाड़ सरीखे लक्ष्य का पीछा करने उतरी पंजाब की किंग्स शुरुआत अच्छी नहीं रही। प्रभसिमरन सिंह 6 रनों के निजी स्कोर पर ट्रेंट बोल्ट के शिकार हुए। हालांकि, इसके बाद टीम को प्रियांश आर्य ओर जोश इंग्लिस ने 5.1 ओवरों में 55 रनों तक पहुंचा दिया। प्रियांश थोड़ा अनलकी रहे और अश्वनी कुमार की गेंद पर विकेट गिफ्ट कर दिया। उन्होंने 10 गेंदों में 2 चौके और एक छक्का के दम पर 20 रन बनाए। लग रहा था कि बड़ा स्कोर है तो पंजाब को दिक्कत होगी, लेकिन ऐसा होता शुरुआती विकेट गिरने के बावजूद दिखा नहीं।

इंग्लिश ने बुमराह के ओवर में लूटे अय्यर के हैट्रिक छक्के

जोश इंग्लिश 21 गेंदों में 5 चौके और 2 छक्के के दम पर 38 रन बनाकर आउट हुए। इस दौरान उन्होंने बुमराह को एक ही ओवर में 2 चौके और 2 छक्के उड़ाते हुए 20 रन लूटे। हार्दिक पंड्या की गेंद पर आउट दिए जाने के बाद इंग्लिस ने डीआरएस लिया, लेकिन बात नहीं बनी। हालांकि, यहां से श्रेयस अय्यर और पूर्व मुंबईकर नेहल वढेरा ने मोर्चा संभाला। दोनों ने मिलकर टीम को 100 रनों का आंकड़ा पार कराया तो 13वें ओवर में टॉप्ले को हैट्रिक छक्के लगाते हुए श्रेयस अय्यर ने पंजाब के खेमे में रोमांच भर दिया। मुंबई की मालकिन नीता अंबानी के चेहरे पर निराशा थी तो दूसरी ओर प्रीति जिंटा खुशी से झूम रही थीं। नेहल वढेरा 48 रनों के स्कोर पर थे कि तभी एक खराब शॉट खेलकर अश्वनी कुमार को अपना विकेट दे बैठे। हालांकि, उन्होंने अपना काम कर दिया था। नेहल ने 29 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्के के दम पर 48 रनों की पारी खेली। अश्वनी का ओवर श्रेयस अय्यर के छक्के के साथ खत्म हुआ, जबकि 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर अय्यर ने क्लासिक चौका लगाते हुए अर्धशतक पूरा किया। यहां शशांक सिंह दुर्भागयपूर्ण तरीके से रन आउट हुए।

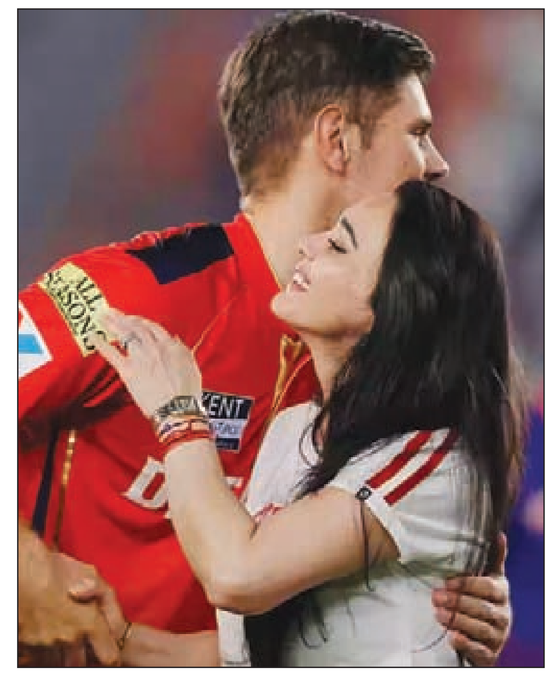

सूर्यकुमार ने तोड़ा डिविलियर्स का रिकॉर्ड

मुंबई इंडियंस के तूफानी बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने इंडियन प्रीमियर लीग में इतिहास रच दिया। पंजाब किंग्स के खिलाफ दूसरे क्वालिफायर मैच में सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए 26 गेंद में 44 रनों की धुआंधार पारी खेली। इसके साथ ही चौथे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे सूर्यकुमार यादव ने एक बड़ा रिकॉर्ड भी अपने नाम कर लिया। दरअसल सूर्यकुमार यादव आईपीएल के एक सीजन में नॉन ओपनर के तौर पर सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। इस मामले में सूर्यकुमार यादव ने साउथ अफ्रीका के पूर्व दिग्गज एबी डिविलियर्स को पीछे छोड़ा है। आईपीएल 2025 में सूर्यकुमार यादव ने मुंबई के लिए नॉन ओपनर बल्लेबाज के तौर पर अब तक 691 रन बना लिए हैं।

मुंबई 203/6 (20 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
रोहित कै. विशक बो. स्टोइनिस	08	07	01	00
बेयरस्टो कै. इंगलिस बो. विशक	38	24	03	02
तिलक कै. आर्या बो. जेमीसन	44	29	02	02
सूर्यकुमार कै. वधेरा बो. चहल	44	26	04	03
हार्दिक कै. इंगलिस बो ओमरजाई	15	13	01	00
नमन कै. स्टोइनिस बो. ओमरजाई	37	18	07	00
राज अंगद बावा नाबाद	08	04	00	00
मिचेल सैंटनर नाबाद	00	01	00	00

अतिरिक्त : 08

विकेट पतन : 119, 2-70, 3-142, 4-142, 5-180, 6-197.

गेंदबाज : अर्शदीप सिंह : 4-0-44-0, काइल जेमीसन : 4-0-30-1, मार्कस स्टोइनिस : 1-0-14-1, अजमतुल्लाह ओमरजाई : 4-0-43-2, विशक विजय कुमार : 3-0-30-1. युजवेंद्र चहल: 4-0-39-1.

पंजाब 207/5 (19 ओवर)

खिलाड़ी	रन	गेंद	चौका	छक्का
आर्या कै. हार्दिक बो. अश्विनी	20	10	02	01
प्रभसिमरन कै. टॉपले बो. बोल्ट	06	09	01	00
इंगलिस कै. बेयरस्टो बो. हार्दिक	38	21	05	02
श्रेयस अय्यर नाबाद	87	41	05	08
वधेरा कै. सैंटनर बो. अश्विनी	48	29	04	02
शशांक सिंह रन आउट	02	03	00	00
मार्कस स्टोइनिस नाबाद	02	02	00	00

अतिरिक्त : 04

विकेट पतन : 1-13, 2-55, 3-72, 4-156, 5-169.

गेंदबाज : ट्रेंट बोल्ट : 4-0-38-1, रीस टॉपले : 3-0-40-0, जसप्रीत बुमराह : 4-0-40-0, अश्विनी कुमार : 4-0-55-2, मिचेल सैंटनर : 2-0-15-0, हार्दिक पंड्या : 2-0-19-1.

गुकेश का उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी

स्टावेंजर (नॉर्वे)। मौजूदा विश्व चैंपियन डी गुकेश का नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में उतार-चढ़ाव भरा सफर जारी रहा और यह भारतीय खिलाड़ी चीन के वेई यी से आमार्गेडन टाई-ब्रेक में हारकर संयुक्त पांचवें स्थान पर खिसक गया। इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे भारत के एक अन्य खिलाड़ी अर्जुन एरिगैसी ने अमेरिका के विश्व में दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामुरा को हराकर अपना चौथा स्थान बरकरार रखा। गत चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने शनिवार को भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। उन्होंने काले मोहरों से खेलते हुए फैबियानो कारूआना के खिलाफ आमार्गेडन टाई-ब्रेक में जीत हासिल कर अपने अंकों की संख्या 9.5 पर पहुंचा दी। महिला वर्ग में, दो बार की विश्व रैपिड चैंपियन कोनेरू हम्पी ने चीन की लेई टिंगजी के खिलाफ टाई-ब्रेक जीत के बाद 8.5 अंकों के साथ बढ़त हासिल की, जबकि आर वैशाली ने स्पेन की खिलाड़ी सारा खादेम के खिलाफ निर्णायक जीत हासिल की, जिससे उन्हें तीन अंक मिले और वह 6.5 अंकों के साथ चौथे स्थान पर पहुंच गयी।

मनीष और सृष्टि की टीम ने मिश्रित एयर पिस्टल में जीता स्वर्ण

चांगवोन (दक्षिण कोरिया)। डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड कप के दूसरे दिन रविवार को मनीष नरवाल

और सृष्टि अरोड़ा की मिश्रित एयर पिस्टल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। रविवार को यहां प्रतियोगिता के दूसरे दिन मनीष नरवाल और सृष्टि अरोड़ा की मिक्स्ड एयर पिस्टल टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण और रुद्रांश खंडेलवाल और सुमेधा पाठक की टीम ने कांस्य पदक जीता।

हरमू यूथ ने अरविंदो क्रिकेट को हराया

खलारी। रेवोल्यूशन स्पोर्ट्स के तत्वाधान में अयोजित समर कैंप 2025 अंडर 14 टी 20 का फाइनल मुकाबला हरमू यूथ और अरविंदो क्रिकेट क्लब के बीच खेला गया। जिसमें फाइनल मुकाबले के चीफ गेस्ट जेएससीए के उपाध्यक्ष संजय पाण्डेय और रांची डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन के सचिव शैलेन्द्र कुमार उपस्थित हुए। फाइनल मुकाबले में हरमू यूथ ने अरविंदो क्रिकेट अकादमी को 7 विकेट से हरा दिया। अरविंदो ने पहले बल्लेबाजी करते हुए टीम ने 18.5 ओवरों में सभी विकेट खोकर 100 रन बना सके। टीम के लिए हिमांशु राज ने 42 रन और हिमांशु कुमार ने 19 रन बनाए। वही जवाब में

हरमू यूथ की टीम ने 13.4 ओवरों 3 विकेट खोकर में 104 रन बना कर जीत हाशिल कर लिया। टीम के आयुष ने 30 और रिशु राज ने 24 रन बनाए। फाइनल मैच का प्लेयर ऑफ द मैच का पुरस्कार रायन भगत को दिया गया। प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट रायन भगत,बेस्ट बैट्समैन हिमांशु कुमार बेस्ट बॉलर रायन भगत बेस्ट फिल्डर आरव, इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड आयुष्मान जैन को दिया गया। सभी खिलाड़ियों को पुरस्कार चीफ गेस्ट के होता वितरित किया गया। उपविजेता टीम को कप और मेडल शैलेन्द्र कुमार के हाथों दिया गया, एवं विजेता टीम को कप और मेडल संजय पाण्डेय के हाथों से दिया गया। पुरस्कार वितरण में पूर्व रणजी खिलाड़ी कुलदीप शर्मा, कामेश्वर प्रसाद,राजीव वर्मा, सचिन गिरि, संयोग वर्मा और एच पी वर्मा

भारतीय महिला हॉकी टीम ने शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराया

रोसारियो (अर्जेंटीना)। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने चार देशों के टूर्नामेंट के अपने पांचवें मुकाबले में नियमित समय में 2-2 से ड्रा के बाद हुए शूटआउट में उरुग्वे को 3-1 से हराया। रविवार को यहां खेले गये मुकाबले में भारतीय टीम की उप-कप्तान हिना ने (10वें) और लालरिनपुई ने (24वें) मिनट में मैच की शुरूआत में गोल दागे। गीता, कनिका और लालथंतलुगी ने शूटआउट में गोलकर अपनी टीम की जीत सुनिश्चित की। भारत ने 10वें मिनट हिना के गोल से शानदार शुरू की, इसके बाद लालरिनपुई ने 24वें मिनट में गोलकर बढ़त को दोगुना कर दिया।

कराटे ग्रेडिंग में 183 कराटे खिलाड़ी हुए सफल

रांची। इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तत्वाधान में बहु बाजार स्थित बिशप स्कूल में एक दिवसीय कराटे प्रशिक्षण शिविर सह कराटे ग्रेडिंग संपन्न हुआ। जिसमें रांची के विभिन्न स्कूलों एवं क्लबों से 225 कराटे खिलाड़ियों ने भाग लिया। सभी खिलाड़ियों को इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के तकनीकी निदेशक सह नेशनल कोच शिहान सुनील किस्पोट्टा ने एडवांस कुमिते (फाइट) एवं काता का प्रशिक्षण दिया साथ ही उन्होंने लड़कियों को आत्मरक्षा के गुरु से अवगत कराया जिसमें हथियार से बचने एवं बच कर अपनी आत्मरक्षा के तकनीक भी बतलाई गई। प्रशिक्षण के साथ सभी खिलाड़ियों का ग्रेडिंग टेस्ट भी हुआ जिसमें येलो बेल्ट के 45 ऑरेंज बेल्ट के 30 ग्रीन बेल्ट के 40 ब्लू बेल्ट के 20 पर्पल बेल्ट के 15 ब्राउन बेल्ट के 30 एवं ब्लैक बेल्ट के 3 खिलाड़ी सफल हुए। शिहान सुनील किस्पोट्टा ने कहा कि आगामी राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता को देखते हुए इस प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया है जिसमें खिलाड़ियों के तकनीकों को और निखारा जा सके जिसमें आगामी प्रतियोगिता में अपना अच्छा प्रदर्शन कर सके। प्रशिक्षण शिविर को सफल बनाने में इंटरनेशनल मार्शल आर्ट अकादमी के अध्यक्ष अनिल किस्पोट्टा राकेश तिर्की उमा शंकर महतो रवि कुमार सिंह स्वस्तिका तफरदार दीपा बिनीता लिंडा एनी कोनगाड़ी सुदेश कुमार महतो आरती टोप्पो रितिका तिग्गा दीपशिखा तिग्गा प्रतिभा तिग्गा प्रदीप डीक्रूज आयुष सांगा देवंती कुमारी ने अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रेलवे प्रीमियर लीग शुभारंभ समारोह

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। युवा क्रिकेटर गौरव सिंह के याद में रेलवे यूथ स्पोर्ट्स अकैडमी अपने प्रिय खिलाड़ी को श्रद्धांजलि देते हुए जूनियर रेलवे प्रीमियर लीग रविवार को साउथ रेलवे कॉलोनी मैदान में आयोजित की। इस टूर्नामेंट में चार टीम हिस्सा लिये पहले टीम रेलवे यूथ के रेलवे टाइटंस, आरवी के रेलवे चैलेंजर, सिद्धि इंटरप्राइजेज के रेलवे इंडियन, बीएलकेएस के रेलवे राइडर्स। आज के उद्घाटन मैच मैं मुख्य अतिथि के रूप में संजय पांडे (झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष) एवं विशिष्ट अतिथि के रुप में चंद्रदेव सिंह एवं दीपक नारायण ओझा उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री पांडे ने कहा कि खिलाड़ियों को अच्छा प्लेटफार्म मिलेगा क्योंकि एडमिनिस्ट्रेशन में दो क्रिकेटर आ चुके हैं हम सब मिलकर सही ढंग से क्रिकेट का डेवलपमेंट करेंगे। इस अवसर पर मनीष कुमार, अभिषेक कुमार आकाशदीप चौधरी मनीष पांडे ए शिवम कुमार कुणाल कुमार उपस्थित थे।

21वीं झारखण्ड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता 14 और 15 जून से

रांची। 21 वी झारखण्ड राज्य जूनियर वुशु प्रतियोगिता 14 से 15 जून को सिल्ली के द विलेज रिसोर्ट में आयोजित की जायेगी। इस प्रतियोगिता में झारखंड के विभिन्न जिलों के तकरीबन 300 खिलाडी और अधिकारी भाग लेंगे। इस प्रतियोगिता की जानकारी देते हुये झारखण्ड वुशु एसोसिएशन के चेयरमैन चंचल भट्टाचार्य ने बताया की इस प्रतियोगिता के आयोजन की सभी तैयारियां पूरी कर ली गयी हैं। उन्होंने कहां की इस प्रतियोगिता से चयनित खिलाडी हैदराबाद में आयोजित जूनियर नेशनल में भाग लेंगे। 34 वी सीनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप 14 से 19 जून 2025, जयपुर। 24 वी जूनियर नेशनल वुशु चैंपियनशिप 1 से 6 जुलाई 2025, हैदराबाद में होगा।

रेगिंग बुल्स ने पावर पेसर को हराकर खिताब अपने नाम किया

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रॉकमेंस क्रिकेट एकेडमी के द्वारा आयोजित रॉकमेंस प्रीमियर लीग का फाइनल मैच और पुरस्कार वितरण समारोह संपन हुआ, जिसमे मुख्य अतिथि लोहरदगा जिले के एसडीएम ठाकुर गौरी शंकर शर्मा, विशिष्ट अतिथि सुभाष चटर्जी, नन्द जी पांडे, प्रेम प्रकाश, प्रभात शाहदेव, दीपक कुमार सिंह, रोहित सिंह, धर्मेन्द्र कुमार, विकास रॉय, दीपू पांडे, सचिन कुमार सिंह एवं अन्य गन्य मान्य लोग उपस्थित रहें। फाइनल मैच रेगिंग बुल्स और पावर पेसर टीमो के बिच हुआ जिसमे रेगिंग बुल्स ने पावर पेसर पर 23 रन से जीत दर्ज कर खिताब अपने नाम किया, वर्णित शाहदेव को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। पुरस्कार वितरण समारोह का संचालन रॉकमेंस क्रिकेट एकेडमी के मुख्य कोच नन्द जी पांडे ने किया।

चार दिवसीय टेबल टेनिस का समापन

रांची। बेथल मिशन गोड्डा में आयोजित चार दिवसीय प्रथम झारखंड राज्य टेबल टेनिस प्रतियोगिता का रविवार को समापन हो गया। समापन समारोह सह पुरस्कार वितरण के अवसर पर उपस्थित झारखंड ओलंपिक संघ के उपाध्यक्ष साकेत कुमार सिन्हा, संजेश मोहन ठाकुर, भारतीय टेबल टेनिस महा संघ के संयुक्त सचिव सरदार समरजीत सिंह, टेबल टेनिस संघ के संरक्षक जय कुमार सिन्हा, बेंथल मिशन के उप प्राचार्य सुमन कुमार चौधरी, गढ़वा जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव कमलेश कुमार दूबे एवं गोड्डा जिला टेबल टेनिस संघ के सचिव नवल बिहारी झा ने प्रथम तीन स्थानों पर रहे विभिन्न आयु वर्ग के विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर उत्साह वर्धन किया।

सेपक टकरा प्रशिक्षण शिविर आज

रांची। सेपक टकरा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 2 से 6 जून तक राची के जयपाल सिंह स्टेडियम में किया जायेगा। इस शिविर का आयोजन रोची डिस्ट्रिक्ट सेपक टकरा एसोसिएशन के द्वारा किया जायेगा। इसकी जानकारी देते हुए रांची और झारखण्ड सेपक टकरा एसोसिएशन के प्रेसिडेंट उदय साहू ने बताया की इस प्रशिक्षण शिविर से खिलाड़ियों की नई पौध निकलेगी जो भविष्य में राज्य का प्रतिनिधित्व करेगी। उन्होंने बताया की इस प्रशिक्षण शिवर के कोच इंटरनेशनल रेफरी और कोच अमरेंद्र दत्त द्विवेदी होंगे।

स्वितोलिना फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में

पेरिस। यूक्रेन की टेनिस खिलाड़ी एलिना स्वितोलिना ने रविवार को चौथी वरीयता प्राप्त और पिछले साल की उपविजेता जैस्मीन पाओलिनी को हराकर फ्रेंच ओपन के महिला एकल के चौथे दौर में जगह बना ली है। रविवार को खेले गये मुकाबले में यूक्रेन की 30 वर्षीय खिलाड़ी स्वितोलिना ने जैस्मीन पोओलिनी को 6-4 6-7 (6) 6-1 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई।

पीएसजी ने जीता चैंपियंस लीग का खिताब

म्यूनिख। पेरिस सेंट-जर्मन ने यूईएफए चैंपियंस लीग के फाइनल में मुकाबले में इंटर मिलान को 5-0 से रौंद कर पहली बार यूरोपीय चैंपियंस लीग का खिताब अपने नाम किया। शनिवार रात एलियांज एरिना में खेले गये मुकाबले में लुइस एनरिक की युवा टीम ने मैच में शुरूआत से ही इंटर मिलान पर दबदबा बनाए रखा।

जोकोविच फ्रेंच ओपन के प्री क्वार्टरफाइनल में

पेरिस। सार्बिया के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रिया के फिलिप मिसोलिच को सीधे सेटों में हराकर फ्रेंच ओपन के प्री क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली है। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता नोवाक जोकोविच ने टूर्नामेंट में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए तीसरे दौर के मुकाबले में ऑस्ट्रिया के फिलिप मिसोलिच को 6-3, 6-4, 6-2 से हराया। फ्रेंच ओपन में यह जोकोविच की 99वीं जीत है। वह आस्ट्रेलिया ओपन में 99 मैच जीत चुके है।

बोपन्ना-पावलासेक की फ्रेंच ओपन में समाप्त हुआ सफर

एजेंसी

पेरिस। रोहन बोपन्ना और एडम पावलासेक की जोड़ी का सफर वर्ष के दूसरे ग्रैंडस्लैम फ्रेंच ओपन के प्री क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया है। भारत के बोपन्ना और उनके जोड़ीदार पावलासेक ने दूसरी वरीयता प्राप्त हैरी हेलियोवारा और हेनरी पैटन की जोड़ी को अच्छी टक्कर दी, लेकिन वे मुकाबला जीत नहीं सके। भारत और चेक गणराज्य के खिलाड़ी की गैर वरीयता प्राप्त जोड़ी को प्री क्वार्टर फाइनल मुकाबले में फिनलैंड और ब्रिटेन के खिलाड़ी की जोड़ी ने 6-2, 7-6 से शिकस्त दी। हेलियोवारा और पैटन की जोड़ी शुरूआती सेट में दो बार सर्विस ब्रेक करते हुए 5-1 की बढ़त बनाने में सफल रही। बोपन्ना और पावलासेक इसके बाद अपनी

सर्विस को भुनाने में सफल रहे लेकिन प्रतिद्वंद्वी खिलाड़ी की सर्विस को ब्रेक करने में नाकाम रहे। बोपन्ना ने दूसरे सेट में शानदार शुरूआत कर अपनी सर्विस पर एक भी अंक गंवाए बिना पहले गेम को अपने नाम किया। बोपन्ना और पावलासेक की जोड़ी के पास दूसरे सेट में उस समय बढ़त को बड़ा करने का मौका था जब वे 3-2 से आगे थे। पैटन ने छठा गेम को डबल फॉल्ट से शुरू किया फिर एक और अंक गंवाकर 0-30 से पिछड़ गए लेकिन ब्रिटेन के इस खिलाड़ी ने लगातार चार अंक लेकर खतरे को टाल दिया। मैच के दूसरे सेट में कोई भी सर्विस ब्रेक नहीं हुआ जिससे मुकाबला टाई ब्रेकर में खिंच गया। हेलियोवारा की शानदार सर्विस रिटर्न ने दूसरी वरीयता प्राप्त जोड़ी को जीत दिला दी। युकी भांबरी को भी अपने अमेरिका के साथी रॉबर्ट गैलोवे के साथ अपना तीसरे दौर का मैच खेलना है। उनका मुकाबला नौवीं वरीयता प्राप्त अमेरिका के क्रिश्चियन हैरिसन और इवान किंग से होगा। जूनियर चैंपियनशिप में भारत के मानस धामने को निराशा मिली। वह अमेरिका के क्वालीफायर रोनित कार्की से 5-7 3-6 से हारकर बाहर हो गए। 17 साल के धामने ने भी क्वालीफायर के तौर पर मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया था। वह मुख्य ड्रॉ में अपनी क्षमता के अनुसार नहीं खेल सके।

दो दिवसीय वुडबॉल चैंपियनशिप का समापन

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रविवार को झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के द्वारा पूर्वी क्षेत्र वुडबॉल चैंपियनशिप पुरुष और महिला वर्ग प्रतियोगिता का समापन स्थानीय जयपाल सिंह स्टेडियम में हुआ। समापन समारोह की मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद महुआ मांझी तथा विशिष्ट अतिथि झारखंड राज्य वुडबॉल संघ के अध्यक्ष राज कुमार पोद्दार, झारखंड हाई कोर्ट के एडवोकेट पी के लाला, झारखंड मानवा धिकार मिशन की उपाध्यक्ष सोहिनी राय, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, शशि वर्मा, अरुण कुमार, अदिति प्रिया के द्वारा सभी खिलाड़ियों को ट्रॉफी एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता के परिणाम

पुरुष वर्ग टीम चैंपियनशिप में झारखंड विजेता रहा, उप विजेता पश्चिम बंगाल और तीसरा स्थान बिहार रहा। सिंगल इवेंट में अजित गोप झारखंड प्रथम स्थान, नागेश्वर कुमार बिहार दूसरा स्थान और राजेश गोप झारखंड तीसरे स्थान पर रहे। बालिका वर्ग सिंगल इवेंट में प्याली चटर्जी पश्चिम बंगाल प्रथम, रानी कुमारी झारखंड द्वितीय और तृतीय गायत्री कुमारी बिहार तीसरे स्थान पर रही। पुरुष डबलस इवेंट विप्लव और लालटू वेस्ट बंगाल प्रथम , बंटी टोप्पो और शुभम शर्मा झारखंड द्वितीय और प्रियांशु और आशुतोष ओडिशा तीसरा स्थान रहे। महिला डबल्स अनुष्का और रानी कुमारी झारखंड प्रथम, प्रीति और कुमारी प्रिया बिहार दूसरा और सुष्मिता और सुधा झारखंड तीसरा स्थान पर रहे। मिक्स डबल्स कृपा और सरवर झारखंड प्रथम, अरिंदम और सोमा पश्चिम बंगाल द्वितीय और तृतीय सुकृति और रितेश बिहार तीसरा स्थान पर रहे। मौके पर मुख्य रूप से दीपक वर्मा, ब्रजेश गुप्ता, रिंकू वर्मा, अंश वर्मा, नितेश कुमार, एस के दत्ता, सरवर अंसारी, सोनू मिश्रा, गोपी वर्मा, मानस पांडेय, छोटू सिंह, ऋषिकेश लाल, ऋषिका कांसकार, दीपक दुबे समेत कई खेलप्रेमी उपस्थित थे।

स्पीड न्यूज

अवैध बालू लदे ट्रैक्टर को पुलिस ने किया जब्त

गोड्डा /बसंतराय। प्रखंड अंतर्गत थाना क्षेत्र में अवैध बालू के कारोबार पर नकेल कसते हुए बसंतराय पुलिस ने देर रात बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। वहीं थाना प्रभारी मनीष कुमार यादव के निर्देश पर पुलिस टीम ने लोचनी बहियार इलाके में छापेमारी कर रात करीब 3 बजे एक ट्रैक्टर को अवैध बालू लदे हुए जब्त किया गया और थाना लाया गया। वहीं इस मामले को लेकर थाना द्वारा खनन पदाधिकारी को प्रतिवेदन भेजा गया है ताकि अग्रिम विधिसम्मत कार्रवाई की जा सके। थाना प्रभारी मनीष कुमार यादव ने कहा कि अवैध खनन और परिवहन के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। थाना क्षेत्र में किसी भी हालत में अवैध कारोबार नहीं चलने दिया जाएगा। कानून का उल्लंघन करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि क्षेत्र में लंबे समय से अवैध बालू खनन की शिकायतें मिल रही थीं, जिस पर संज्ञान लेते हुए पुलिस ने यह कार्रवाई की है।

निशुल्क जांच शिविर का आयोजन

बेरमो। डुमरी के इसरी बाजार में लायंस क्लब एवं नवजीवन नर्सिंग होम के सहयोग से निशुल्क चिकित्सीय जांच शिविर का आयोजन किया गया है। जिसमें गरीब असहायक लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य जांच एवं दवाइयां दी गई। शिविर के माध्यम से लोगों को हर्निया बवासीर शुगर ब्लड प्रेशर सहित हड्डी की विशेष मशीन के द्वारा जांच किया जा रहा है। जहां मशीन के द्वारा लोगों की हड्डी की स्थिति बताई जा रही है। वही इस जांच शिविर में जरूरतमंदों को निशुल्क ऑपरेशन की भी व्यवस्था की गई है। जांच शिविर में नवजीवन नर्सिंग होम के चार डॉक्टरों की टीम के द्वारा लोगों का निशुल्क स्वास्थ्य जांच किया जा रहा है।

डीसी के निर्देश पर टीम ने सौहार्दपूर्ण माहौल में दिया जरूरी दिशा-निर्देश

बोकारो। उपायुक्त अजय नाथ झा के निर्देश पर चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रभाष दत्ता जिला सहकारिता पदाधिकारी श्वेता गुड़िया जिला पशुपालन पदाधिकारी डॉ मनोज मणि कार्यपालक दंडाधिकारी सत्य बाला सिन्हा/जया कुमारी की टीम ने मालती रेजीडेंसी परिसर में जाकर आवास करने वाले सभी लोगों व रेसिडेंसी प्रबंधन एवं पेट एक्टिविस्ट आदि के साथ डॉग्स के रहने एवं इसको लेकर उत्पन्न विवाद पर विस्तार से चर्चा की। सौहार्दपूर्ण माहौल में टीम ने आवास करने वाले सभी लोगों व प्रबंधन एवं पेट एक्टिविस्ट के साथ चर्चा करते हुए आम जनों की सुरक्षा/पेट्स के हितों की रक्षा/साफ - सफाई का ध्यान रखते हुए रेसिडेंसी प्रबंधन को डॉग्स के लिए रेसीडेंसी के समीप शेल्टर होम निर्माण कराने एवं वहीं उनके फिंडिंग्स आदि की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

बोकारो स्टील प्लांट से मई में सेवानिवृत कर्मचारियों को दी गयी विदाई

बोकारो। बोकारो स्टील प्लांट से मई 2025 में सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के लिए मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में विदाई समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में अधिशासी निदेशक-सामग्री प्रबंधन सीआर मिश्रा तथा बतौर विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक-मानव संसाधन एके शरण एवं मुख्य महाप्रबंधक-परियोजना एके झा उपस्थित रहे। समारोह में वरीय प्रबंधक-मानव संसाधन कल्पना ने सेवानिवृत हो रहे कर्मियों को अंतिम निपटारा एवं मैत्री भवन से संबंधित जानकारी दी और प्रत्येक सेवानिवृत्त कर्मी का संक्षिप्त बायोडाटा प्रस्तुत किया। अधिशासी निदेशक-एमएम सीआर मिश्रा ने सेवानिवृत्त हो रहे सभी कर्मियों को उनके निष्ठापूर्ण सेवा के लिए बधाई देते हुए उनके सुखद एवं समृद्ध भविष्य की कामना की। उन्होंने सेवा निवृत हो रहे कर्मियों को सेवा प्रमाण पत्र तथा उपहार भी भेंट किए।

साईटेक अकादमी में हुआ प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

बारहवीं में सफल हुए छात्र छात्राओं को किया गया सम्मानित

सम्मानित होते बच्चे एवं उपस्थित शिक्षक

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। शहर के दुधानी स्थित साई टेक अकादमी में रिसीव को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में सीबीएसई की परीक्षा में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र -छात्राओं को सम्मानित किया गया। समारोह का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीरामकृष्ण आश्रम के स्वामी विश्वरूप महाराज ने स्वामी विवेकानंद के चित्र पर माल्यार्पण तथा दीप प्रज्जवलित कर किया। कार्यक्रम में अतिथि का स्वागत छात्र अर्चित कुमार झा ने मेरे घर राम आये हैं............ गीत प्रस्तुत कर किया।

विद्यालय के बच्चों के शानदार सफलता पर मुख्य अतिथि स्वामी जी ने बच्चों तथा उनके अभिभावकों को बधाई दी और संबोधित करते हुए स्वामी जी ने बच्चों को भविष्य में भी ऐसे ही सफलता हासिल करने को लेकर प्रोत्साहित किया। उन्होंने सभी से स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को आत्मसात करते हुए उनके बताये मार्ग पर चलने का आहवान किया। समारोह के विशिष्ट अतिथि सह निदेशक मार्तण्ड मिश्रा ने उपस्थित बच्चों को उनके परिक्षा परिणाम के लिए बधाई देते हुए अभिभावकों से बच्चों को हर क्षेत्र में सफल बनाने के लिए प्रेरित करने की अपील की।

सीबीएसई बारहवीं द्वारा प्रकाशित परीक्षा परिणाम में टॉपर हुई रौशनी कुमारी को मुख्य अतिथि स्वामी जी ने प्रशस्ति पत्र एवं छात्रवृति स्वरूप 5100 रुपए का चेक प्रदान किया। वहीं टॉपरों की सूची में दूसरे स्थान पर रही अर्पिता सोरेन को 4100 व तीसरे स्थान पर रहे ऋषिका राज व भाव्या श्रीवास्तव को 3100 रुपए का चेक मुख्य अतिथि स्वामी जी ने प्रदान किया।

बोकारो की अग्रणी संस्था बोकारो रक्तवीर परिवार को मिला सम्मान

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बोकारो रक्तवीर परिवार के द्वारा रक्तदान के क्षेत्र में अहम भूमिका निभाने के लिए- समर्पण एक नेक पहल- संस्था के 5वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य पर धनबाद के कोयला नगर स्थित अन्नपूर्णा परिसर में आयोजित कार्यक्रम में अन्य सामाजिक कार्यकताओं एवं संस्थाओं के साथ सम्मानित किया गया। रक्तवीर के संस्थापक अध्यक्ष संजय शर्मा ने संस्था की ओर से सम्मान ग्रहण किया। संस्था के सचिव बिनय कुमार ने कहा कि ये सम्मान हमारी जिम्मेदारी को और बढ़ाती है।

इस अवसर पर राजा सिंह ने कहा कि सेवा को जब सम्मान मिलता है तो खुशी होती है एवम नई उमंग जगती है। संस्था को सम्मानित होने पर बोकारो रक्तवीर परिवार के सभी सदस्यों में खुशी है एवम ऐसे ही आगे भी सेवा करते रहने का संकल्प लिया गया। संस्था को सम्मानित करने के लिए रक्तवीर संस्था के लोगों ने समर्पण एक नेक पहल के अध्यक्ष दीपेश चौहान जी का तहे दिल से शुक्रिया अदा करते हुए आभार प्रकट किया।

एक नजर में

सीसीएल की कुव्यवस्था का दंश झेल रहा है सीसीएल कामगार : अजय

बेरमो। कथारा वाशरी में जेनरल मजदूर वन के पद पर कार्यरत बैजनाथ यादव की नियुक्ति वर्ष 1994 में पी आर डब्लू के पद पर हुई थी। 13 वर्ष पूर्व पी आर डब्लू से जनरल मजदूर कैटिगरी वन बनाया गया। और उसे समय से कैटिगरी 1 मजदूर के ही पद पर कार्यरत है। विडमना है यादव के साथ नियुक्ति में शामिल हुए लोग कोई फीटर कोई वेल्डर कोई ऑपरेटर तथा अन्य पद पर कार्यरत हैं। लेकिन सीसीएल प्रबंधन का कोप भाजन उक्त कामगार बना हुआ है। विडमना है वेतन समझौता में सेवा काल में मजदूर को कम से कम चार पदोन्नति दिए जाने का सहमति हुई है। लेकिन सेवा में योगदान देने के बाद अवकाश प्राप्त होने तक बैजनाथ यादव को पदोन्नति से दूर रखा गया। जो मजदूर के भावना के साथ खिलवाड़ करके मजदूर का शोषण किया गया है।

स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के पुरस्कार वितरण व समापन समारोह का आयोजन

बेरमो। दामोदर घाटी निगम, बोकारो थर्मल के सम्मेलन कक्ष में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 के पुरस्कार वितरण व समापन समारोह का आयोजन किया गया । केंद्र सरकार के दिशा-निर्देश में डीवीसी ने स्वच्छता पखवाड़े से संबंधित विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन 16 मई से 31 म?ई 2025 तक किया । जिसमें स्वच्छता अभियान, बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता, प्रभात फेरी, कर्मियों के लिए नारा लेखन प्रतियोगिता इत्यादि थे। प्रतियोगिताओं से जुड़े विजेताओं को परियोजना प्रधान सुशील कुमार अरजरिया द्वारा पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। जिसमें चित्रकला प्रतियोगिता में स्कूली छात्र-छात्राओं को पुरस्कार दिया गया, वहीं कर्मचारियों में नारा लेखन प्रतियोगिता के विजेताओं को सम्मानित किया गया । इसके साथ ही बोकारो थर्मल को स्वच्छ रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले सफाई कर्मियों को भी सम्मानित किया गया।

मजदूर किसान के मसीहा बाबा बरमेश्वर उर्फ मुखिया जी की मनायी गयी पुण्यतिथि

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र के हिन्दुस्तान पुल फुसरो के समीप एक जून को किसान और मजदूरो के मसीहा बाबा बरमेश्वर उर्फ मुखिया जी की 13.वीं पुण्यतिथि मनाई गई। मुखियाजी की पुण्यतिथि के अवसर पर उपस्थित गणमान्य जनों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर चुन्नू सिंह ने कहा कि ब्रह्मेश्वर मुखिया कभी भी दलित या कमजोर वर्ग का विरोध नहीं किया। उन्होंने किसान मजदूर को हक दिलाने की प्रयास करते रहे। लेकिन उग्रवादी तत्वों ने गरीबों का चेहरा दिखाकर उनके नाम पर लेवी वसूलने का काम किया करते थे और जबरन जमीन कब्जा का गोरख धंधा किया करते थे।

चन्द्रपुरा रेलवे स्टेशन पर यात्री से लुट का खुलासा, चार आरोपी गिरफ्तार

बेरमो। चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन पर गलती से उतरे यात्री से लूट मामले का बोकारो पुलिस ने 48 घंटे के अंदर खुलासा कर दिया है। इस मामले में बोकारो एसपी के द्वारा गठित एसआईटी टीम के द्वारा चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस मामले में एक अपराधी अभी फरार बताया जा रहा है। इसकी जानकारी बोकारो एसपी हरविंदर सिंह ने दी है। इस मामले में प्रिंस कुमार सिंह, रोहित कुमार ठाकुर, अमित सिंह और विक्की पाठक को गिरफ्तार गया किया है। एसपी हरविंदर सिंह ने बताया कि 30 मई की रात कोलकाता से धनबाद के लिए व्यापारी हसनैन आलम ट्रेन में सवार होकर आ रहा था। इसी दौरान वह सोया रह गया। चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन से पहले उसकी नींद खुली तो वह चंद्रपुरा रेलवे स्टेशन में उतर गया। इसी दौरान धनबाद जाने के लिए गाड़ी खुजने लगा।

जैक 12वीं में जिला टॉप श्वेता कुमारी को अनिल अग्रवाल ने किया सम्मानित

बेरमो। बेरमो कोयलांचल कि व्यावसायिक मंडी जरीडीह बाजार के होटल व्यवसाय जयप्रकाश कुमार एवं ममता देवी की पुत्री श्वेता कुमारी जैक इंटर कॉमर्स की परीक्षा में 445 अंक लाकर बोकारो जिला टॉपर होने पर अखिल भारतीय अग्रवाल कल्याण महासभा के प्रदेश अध्यक्ष अनिल अग्रवाल ने चुनरी डायरी पेन तथा मिठाई खिलाकर उसका अभिनंदन किया साथी कहा कि श्वेता ने जिला के साथ-साथ हमारे जारीडीह बाजार का मान बढ़ाया है,बताते चले कि श्वेता रामविलास प्लस टू उच्च विद्यालय की छात्रा है उसने विद्यालय में भी टॉप किया है श्वेता की सफलता पर उसके माता-पिता तथा उसकी दादी मालती देवी काफी प्रसन्न हैं श्वेता का कहना है कि वह अपनी सफलता का श्रेय पूरे परिवार को देना चाहती है खासकर दादी ने उसे काफी प्रोत्साहित किया मैंने तैयारी के लिए सेल्फ स्टडी की साथ ही ऑनलाइन क्लासेस की भी मदद ली मैंने आगे स्नातक करने के बाद बैंकिंग के क्षेत्र में जाने का लक्ष्य रखा है।

चोरी की साइकिल खरीद-बिक्री में संलिप्तता उजागर

बेरमो। पेटरवार थाना क्षेत्र में चोरी की घटनाओं के पीछे कबाड़ियों की संलिप्तता एक बार फिर उजागर हुई है। ताजा मामला बाजार टांड़ स्थित एक कंप्यूटर कोचिंग संस्थान की छात्रा की साइकिल चोरी से जुड़ा है, जिसमें चोर ने कबूल किया है कि उसने चोरी की गई साइकिल स्थानीय कबाड़ी को बेच दी थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार बीते शुक्रवार को कसमार थाना क्षेत्र के बरई निवासी चितरंजन महतो की पुत्री खुशबू कुमारी जब कोचिंग पढ़ने आई, तो उसने अपनी साइकिल कोचिंग के बाहर खड़ी कर दी थी। पढ़ाई के बाद लौटने पर साइकिल गायब मिली। काफी खोजबीन के बावजूद जब साइकिल नहीं मिली, तो परिजनों ने सतर्कता बरती। घटना का खुलासा तब हुआ जब चोर साइकिल में हवा भरवाने स्थानीय दुकान पहुंचा। दुकानदार को संदेह होने पर उसने वीडियो बना लिया।

सीडब्लयूसी ने भाई-बहन को उनके घर छत्तीसगढ़ के कोरबा भेजा

दुमका। बाल कल्याण समिति (सीडब्ल्यूसी) दुमका ने छत्तीसगढ़ राज्य के कोरबा जिले के रहनेवाले 12 वर्ष की किशोरी और उसके 10 वर्षीय भाई को विशेष टीम के साथ शनिवार की देर शाम दुमका रेलवे स्टेशन से रवाना किया। समिति के सदस्य डॉ0 राज कुमार उपाध्याय ने बताया कि दोनों भाई-बहनों को दुमका रेलवे स्टेशन से 10 अप्रैल को रेस्क्यू कर रेलवे चाइल्ड हेल्प डेस्क के माध्यम से सीडब्ल्यूसी केक समक्ष प्रस्तुत किया गया था। दोनों ने समिति को बताया था कि माता-पिता उन दोनों से नाच-गान व करतब दिखवा कर पैसे कमवाते हैं। उन्हें स्कूल नहीं भेजते हैं। समिति ने बाल भिक्षावृति श्रेणी में दोनों भाई बहनों को सीएनसीपी (देचारेख और संरक्षण के जरूरत वाले बालक) घोषित करते हुए कोरबा के जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी (डीसीपीओ) से दोनों का सामाजिक जांच रिपोर्ट मांगा था। जांच रिपोर्ट में बताया गया कि आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण ये लोग मजदूरी एवं नाच-गाना का काम करते हैं। इस कारण से बच्चे पढ़ाई छोड़कर अपने माता-पिता के साथ घुम रहे हैं। दोनों के माता-पिता और बड़े पापा उन्हें अपने साथ रखना चाहते हैं। एसआईआर के आधार पर समिति ने दुमका के जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी (डीसीपीओ) प्रकाश चद्रा को दोनों बालकों को बालगृह (बालक) श्रीमड़ा, दुमका के अधीक्षक संजु कुमार, चाइल्ड हेल्पलाइन के केस वर्कर निकु कुमार एवं डीसीपीयु की आउटरीच वर्कर सुनीता मराण्डी के साथ छत्तीसगढ़ के कोरबा जिला के सीडब्ल्यूसी को सौंपने के लिए एस्कोर्ड आदेश जारी किया।

ललमटिया गोली कांड का मुख्य आरोपी पुलिस के कब्जे में

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। ललमटिया दिनांक 27/5/2025 की रात्रि को राजमहल परियोजना ईसीएल क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ पुर ग्राम में कोयला खनन कार्य में बाधा डालने हेतु मजदूरों पर गोली बारी कर घटना को अंजाम दिया दिया गया था। इसमें एक मजदूर भी घायल हुआ था। इस संबंध में ललमटिया थाने में विभिन्न धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी। गोड्डा पुलिस अधीक्षक ने मामले की गंभीरता को देखते हुए कुमार गौरव प्रशिक्षु पुलिस उपाधीक्षक गोड्डा के नेतृत्व में एक एस आईटी टीम का गठन किया गया। पुलिस विभाग द्वारा घटना के संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया गया कि पुलिस विभाग की तकनीकी शाखा को भी सहायता के लिए लगाया गया। दो आरोपियों को जांच टीम ने अपने हिरासत में लिया पटवारी सोरेन और अजीत सोरेन से दो देशी कट्टा और दो कारतूस भी बरामद किया गया।

स्वास्थ्य, शिक्षा समेत अन्य मूलभुत समस्या व समधान को लेकर बैठक

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। परिसदन के फूलों झानो ब्लॉक के सभा कक्ष में सिविल सोसायटी की बैठक रविवार को आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता सोसायटी अध्यक्ष राधेश्याम वर्मा ने किया। बैठक में सदस्यों ने बारी-बारी से अपने विचार रखे। जिसमें प्रोफेसर डॉ विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि विभागवार जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण व अन्य विभाग के पदाधिकारी के साथ सिविल सोसायटी की बैठक हो। जिसमें समस्याओं को रख समाधान के लिए संबंधित विभागों से उनकी राय पर चर्चा हो। सदस्य अशोक कुमार राउत ने नगर परिषद क्षेत्र में व्याप्त सफाई और पेयजल आदि की बढ़ती समस्या के लिए सोसायटी नगर परिषद पर लगातार दवाब बनाने का काम करें। जिससे शहर साफ हो और एक स्वस्थ माहौल में लोग जीवन बसर कर सकें। डॉ विनय कुमार सिन्हा और अजय कुमार दुबे ने कहा कि स्वास्थ विभाग और नगर परिषद से ब्लीचिंग पाउडर और डीडीटी का छिड़काव जो पहले हुआ करता था। वह अब बिल्कुल बंद कर दिया गया है। जिससे मच्छरों का प्रकोप काफी बढ़ गया है। कम से कम सप्ताह में एक दिन भी फॉगिंग मशीन मोहल्लों में चले। कोयला डंपिंग एक भयावह स्थिति में आ चुका हैं। लोगों का जीना दुभर हो चुका हैं। इस पर भी पूर्व की भांति सिविल सोसायटी प्रयासरत रहें। पूनम भगत ने वार्ड समिति के गठन की बात कही। जिसमें वार्ड स्तर की समस्याओं से हम अवगत होंगे और जिला प्रशासन से त्वरित कार्यवाही की मांग करेंगे।

बैठक करते सिविल सोसायटी सदस्य

चिन्मय विद्यालय के शिक्षक डॉ. रोशन शर्मा को मिला

सर्वश्रेष्ठ अंतर्राष्ट्रीय शिक्षक सम्मान

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। चिन्मय विद्यालय बोकारो के वरीय शिक्षक डॉ रोशन शर्मा को साइंस ओलिंपियाड फाउंडेशन नई दिल्ली की ओर से डॉ अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र नई दिल्ली में बेस्ट अंतरराष्ट्रीय टीचर पुरस्कार से गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति में सम्मानित किया गया।

डॉ शर्मा को सत्र 2024-25 एकेडमिक सत्र में विशेष योगदान के लिए साइंस फाउंडेशन नई दिल्ली के द्वारा डॉ रोशन शर्मा को डॉ अंबेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र नई दिल्ली में सर्वोच्च न्यायालय नई दिल्ली के न्यायाधीश जितेंद्र कुमार महेश्वरी उच्च न्यायालय मध्य प्रदेश के न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला एवं साइंस ओलिंपियाड फाउंडेशन के संस्थापक अध्यक्ष महावीर सिंह के द्वारा सैकड़ो प्राचार्य व बच्चों एवं शिक्षकों के समक्ष सम्मानित किया गया। डॉ रोशन शर्मा को मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के माननीय न्यायाधीश विजय कुमार शुक्ला ने तीन श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया जिनमें कोमेमोरैक्टिव ट्रॉफी साइटेशन ऑफ एक्सीलेंस और ऑनरेरियम नकद राशि 10000 शामिल हैं। चिन्मय विद्यालय के प्राचार्य सूरज शर्मा ने डॉ रोशन शर्मा के विशिष्ट उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि डॉ रोशन शर्मा ने अपनी कड़ी मेहनत और ईमानदारी से बच्चों को विभिन्न प्रतियोगिताओं के लिए प्रेरित किया।

चिंतपूर्णी मंदिर का जल्द होगा जीर्णोद्धार : मुखिया

गोमिया। गोमिया प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत होसिर पूर्वी पंचायत के तेतरिया टांड स्थित मां चिंतपूर्णी मंदिर के प्रांगण में मंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर स्थानीय मुखिया सावित्री देवी की अध्यक्षता में ग्रामीणों की एक बैठक हुई। जहां सर्वसम्मति से मंदिर के जीर्णोद्धार करने को लेकर ग्रामीणों की सहमति बनी। वहीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए मुखिया सावित्री देवी ने कहा कि लगभग 346 वर्ष पूर्व तेतरिया टांड़ में स्थापित मां चिंतपूर्णी मंदिर (पुरनी मंदिर) की स्थिति वर्तमान समय में काफी जीर्ण शीर्ण हो गई है। बारिश के दिनों में मंदिर के छत से पानी टपकने लगता है। ऐसे में मंदिर के अंदर की स्थिति और भी खराब हो जाती है। कहा कि वर्तमान समय में मंदिर का जीर्णोद्धार करना अत्यंत ही आवश्यक हो गया है,और इसमें सभी का सहयोग आवश्यक है। इस अवसर पर पंसस गीता देवी सूरजलाल सिंह, मनोज चंचल, मोहन नायक, चितरंजन सिंह, सुधीर ठाकुर, रामा ठाकुर देवेंद्र प्रजापति, विपिन बिहारी प्रसाद, अवध कुमार, राजेश कुमार, रेशम नायक, अर्जुन केवट आदि मौजूद थे।

किसान का बेटा बना जिला टॉपर, राज्य में तीसरा स्थान

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। झारखंड अधिविद्य परिषद की ओर से आयोजित इंटर इंटर साइंस और कॉमर्स परीक्षा 2025 में साइंस में बोकारो के किसान के बेटे ने पूरे झारखंड में तीसरा स्थान और जिले में पहला स्थान प्राप्त किया है। चास के वीकेएम इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले डाबर गांव के रहने वाले किसान रामशंकर सिंह चौधरी के पुत्र जगन्नाथ सिंह चौधरी ने पूरे राज्य में 474 अंक लाकर तीसरा और बोकारो में पहला स्थान प्राप्त किया है। बच्चों की सफलता पर घर और गांव वाले काफी खुश हैं। घर में बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। छात्र जगन्नाथ सिंह चौधरी ने मैट्रिक की पढ़ाई सर्वोदय प्लस टू उच्च विद्यालय पिंड्राजोरा से की थी। छात्र जगन्नाथ सिंह चौधरी ने कहा कि उसके पिता किसान हैं और उन लोगों की आर्थिक स्थिति उतनी अच्छी नहीं थी जिस कारण खेती कर पिता ने मुझे पढ़ने के लिए पैसा दिया। मैंने सात से आठ घंटे चास में रहकर मेहनत की और यह सफलता हासिल की। जगन्नाथ ने कहा कि वह पूरे राज्य में टॉप 10 और जिले में टॉप करने का लक्ष्य लेकर पढ़ाई कर रहा था। लेकिन हमारी मेहनत आज कामयाब हो गई और मैं अपने पिता का भरोसा भी कायम रखा। वह आगे एसएससी सीजीएल की तैयारी करना चाहता है। बेटे की कामयाबी पर रमाशंकर सिंह चौधरी ने कहा कि हमें बेटे पर भरोसा था। कभी हम लोगों ने दबाव नहीं दिया। वह समय पर क्रिकेट भी खेलता था। लेकिन उसने परिवार और समाज का नाम रोशन किया है। उन्होंने भी कहा कि किसान के लिए बच्चों को पढ़ाना काफी दिक्कत भरा रहता है। लेकिन हमने कष्ट कर बच्चों को पढ़ाया। अब आगे वह जो चाहता है- करे।

सूर्य मंदिर सरोवर के पुनर्जीवन से विश्व पर्यावरण दिवस अभियान का शुभारंभ

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बीएसएल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2025 की - प्लास्टिक प्रदूषण को हराओ थीम के तहत जन-जागरूकता कार्यक्रमों की श्रृंखला का शुभारंभ सेक्टर-4 स्थित सूर्य मंदिर सरोवर की सफाई एवं पुनर्जीवन कार्य के साथ किया गया।

यह पहल बोकारो स्टील प्लांट के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग नगर प्रशासन के जन स्वास्थ्य अनुभाग तथा झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में संपन्न हुई। अभियान के तहत तालाब के किनारों से प्लास्टिक कचरे एवं अन्य ठोस अपशिष्टों को हटाया गया तथा सम्पूर्ण क्षेत्र की सफाई की गई। इसका उद्देश्य जलाशयों की जल धारण क्षमता को बढ़ाना व भूजल पुनर्भरण को प्रोत्साहित करना एवं जलीय जीवन के संरक्षण को सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर नगर प्रशासन के सीजीएम कुंदन कुमार ने नागरिकों से अपील की कि वे जल स्त्रोतों में किसी भी प्रकार का प्लास्टिक अथवा कचरा न फेंकें क्योंकि इससे न केवल जल की गुणवत्ता प्रभावित होती है बल्कि यह जलीय जीव-जंतुओं के लिए भी घातक सिद्ध होता है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण की रक्षा हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संरक्षण विभाग के सीजीएम डीके सक्सेना एवं डीजीएम नितेश रंजन ने नागरिकों से प्रकृति के अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान करते हुए पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय और जिम्मेदार भागीदारी की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि बोकारो स्टील प्लांट केवल स्टील उत्पादन में ही अग्रणी नहीं है बल्कि पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में भी अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों का निर्वहन पूरी गंभीरता और प्रतिबद्धता के साथ कर रहा है।

इस अवसर पर जनस्वास्थ्य विभाग के जीएम अविनाश कुमार ने कहा कि जलाशयों की नियमित सफाई अत्यंत आवश्यक है क्योंकि स्वच्छ जल स्त्रोत सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य से जुड़े होते हैं।

उन्होंने बताया कि बोकारो स्टील प्लांट इस दिशा में निरंतर संकल्पबद्ध प्रयास कर रहा है। गौरतलब है कि विश्व पर्यावरण दिवस के उपलक्ष्य में बोकारो स्टील प्लांट द्वारा एक सप्ताह तक विविध गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं जिनमें बच्चों के लिए चित्रकला प्रतियोगिता कर्मचारियों के लिए क्विज एवं वक्तृत्व प्रतियोगिता बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन पर जागरूकता कार्यक्रम तथा प्लास्टिक प्रदूषण के विरुद्ध जन-जागरूकता रैली शामिल हैं।

स्पीड न्यूज

फिल्म 'सरदार जी 3' का फर्स्ट लुक रिलीज

मुंबई। पंजाबी फिल्मों के सुपरस्टार दिलजीत दोसांझ की आने वाली पंजाबी फिल्म सरदार जी 3 का फर्स्ट लुक रिलीज हो गया है। सुपरहिट फ्रेंचाइजी 'सरदार जी' का तीसरा पार्ट ह्रसरदार जी 3 जल्द ही सिनेमाघरों में दस्तक देने वाला है। दिलजीत ने इस फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर सोशल मीडिया पर शेयर किया है। पोस्टर में दिलजीत एक अलग ही अंदाज में नजर आ रहे हैं, जहां वह अपने ही मस्त मौला अंदाज में खड़े हुए हैं और उनके पीछे कई महिलाएं हैं जिनके चेहरों पर घूंघट पड़ा है। फिल्म 27 जूनको सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

अब्बास अंसारी की विस सदस्यता रद्द

लखनऊ। रविवार को अवकाश के बावजूद विधानसभा सचिवालय के अधिकारियों ने कोर्ट से दो साल की सजा पाने वाले अब्बास अंसारी की विधानसभा की सदस्यता रद्द कर दी है। सचिवालय ने निर्वाचन आयोग को मऊ विधानसभा सीट रिक्त होने की भी सूचना भेज दी है। मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी मऊ सदर विधानसभा सीट से चुनाव जीतकर पहली बार विधायक बने थे। एक हेट स्पीच मामले में विशेष कोर्ट ने शनिवार को उन्हें गुनहागार माना और दो वर्ष की सजा सुनाई है।

जर्मनी के अस्पताल में आग से तीन मरे

बर्लिन। उत्तरी जर्मन शहर हैम्बर्ग के होहेनफेल्ड जिले में एक अस्पताल में शनिवार रात आग लग जाने से तीन मरीजों की मौत हो गई और 50 से अधिक अन्य झुलस गये। स्थानीय अधिकारियों ने रविवार को इस घटना की पुष्टि की। इस हादसे में तीन मरीजों की मौत हो गयी जबकि दो की हालत गंभीर है। सोलह अन्य गंभीर रूप से झुलस गये हैं और 36 मामूली रूप से प्रभावित हुए हैं। आग लगने के कारणों के बारे में फिलहाल पता नहीं चल सका है।

गाजा में हमास नेता और दो शीर्ष कमांडर मारे गये

यरूशलम। इजरायल की सेना ने इस महीने की शुरूआत में हवाई हमले में हमास के वरिष्ठ कमांडर एवं गाजा में समूह की सैन्य शाखा के प्रमुख मोहम्मद सिनवार और दो शीर्ष कमांडरों के मारे जाने की पुष्टि की है। आईडीएफ और शिन बेट घरेलू खुफिया एजेंसी ने कहा कि सिनवार 13 मई को दक्षिणी गाजा में यूरोपीय अस्पताल के नीचे स्थित एक भूमिगत कमांड सेंटर पर लक्षित हमले में मारा गया।

मई में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ के पार

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष 2025 के दूसरे महीने अप्रैल में माल एवं सेवाकर (जीएसटी) राजस्व संग्रह 2,01,050 करोड़ रुपये रहा है जो पिछले वित्त वर्ष के इसी महीने के 1,72,739 करोड़ रुपये के संग्रह की तुलना में 16 .4 प्रतिशत अधिक है। जीएसटीएन पोर्टल पर रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार मई 2025 में सीजीएसटी संग्रह 35434 करोड़ रुपये रहा है। एसजीएसटी 43902 करोड़ रुपये और आईजीएसटी 108836 करोड़ रुपये रहा है तथा क्षतिपूर्ति अधिभार संग्रह 12879 करोड़ रुपये रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर बढ़ा

मुंबई। विदेशी मुद्रा, स्वर्ण भंडार, विशेष आहरण अधिकार और आईएमएफ के पास आरक्षित निधि में भारी बढ़ोतरी होने से 23 मई को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 6.9 अरब डॉलर की बढ़त के साथ 692.7 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

कोलकाता में सुखोई के पहियों पर दौड़ेगा जगन्नाथ का रथ

इस्कॉन ने 48 साल बाद किया परिवर्तन

एजेंसी

कोलकता। पश्चिम बंगाल के कोलकाता में प्रतिवर्ष निकलने वाली जगन्नाथ यात्रा के रथ में इस बार श्रद्धालुओं को बदलाव देखने को मिलेगा। इस वर्ष भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ सुखोई लड़ाकू विमान के टायरों पर सवार होकर धीमी गति से अग्रसर होंगे। बताया जा रहा है कि भगवान जगन्नाथ के रथ में पिछले साल स्टेयरिंग में आई खराबी के बाद ये बदलाव किया गया है। जगन्नाथ रथ को करीब 2 दशकों तक चली खोज के बाद नए टायर मिल पाए हैं।

अब तक रथ को बोइंग विमान के टायरों की मदद से खींचा जाता था, लेकिन इन टायरों के पुराने हो जाने के कारण पिछले 15 वर्षों से इस्कॉन नए विकल्प की तलाश में था। इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि सुखोई के टायरों का व्यास (डायमीटर) बोइंग के टायरों से मेल खाता है, इसलिए इस बार इन्हें रथ में लगाया जा रहा है। इस्कॉन के प्रवक्ता राधारमण दास ने बताया कि सुखोई के टायरों का डायमीटर बोइंग के टायर्स से मिलता-जुलता है, इस वजह से इस साल सुखोई के पहिए लगाने का फैसला लिया गया है। हालांकि, अब बोइंग के टायर्स मिलने काफी मुश्किल भी है।

राधारमण ने बताया कि जब इस्कॉन ने सुखोई बनाने वाली कंपनी से टायर को लेकर कोटेशन मांगा तो कंपनी हैरान रह गई। कंपनी को यह समझ नहीं आ रहा था कि कोई क्यों उनके टायरों का कोटेशन मांग रहा है और वह भी रथ यात्रा के लिए। इसके बाद इस्कॉन ने कंपनी को पूरी स्थिति की जानकारी दी और उनकी एक टीम को कोलकाता बुलाकर रथ भी दिखाया गया। इसके बाद कंपनी ने इस्कॉन को चार टायर उपलब्ध कराए। फिलहाल इन पहियों को लगाने का कार्य जारी है।

रथ का पारंपरिक पूरी तरह सुरक्षित : राधारमण दास ने बताया कि कुछ मामूली बदलाव करने पड़े, जैसे कि पहिया ड्रम, बेस फ्रेम और एक्सेल फिटिंग में सुखोई के टायर लगाने के लिए। लेकिन रथ का पारंपरिक लकड़ी और लोहे का ढांचा पूरी तरह से सुरक्षित है।

लोहे के पहियों पर चलते हैं 2 रथ : भगवान बलराम या बलदेव का रथ पहले से ही नए लोहे के पहियों पर चल रहा है। पुराने लोहे के पहिये, जो 46 सालों से सेवा दे रहे थे, उन्हें 2024 में बदल दिया गया। चार पहियों में से एक को 2023 में बदला गया था। बलराम के रथ का हर पहिया 6 फीट का है और वजन 250 किलो है।

तकनीकी खराबी की संभावना कम होगी

सुखोई के नए टायर रथ को चलाने में आसान बनाएंगे। इससे रथ ज्यादा सुरक्षित और स्थिर रहेगा। खासकर कोलकाता की सड़कों पर, जहां कई जगह ट्राम की पटरियां हैं। इससे रथ खींचने वाले भक्तों पर भी कम जोर पड़ेगा और तकनीकी खराबी की संभावना भी कम हो जाएगी। टायर बदलने का काम अभी चल रहा है। उम्मीद है कि रथ यात्रा से ठीक पहले, जून के दूसरे हफ्ते तक ये काम पूरा हो जाएगा। सबसे बड़ी चुनौती ये है कि नए पहियों को पारंपरिक ढांचे में बिना बदलाव किए सुरक्षित रूप से लगाया जाए।

5 टन के रथ को खींचते हैं पहिये : चारों पहियों का वजन एक टन है, जो 1977 में बने 5 टन के रथ को खींचते हैं। सुभद्रा के रथ के पहिए भी स्टील के बने हैं और अच्छी हालत में हैं।

उम्मीद है कि वे अभी कई सालों तक चलेंगे। जगन्नाथ के रथ में पिछले साल स्टीयरिंग से जुड़ी जो समस्याएं आई थीं, उन्हें ठीक कर लिया गया है।

गति-दिशा को नियंत्रित करना आसान : इस पूरे बदलाव का मकसद यही है कि भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा सुरक्षित और सुगम हो। भक्तों को किसी तरह की परेशानी न हो और रथ भी बिना किसी रुकावट के अपनी यात्रा पूरी करे। नए टायरों से रथ की गति और दिशा को नियंत्रित करना आसान होगा. साथ ही, रथ के रख-रखाव में भी मदद मिलेगी।

तेज प्रताप ने पार्टी-परिवार से निकाले जाने के बाद तोड़ी चुप्पी, कहा

साजिश का जल्द करेंगे खुलासा

जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी

▶▶ अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वाले अपनी साजिशों में सफल नहीं होंगे

खबर मन्त्र संवाददाता

पटना। राजद से हाल ही में निकाले जाने पर चुप्पी तोड़ते हुए तेजप्रताप यादव ने रविवार को आरोप लगाया कि उनके और छोटे भाई तेजस्वी यादव के बीच दरार डालने की साजिश रची जा रही है। पार्टी से निष्कासित किये जाने के एक हफ्ते बाद बिहार के पूर्व मंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। तेजप्रताप यादव ने रविवार को दावा किया कि पार्टी में जयचंद जैसे कुछ लालची लोग उनके खिलाफ राजनीति कर रहे हैं। महाभारत के प्रतीकात्मक चित्रण का सहारा लेते हुए यादव ने लिखा कि मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नहीं हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो लेकिन खुद कृष्ण को नहीं। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। तेजस्वी यादव का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि बस मेरे भाई भरोसा रखना मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह है अंदर भी और बाहर भी। लालू प्रसाद और बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के बड़े बेटे तेजप्रताप यादव ने इससे पहले एक अन्य पोस्ट में लिखा था कि मेरे प्यारे मम्मी पापा, मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर हैं आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप

हैं तो सबकुछ है मेरे पास। मुझे बस आपका विश्वास और प्यार चाहिए, इससे ज्यादा कुछ नहीं। उन्होंने पोस्ट में आगे लिखा था कि पापा आप नहीं होते तो ये पार्टी नहीं होती। कुछ जयचंद जैसे लालची लोगों ने मेरे खिलाफ साजिश की। बस मम्मी पापा आप दोनों हमेशा स्वस्थ और खुश रहें। तेजप्रताप को 25 मई को उनके पिता एवं राजद के प्रमुख लालू प्रसाद ने पार्टी से निष्कासित कर दिया था और उनके साथ सभी पारिवारिक संबंध तोड़ दिए थे। तेजप्रताप आधिकारिक तौर पर 6 साल के लिए निष्कासित : राजद ने रविवार को तेजप्रताप यादव को आधिकारिक रूप से पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया है। पार्टी ने इस संबंध में एक कार्यालय आदेश जारी कर इसकी जानकारी दी है। तेजप्रताप को पार्टी से निष्कासित करने का आदेश राष्ट्रीय प्रधान महासचिव अब्दुल बारी सिद्दीकी की ओर से जारी किया गया है।

लालू यादव व तेजस्वी बताएं राजद में जयचंद कौन : मनीष यादव

इधर जदयू प्रवक्ता मनीष यादव ने कहा कि तेजप्रताप ने जयचंद का जिक्र किया और जयचंद की वजह से ही उनकी यह हालत है और पार्टी की मौजूदा बुरी हालत भी जयचंद की वजह से ही है। अब सवाल यह है कि जयचंद कौन है? मनीष यादव ने कि जयचंद के बारे में कौन बताएगा? क्या लालू यादव बताएंगे या फिर तेजस्वी या राजद बताएगी? उन्होंने कहा कि लालू और तेजस्वी बतायें कि राजद में जयचंद कौन है?

नासा प्रमुख के नाम का ऐलान जल्द करेंगे ट्रंप

▶▶ अमेरिकी राष्ट्रपति ने पहले मस्क के करीबी इसाकमैन को किया था नामित

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प जल्द ही नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (नासा) के नये प्रमुख के नाम की घोषणा करेंगे। यह जानकारी व्हाइट हाउस दी है। इससे पहले ट्रंप ने टेक अरबपति जेरेड इसाकमैन को नासा के प्रमुख के रूप में नामित किया था, जो प्रसिद्ध उद्यमी एलन मस्क के करीबी सहयोगी हैं। एजेंस फ्रांस-प्रेस की रिपोर्ट के अनुसार व्हाइट हाउस ने कहा कि यह जरूरी है कि नासा का अगला प्रमुख ऐसा व्यक्ति हो जो राष्ट्रपति ट्रंप के अमेरिका फर्स्ट एजेंडे के साथ पूरी तरह से ठीक बैठता हो। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा जल्द ही इसके बारे में घोषणा की जाएगी। इससे पहले अमेरिकी मीडिया ने सूत्रों का हवाला से अपनी रिपोर्ट में बताया था कि श्री ट्रंप इसाकमैन के नामांकन को

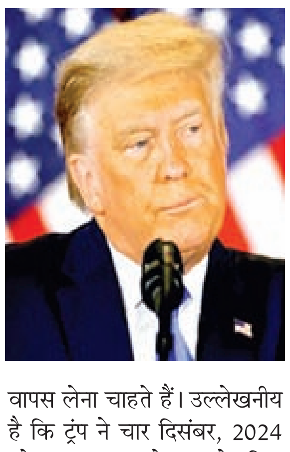

वापस लेना चाहते हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप ने चार दिसंबर, 2024 को नासा प्रमुख के पद के लिए इसाकमैन को नामित किया था। इसके बाद अप्रैल के अंत में वाणिज्य, विज्ञान और परिवहन के लिए सीनेट समिति ने इसाकमैन की इस पद पर पुष्टि की सिफारिश की थी।

राममंदिर का स्वर्ण जड़ित शिखर तैयार

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण कार्य अपनी पूर्णता की तरफ अग्रसर है। मंदिर के गर्भ गृह के शिखर कलश पर सोना मढ़ने का कार्य पूरा हो गया है। स्वर्ण जड़ित खूबसूरत शिखर की भव्यता दूर से ही दिखाई देने लगी है। 3, 4 एवं 5 जून को मंदिर के प्रथम तल पर राम दरबार एवं परकोटे पर स्थित छह अन्य मंदिरों में प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली है। यज्ञशाला को भी दिव्य भव्य बनाया गया है।

25 लाख रिश्वत लेते राजस्व सेवा के अधिकारी गिरफ्तार

नयी दिल्ली। सीबीआई ने करदाता सेवा महानिदेशालय में तैनात अपर महानिदेशक अमित कुमार सिंघल को 25 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया है। सिंघल 2007 बैच के आईआरएस अधिकारी हैं। गिरफ्तारी के बाद सीबीआई ने सिंघल से जुड़े ठिकानों पर दिल्ली, मुंबई और पंजाब में छापा मारा। सीबीआई के आधिकारिक सूत्रों के अनुसार अमित कुमार सिंघल ने आयकर से जुड़ी जांच को खत्म करने के लिए एक आयकरदाता से 45 लाख रुपये की रिश्वत की मांग की थी। जिसकी पहली किश्त के रूप में 25 लाख रुपये दिये जाने था। इसकी जानकारी मिलने के बाद सीबीआई ने सिंघल को रंगे हाथों गिरफ्तार करने का प्लान तैयार किया। सिंघल का घर मोहाली में है, जहां 25 लाख रुपये दिये जाने थे। उनके घर पर सिंघल की जगह हर्ष कोटक नाम के व्यक्ति ने 25 लाख रुपये लिए। सीबीआई ने हर्ष सिंघल को भी पैसे समेत गिरफ्तार कर लिया और इसके साथ ही सिंघल को भी दिल्ली के वसत कुंज स्थित उनके आवास से गिरफ्तार किया गया। सीबीआई के अनुसार सिंघल ने आयकर मामले में न सिर्फ अनुकूल निर्णय देने के लिए रिश्वत की मांग की थी। उसने रिश्वत नहीं देने की स्थिति में भारी जुमार्ने और कानूनी कार्रवाई की भी धमकी थी। यही नहीं, सिंघल ने आयकरदाता को भविष्य में भी दूसरे मामलों में फंसाने की धमकी दी थी।

शराब कारोबारी भाटिया गिरफ्तार

▶▶ छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाले मामले में आठ जगहों पर एसीबी ने की छापेमारी

▶▶ दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, लेन-देन के रिकॉर्ड, फर्जी बिल और अन्य कई महत्वपूर्ण सबूत जब्त

▶▶ पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बेहद करीबी है विजय

एजेंसी

रायपुर/दुर्ग। छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) और आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) की टीम ने रविवार को दिल्ली से शराब कारोबारी विजय भाटिया को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तारी के बाद भाटिया को फ्लाइट के जरिए रायपुर लाया गया। भाटिया पर आरोप है कि उन्होंने विदेशी शराब उत्पादक कंपनियों और सप्लायर्स से कमीशन वसूलने की साजिश रची और इसे सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया। इस अवैध लेन-देन के जरिए सरकार को भारी मात्रा में राजस्व का नुकसान पहुंचाया गया। जांच में यह भी सामने आया है कि भाटिया ने न केवल खुद को बल्कि अपने सहयोगियों और अन्य फर्मों को भी अवैध आर्थिक लाभ दिलवाया। गिरफ्तारी के बाद भाटिया के भिलाई और दुर्ग स्थित आवासों, फर्मों और उनसे जुड़े सहयोगियों-रिश्तेदारों यहां के कुल 8 स्थानों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान दस्तावेज, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, लेन-देन के रिकॉर्ड, फर्जी बिल और अन्य कई महत्वपूर्ण सबूत जब्त किए गए हैं। विजय भाटिया ने शराब वितरण प्रणाली में अपने संपर्कों और पद का दुरुपयोग कर करोड़ों रुपये की अवैध कमाई की। यह धनराशि हवाला और फर्जी कंपनियों के माध्यम से इधर-उधर की गई। आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) के अधिकारियों का कहना है कि छापों में मिली सामग्री की बारीकी से जांच की जा रही है और घोटाले में शामिल अन्य बड़े नामों का जल्द खुलासा हो सकता है। उल्लेखनीय है कि भिलाई के कारोबारी विजय भाटिया को पाटन से कांग्रेस विधायक और छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल का बेहद करीबी माना जाता है। विजय भाटिया ईडी जांच के दायरे में भी थे। हालांकि ईओडब्ल्यू ने जब शराब घोटाला मामले में जांच शुरू की थी, तभी से ही विजय भाटिया का नाम चर्चा में बना हुआ है।

इस मामले में ईओडब्ल्यू द्वारा अपराध 04/2024 के तहत भारतीय दंड संहिता की धाराओं 420 (धोखाधड़ी), 467, 468, 471 (जालसाजी) और 120 बी के तहत मामला दर्ज किया गया है। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 7 और 12 (संशोधित अधिनियम 2018 के तहत) भी आरोप में शामिल हैं।

भारतीय सेना ने किया जैसलमेर में युद्धाभ्यास

पोखरण और बबीना में फायरपावर का प्रदर्शन

एजेंसी

जैसलमेर। भारत-पाकिस्तान सीमा से सटे फील्ड फायरिंग रेंज में भारतीय सेना वर्तमान में युद्धाभ्यास कर रही है। रविवार को भारतीय सेना जैसलमेर की पोखरन फील्ड फायरिंग रेंज के साथ ही यूपी की बबीना फील्ड फायरिंग रेंज और जोशीमठ सहित भारत के विभिन्न प्रमुख स्थानों पर बड़े पैमाने पर युद्ध अभ्यास कर अपनी हथियारों की क्षमता का प्रदर्शन किया।

इसके अलावा आगरा और गोपालपुर में वायु रक्षा उपकरण (एयर डिफेंस इक्विपमेंट) का विशेष प्रदर्शन भी किया जा रहा है। ये क्षेत्रीय परीक्षण युद्ध जैसी परिस्थितियों में आयोजित किए जा रहे हैं। इनमें एडवांस डिफेंस सिस्टम्स के प्रदर्शन का बारीकी से आकलन किया जा रहा है। पोखरन फील्ड फायरिंग रेंज में सेना की बैटल एक्स डिवीजन की मैकेनाइज्ड फोर्स ने कठोर अभ्यास किया। रेगिस्तान में असाधारण मानकों का प्रदर्शन किया। सटीक और प्रभावी फायर-पावर अभ्यास में सेना ने अपने हथियारों की ताकत और ऑपरेशनल तैयारियों का प्रदर्शन किया। इन गतिविधियों में आत्मनिर्भर भारत पहल के तहत विकसित एडवांस्ड टेक्नोलॉजी की विस्तृत सीरीज प्रदर्शित की गयी, जिसका उद्देश्य स्वदेशी क्षमता के विकास में तेजी लाना है। ये प्रदर्शन भारतीय सेना के परिवर्तन के दशक के रोडमैप में एक महत्वपूर्ण कदम है। इसका उद्देश्य उभरती युद्धक परिस्थितियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इमर्जिंग टेक्नोलॉजी को तेजी से अपनाना है। इस रक्षा प्रदर्शन में बड़ी संख्या में रक्षा उद्योग साझेदार भाग ले रहे हैं। प्रेस इन्फॉर्मेशन ब्यूरो के अनुसार, सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने 27 मई को उत्तर प्रदेश के बबीना फील्ड फायरिंग रेंज में चल रहे परीक्षणों की समीक्षा की थी। उन्होंने रक्षा उद्योग में भागीदारों और सेना के अधिकारियों के साथ बातचीत भी की थी। बाड़मेर, बीकानेर, श्रीगंगानगर और जैसलमेर पाकिस्तान के साथ सीमा साझा करते हैं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भी पाकिस्तान की सेना ने बॉर्डर से सटे इलाकों में कायराना हरकत की थी। जिसका भारतीय सशस्त्र बलों ने यहां मुंहतोड़ जवाब दिया था।